चैत्र शुक्ल पक्ष द्वादशी
विक्रम संवत 2081

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

शनिवार, 20 अप्रैल 2024
वर्ष 4, अंक 62, पृष्ठ 16
2 राज्य, 6 संस्करण
मूल्य 6 रुपये

अमृत विचार

हल्द्वानी

एक सम्पूर्ण अखबार

www.amritvichar.com

ब्रह्मांड में तीन ग्रहों के अनूठे सौर मंडल की खोज 16

जूनियर एनटीआर ने ट्रेनर मन्नव का जन्मदिन मनाया 15

उत्तराखंड की पांचों सीटों पर पड़े मत, गढ़वाल सीट पर सबसे कम रही वोटिंग, मणिपुर और बंगाल में कई जगह हिंसा

महापर्व के पहले चरण में 60% मतदान

नई दिल्ली, एजेंसी

57.54% उत्तर प्रदेश | **54.01%** उत्तराखंड | **47.49%** बिहार

लोकसभा चुनाव के पहले चरण का मतदान खत्म हो गया है। कुल 102 निर्वाचन क्षेत्रों के लिये शुक्रवार को 60 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ। निर्वाचन आयोग से शाम सात बजे तक प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, पहले चरण में त्रिपुरा में वोट डालने वाले मतदाताओं का अनुपात सर्वाधिक 79.90% रहा, जबकि बिहार में सबसे कम 47.49 प्रतिशत मतदाता ही वोट डालने निकले।

शुक्रवार सुबह मतदान शुरू होते ही सबसे पहले मणिपुर की बाहरी लोकसभा सीट पर हिंसा और अनियमितता की सूचना मिलने पर कुछ समय के लिए मतदान प्रक्रिया रोकनी पड़ी। मोईरांगकम्पू साजेब विधानसभा के मतदान केंद्र पर कुछ उपद्रवियों ने गोलीबारी की। इस दौरान 65 वर्षीय एक बुजुर्ग घायल हो गये और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उपद्रवियों ने मतदान संबंधी कागजात जला दिये और आग लगा दी। वहीं पश्चिम बंगाल में मतदान के दौरान कूचबिहार लोकसभा क्षेत्र में हिंसा की कई घटनाएं देखी गईं, जलपाईगुड़ी लोकसभा क्षेत्र से भी हिंसा के कुछ मामले सामने आए हैं। यूपी व अन्य राज्यों में भी छुटपुट घटनाएं घटीं।

आयोग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, त्रिपुरा की एक सीट पर 79.90 प्रतिशत, पश्चिम बंगाल में तीन सीटों पर 77.57, मणिपुर में दो सीटों पर 68.62, मेघालय में दो सीटों पर 70.20 और असम में पांच सीटों पर 71.38 प्रतिशत वोट पड़े थे। पुडुचेरी में एक सीट पर 73.25, छत्तीसगढ़ की एक सीट पर 63.41 प्रतिशत मतदाताओं ने मताधिकार का प्रयोग किया था। इसी तरह जम्मू-कश्मीर में एक सीट पर 65.08, मध्य प्रदेश में पांच सीट पर 63.33, अरुणाचल प्रदेश में दो सीट पर 65.46, सिक्किम में एक सीट पर 68.06, नागालैंड में एक सीट पर 56.77 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मिजोरम में एक सीट पर 54.18, उत्तर प्रदेश में आठ सीटों पर 57.61, उत्तराखंड में पांच सीटों पर 53.64, अंडमान-निकोबार में एक सीट पर 56.87, महाराष्ट्र में पांच सीटों पर 55.29, लक्षद्वीप में एक सीट पर 59.02, राजस्थान में 12 सीटों पर 50.95, तमिलनाडु की 39 सीटों पर 62.19 प्रतिशत वोट डाले गये थे। पश्चिम बंगाल, पूर्वोत्तर राजस्थान और अन्य जगहों पर विभिन्न मतदान केन्द्रों पर सुबह से ही पुरुष और महिला मतदाताओं की लंबी कतारें लग गयी थीं। पहली बार मताधिकार पाने वाले युवा मतादाताओं में मत देने को लेकर खासा उत्साह नजर आया।

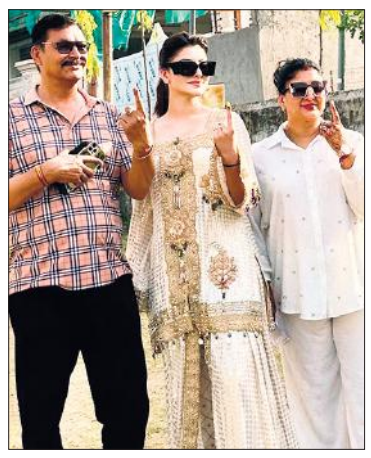

खटीमा में मतदान केंद्र पहुंचे उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी (बाएं), बॉलीवुड अभिनेत्री उर्वशी रौतेला ने परिवार सहित किया मत का प्रयोग।

ऊधमसिंह नगर में सबसे ज्यादा वोटिंग

हल्द्वानी, अमृत विचार : उत्तराखंड में लोकसभा चुनाव के लिए शुक्रवार को मतदान संपन्न हो गया। शाम पांच बजे तक राज्य में करीब 54.01 फीसदी मतदान हुआ। इसी के साथ ही पांचों संसदीय सीटों पर 55 उम्मीदवारों का भाग्य ईवीएम में कैद हो गया। राज्य में पहले चरण के साथ शुक्रवार को सुबह 7 बजे से मतदान शुरू हुआ, जो देर शाम समाप्ति तक जारी रहा। राज्य में मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया। कहीं से भी छिटपुट घटना की सूचना नहीं है। राज्य की पांचों संसदीय सीटों में नैनीताल-ऊधमसिंह नगर संसदीय सीट पर सबसे ज्यादा 59.36 फीसदी मतदान हुआ। इस सीट पर रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट, कांग्रेस के प्रकाश जोशी समेत 10 उम्मीदवार मैदान में हैं। अल्मोड़ा में 44.43 फीसदी मतदान हुआ। यहां भाजपा के अजय टम्टा व कांग्रेस के प्रदीप टम्टा में सीधा मुकाबला है, इस सीट से 7 दावेदार हैं। हरिद्वार में 59.01 फीसदी मतदान हुआ। यहां मुकाबला त्रिकोणीय माना जा रहा है। टिहरी सीट पर 51.01 फीसदी मतदान हुआ। सबसे कम मतदान गढ़वाल सीट पर 48.79 फीसदी हुआ।

मतदान है जरूरी : अल्मोड़ा जिले के रानीखेत में मोवड़ी स्थित मतदान केंद्र पर पालकी पर बैठाकर जाता एक मतदाता।

इंडियन ओवरसीज बैंक की पूर्व प्रबंधक पर 15 करोड़ का जुर्माना, सात साल की कैद

नयी दिल्ली। सीबीआई ने इंडियन ओवरसीज बैंक से 2.14 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के लिए बैंक की पूर्व प्रबंधक पर 15.06 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया, जिसे अब तक के सबसे बड़े जुर्मानों में से एक बताया जा रहा है। साथ ही अदालत ने प्रबंधक को सात साल कैद की भी सजा सुनाई। अधिकारियों के अनुसार प्रीति विजय सहिजवानी ने अहमदाबाद में इंडियन ओवरसीज बैंक की वस्त्रपुर शाखा की वरिष्ठ प्रबंधक के रूप में जमाकर्ता या पावर ऑफ अटॉर्नी धारक के किसी भी मंजूरी पत्र के बिना दो खातों की विदेशी मुद्रा प्रवासी (एफसीएनआर) जमा राशि को दो फर्जी खातों में जमा करवा दिया था।

- **धोखाधड़ी का मामला : प्रीति विजय सहिजवानी को हिरासत में लिया गया**

सीबीआई ने कहा, आरोपी ने 27 जुलाई 2001 की तारीख तक ब्याज समेत (करीब) दो करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान पहुंचाया। सीबीआई ने बैंक की शिकायत पर, 29 अक्टूबर, 2001 को मामले की जांच अपने हाथ में ली और 15 अक्टूबर, 2003 को आरोप पत्र दायर किया था। सहिजवानी देश छोड़कर भाग गईं और 2012 तक फरार थीं। सीबीआई ने उसके खिलाफ इंटरपोल का रेड कॉर्नर नोटिस जारी करवाया, जिससे एजेंसी को कनाडा में उसका पता लगाने में मदद मिली। प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, कनाडा के आव्रजन अधिकारियों ने उसे हिरासत में लेकर 11 जनवरी 2012 को भारत प्रत्यर्पित कर दिया। गांधीनगर की विशेष अदालत ने पूर्व वरिष्ठ प्रबंधक को आपराधिक विश्वासघात, मूल्यवान प्रतिभूति की जालसाजी, जाली दस्तावेजों को वास्तविक दस्तावेज के रूप में उपयोग करने और बैंक को गलत तरीके से नुकसान पहुंचाने का दोषी ठहराया।

एक नजर

स्कॉटलैंड में दो भारतीय छात्रों की मौत

लंदन। ब्रिटेन के एक विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले दो भारतीय छात्रों की स्कॉटलैंड में एक झरने में डूबने से मौत हो गई। दोनों छात्र आंध्र प्रदेश के निवासी थे, जिनकी उम्र 20 से 30 साल के बीच थी। पुलिस ने दोनों की पहचान नहीं बताई है। यह घटना बुधवार रात पर्थशायर में ब्लेयर ऑफ एथोल के पास लिन ऑफ टुमेल में हुई जब छात्रों के एक समूह के दो लोग पानी में फिसल गए।

अश्विनी को वक्फ बोर्ड से हटाने के लिए याचिका

नई दिल्ली। उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर करके दिल्ली सरकार के प्रधान सचिव (गृह) अश्विनी कुमार को दिल्ली वक्फ बोर्ड के प्रशासक पद से हटाने का अनुरोध किया गया है। याचिका में कुमार पर वक्फ संपत्तियों के हितों के खिलाफ काम करने का आरोप लगाया गया है। दिल्ली उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति मनमीत पी एस अरोड़ा की पीठ ने याचिका को 30 अप्रैल को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया है। याचिका में कहा गया है कि वक्फ बोर्ड के प्रशासक उस धार्मिक समिति के अध्यक्ष भी है जिसने कई वक्फ संपत्तियों को हटाने और ढहाने की सिफारिश की है।

दोनों शहजादों को लोगों ने रिजेक्ट किया : मोदी

गजरौला (अमरोहा) की जनसभा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, साथ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, हरि सिंह ढिल्लो, पूर्व सांसद देवेन्द्र नागपाल व अन्य। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, अमरोहा

- **गजरौला की जनसभा में राहुल-अखिलेश पर साधा निशाना**
- **क्रिकेट वर्ल्ड कप में मोहम्मद शमी का कमाल पूरी दुनिया ने देखा**

अमृत विचार : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गजरौला में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि अमरोहा की ढोलक की थाप दूर तक गूंजती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयासों से अमरोहा की ढोलक को जीआई टैग मिला है। अब अमरोहा केवल ढोलक ही नहीं, देश का डंका भी बजा रहा है। क्रिकेट वर्ल्ड कप में मोहम्मद शमी ने जो कमाल किया, वो पूरी दुनिया ने देखा है। प्रधानमंत्री ने राहुल गांधी और अखिलेश यादव को दो शहजादों की जोड़ी करार देते हुए जमकर निशाना साधा।

प्रधानमंत्री शुक्रवार को गजरौला में होटल हवेली के सामने भाजपा प्रत्याशी चौधरी कंवर सिंह तंवर के समर्थन में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी उनके साथ थे। इस दौरान प्रधानमंत्री ने प्रथम चरण में हो रहे मतदान को लेकर लोगों से खुलकर मतदान करने की अपील की। उन्होंने नवयुवकों को भी मतदान के लिए प्रेरित किया। प्रधानमंत्री ने विपक्ष पर भी जमकर कटाक्ष किए। कहा कि इंडी गठबंधन वाले सनातन से घृणा करते हैं। अभी मैं द्वारका गया और समुद्र में भगवान श्रीकृष्ण की पूजा की, लेकिन कांग्रेस के शहजादे कहते हैं कि समुद्र के नीचे पूजा करने योग्य कुछ है ही नहीं। हमारी हजारों वर्ष की आस्था और भक्ति को ये लोग सिर्फ वोट बैंक के लिए खारिज कर रहे हैं। कहा कि बिहार और उत्तर प्रदेश में अपने आप को यदुवंशी कहने वाले नेताओं से मैं पूछना चाहता हूं कि आप भगवान श्रीकृष्ण और द्वारका का अपमान करने वालों के साथ कैसे रह सकते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि यूपी में एक बार फिर दो शहजादों की फिल्म शूटिंग चल रही है। जिसे लोग पहले ही रिजेक्ट कर चुके हैं। इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी जनसभा को संबोधित किया। कहा कि प्रधानमंत्री ने देश का मान बढ़ाया है, पूरी दुनिया में नए भारत के रूप में पहचान हो रही है। विकसित भारत के लिए काम हो रहा है।

वाइस एडमिरल दिनेश होंगे देश के नए नौसेना प्रमुख

नई दिल्ली। वाइस एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी देश के नए नौसेना प्रमुख होंगे। वर्तमान नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार के सेवानिवृत्त होने पर 30 अप्रैल को वह नया पदभार संभालेंगे।

सैनिक स्कूल रीवा के पूर्व छात्र वाइस एडमिरल त्रिपाठी वर्तमान में नौसेना के उप प्रमुख के रूप में कार्यरत हैं और एडमिरल कुमार के पद छोड़ने पर वह नौसेना में सबसे वरिष्ठ अधिकारी होंगे। उन्हें शीर्ष पद पर नियुक्त करते समय वरिष्ठता क्रम का अनुपालन किया। वहीं, वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन को नौसेना का उप प्रमुख बनाया जा सकता है।

इजराइल की जवाबी कार्रवाई, मिसाइलें दागीं

यरुशलम/तेहरान, एजेंसी

इजराइल पर ईरान के ड्रोन हमले का जवाब देने को लेकर सप्ताह भर से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चल रहे विचार विमर्श के बीच इजराइल अपनी पूरी रणनीति पर उतर आया है। इराजइल की हमेशा से ही नीति रही है ''पहले किसी को छेड़ेंगे नहीं, बाद में किसी छोड़ेंगे नहीं।'' इजराइल ने सात दिन बाद शुक्रवार को उस हमले का जवाब अपनी मिसाइलें दाग कर दिया। जो इस्फहान प्रांत में गिरीं। इनसे ईरान को हुए नुकसान के बारे में अब तक कोई पुष्ट खबर नहीं है। इस बीच, सीरिया ने भी दावा किया है कि इजराइली हमले में देश के दक्षिणी भाग में रक्षा ठिकानों को नुकसान पहुंचा है।

- **पिछले शनिवार ईरान ने 300 से अधिक ड्रोन से किया था हमला**
- **ईरान के दक्षिणी भाग में रक्षा ठिकानों को पहुंचाया नुकसान**

ईरानी समाचार एजेंसी फार्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, ईरानी प्रांत इस्फाहन में तीन विस्फोटों की आवाज सुनी गई। ये विस्फोट ड्रोन अथवा मिसाइलों से किए गए हमले के फलस्वरूप हुए, जिसके बाद ईरान की वायु रक्षा प्रणालियों को सक्रिय कर दिया गया है। ईरानी समाचार एजेंसी आईएसएनए ने रिपोर्ट में एक ईरानी सैन्य अधिकारी का हवाला देते हुए कहा कि सेना का रडार स्टेशन संभावित निशाना हो सकता है। साथ ही, यह भी कहा गया है कि क्षेत्र में कई कार्यालय भवनों की खिड़कियां उड़ गईं लेकिन हमले के परिणामस्वरूप कोई बड़ी क्षति नहीं हुई है। हमले के बाद इस्फहान में शांति है और यातायात सामान्य बना हुआ है। एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार, ईरान ने इस हमले को तूल देने और बदले की कार्रवाई के लिए कोई उत्तेजना नहीं दिखाई है। एक सैन्य अधिकारी के हवाले से यह कहा गया कि ईरान को इस हमले के पीछे विदेशी हाथ होने की पुष्टि नहीं हुई है।

ईरान बोला, नहीं हुआ कोई विदेशी हमला

तेहरान। ईरान के एक अधिकारी ने शुक्रवार को इजरायल की ओर से किए गए हमलों का खंडन किया है। अधिकारी ने कहा कि ईरान के खिलाफ कोई मिसाइल हमला नहीं किया गया है। उन्होंने बताया कि इस्फहान में वायु रक्षा प्रणालियों को सक्रिय किया गया है और उसने किसी संदिग्ध वस्तु को निशाना बनाया है जिससे विस्फोट की गूंज सुनायी दी है। ऐसा बताया जा रहा है कि इजरायल ने ईरान के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है। वहीं ईरान ने कहा है कि उसकी धरती पर कोई भी विदेशी हमला नहीं हुआ है।

सौतेली मां ने बच्ची के हाथ-पैर बांधकर जिंदा दफनाया, सीसीटीवी से खुला राज

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार : आईटीआई थाना क्षेत्र में एक सौतेली मां ने मासूम बच्ची को हाथ पैर बांधकर निर्माणाधीन मकान में जिंदा दफना दिया। पुलिस ने सौतेली मां को गिरफ्तार कर लिया है।

खड़कपुर देवीपुरा निवासी इलेक्ट्रीशियन मोनू की 8 वर्ष पूर्व यहीं की रीना नाम की युवती से शादी हुई थी। रीना से मोनू की दो बेटियां 8 वर्षीय सोनी व 6 वर्षीय तनु हैं। दूसरी बेटी के जन्म के दौरान ही रीना की मौत हो गई थी। इसके बाद मोनू ने ग्राम फजलपुर, थाना डिलारी (मुरादाबाद) निवासी लक्ष्मी देवी से दूसरा विवाह कर लिया था। उसके एक पुत्र और एक पुत्री है। लक्ष्मी सोनी व तनु के साथ भेदभाव करने लगी। 16 अप्रैल को मोनू अपने ममेरे भाई की लगन में बिजनौर के ग्राम गल्ला खेड़ी गया था। अगले दिन सोनी को कन्या पूजन के लिए तैयार कर उसकी दादी संतोष देवी भी चली गई। उसी दिन शाम के समय लक्ष्मी ने बच्ची की हत्या कर अपने पति को फोन कर उसके लापता होने की बात कही।

- **निर्माणाधीन मकान से शव बरामद महिला गिरफ्तार**

बेटी के गायब होने की सूचना पर मोनू घर पहुंचा और उसने तत्काल बेटी की गुमशुदगी की सूचना डायल 112 नंबर पर आईटीआई पुलिस को दी। पुलिस को लक्ष्मी की बातें कुछ अजीब लगीं। तब पुलिस ने आसपड़ोस के सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरू कर दिए। फुटेज में आखिरी बार बच्ची को लक्ष्मी के साथ निर्माणाधीन मकान की तरफ जाते देखा गया। पुलिस ने सख्ती की तो लक्ष्मी से घटना उगल दी। पुलिस ने शव को गड्ढे से निकालकर पोस्टमार्टम कराया। एसपी ने बताया कि शव पर भी चोट के निशान मिले हैं।

बूथ चेक करने जा रहे डॉक्टर की कार खाई में गिरी, मौत

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : लोकसभा चुनाव के दौरान बूथों का निरीक्षण करने जा रहे चिकित्साधिकारी की कार गागरी-रामगढ़ के बीच गहरी खाई में गिर गई। गंभीर रूप से घायल डॉक्टर को सोबन सिंह जीना बेस अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

अंबिका विहार फेज टू भोटिया पड़ाव निवासी डॉ. गौरव कांडपाल (48) पुत्र स्व. बंशीधर कांडपाल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामगढ़ में चिकित्साधिकारी के पद पर तैनात थे। वह जिला हेल्थ इलेक्शन प्लान के मेंबर भी थे। बताया जाता है कि डॉ. गौरव शुक्रवार सुबह घर से जल्दी निकले थे। स्वास्थ्य केंद्र में ओपीडी खत्म करने बाद वह अपनी कार से बूथों का निरीक्षण करने चले गए। गागरी और रामगढ़ के बीच एस मोड़ पर उनकी कार अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। वहां काम कर रहे मजदूरों ने पुलिस को सूचना दी। डॉ गौरव को खाई से निकाल कर सोबन सिंह जीना बेस अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

- **सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामगढ़ में तैनात थे डॉक्टर गौरव कांडपाल**

पतंजलि योगपीठ को शिविरों में लिए गए शुल्क पर देना ही होगा टैक्स : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

बाबा रामदेव के पतंजलि योगपीठ ट्रस्ट को शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट से झटका लगा। कोर्ट ने अपीलीय न्यायाधिकरण के उस फैसले को बरकरार रखा जिसमें ट्रस्ट को योग शिविरों के आयोजन के लिए प्रवेश शुल्क लेने पर सेवा कर का भुगतान करने को कहा गया था। न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण (सीईएसटीएटी) की इलाहाबाद पीठ के 5 अक्टूबर, 2023 को आए फैसले में हस्तक्षेप से इनकार कर दिया।

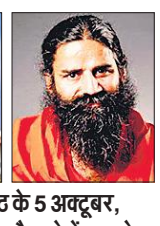

- **इलाहाबाद पीठ के 5 अक्टूबर, 2023 को आए फैसले में हस्तक्षेप से इनकार किया**

सीईएसटीएटी ने अपने आदेश में कहा था कि पतंजलि योगपीठ ट्रस्ट की तरफ से आयोजित आवासीय एवं गैर-आवासीय योग शिविरों में शामिल होने के लिए शुल्क लिया जाता है लिहाजा यह स्वास्थ्य और फिटनेस सेवा की श्रेणी में आता है और इस पर सेवा कर लगेगा। रामदेव और उनके सहयोगी आचार्य बालकृष्ण के अधीन काम करने वाला यह ट्रस्ट विभिन्न शिविरों में योग प्रशिक्षण प्रदान करने में लगा हुआ था। न्यायाधिकरण ने अपने आदेश में कहा था कि हालांकि यह राशि दान के रूप में ली गई थी, लेकिन यह उक्त सेवाएं प्रदान करने के लिए शुल्क ही था। इसलिए यह शुल्क की परिभाषा के तहत आता है। सीमा शुल्क और केंद्रीय उत्पाद शुल्क, मेरठ रेंज के आयुक्त ने अक्टूबर, 2006 से मार्च, 2011 के लिए जुर्माना और ब्याज सहित लगभग 4.5 करोड़ रुपये के सेवा कर की मांग की थी।

नई खोज | पांच वर्ष तक चला बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय का शोध

गन्ना किसानों के लिए संजीवनी बनेगा बीबीएयू का शोध

जीशान कदीर, लखनऊ

अमृत विचार : गन्ना किसानों के लिए बीबीएयू का शोध संजीवनी लेकर आया है। नई खोज के सहारे किसान उपजे गन्ने से तीन गुना तक मुनाफा कमा सकेंगे। इसके लिए वैज्ञानिकों की टीम ने जिबरेलिन एसिड 3 (जीए3) की मदद का सहारा लिया और शर्करा को संचय करने का तरीका ढूंढ निकला। वैज्ञानिकों का दावा है कि नया शोध किसानों के लिए कारगर रहेगा।

बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के कम्प्यूटेशनल जीव वैज्ञानिक डॉ. यूसुफ अख्तर बताते हैं कि अब तक गन्ने में शर्करा (ग्लूकोज-फैक्टोज) बढ़ाने के लिए सक्रिप्टोमिक स्तर पर जिबरेलिन एसिड 3 (जीए3) को शामिल किया जाता रहा है। इससे शर्करा तो बढ़ जाती थी, लेकिन उसका संचय नहीं हो पाता। ऐसे में भण्डारण (सिंक) क्षेत्र को बढ़ाने के उद्देश्य से पांच वर्षों तक गन्ने के सूक्ष्म जीनों पर अध्ययन किया गया। नई कोशिका के सहारे भण्डारण की क्षमता विकसित हुई। बताते हैं कि नव विकसित जीन गन्ने में शर्करा को संचित करने का विकास कर किसानों को तीन गुन्ना तक मुनाफा हासिल कराएंगे।

डॉ. यूसुफ अख्तर

प्रो. संगीता सक्सेना

- **गन्ने की नई उपज से तीन गुना तक मुनाफा कमा सकेंगे**

इस तरह से किया गया शोध

शोध में ट्रांसक्रिप्टोम स्केल बिग डेटा का उपयोग किया गया। इसके सहारे जीए 3 से प्रभावित विशिष्ट जीन की पहचान की गई। इसे बढ़े हुए शुक्रोज संचय में सहयोगी बनाया गया। फिर गन्ने के नमूनों पर ट्रांसक्रिप्टोमिक विश्लेषण तकनीकी विकसित की और जीन अभिव्यक्ति की जांच की गई।

शोध के दौरान नए जीनों की हुई पहचान

देश के पहले नवीन शोध के निष्कर्षों से उच्च शर्करा सामग्री से जुड़े कई जीनों का पता चला है। ये जीन पौधे के भीतर चीनी परिवहन और भंडारण में भूमिका निभाने के लिए जाने जाने वाले जीनों के समरूप (संरचना में समान) थे। इसमें चीनी-फॉस्फेट / फॉस्फेट ट्रांसलोकेटर, यूटीपी-ग्लूकोज-1-फॉस्फेट यूरिडिलिल्ट्रांसफेरेज और वी-एटीपीसेस पाया गया। वैज्ञानिकों का दावा है कि ये हाइड्रोलेज एंजाइम को एनकोड कर कार्य करा सकता है।

भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान भी बना सहभागी

प्लांट बायोटेक्नोलॉजिस्ट प्रो. संगीता सक्सेना ने बताया कि पांच वर्षीय खोज में शोधार्थी छात्रा कृति रूपेन्द्र के अलावा भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान की टीम भी शामिल रही। पहचाने गए जीन गन्ना ट्रांसक्रिपटोमिक्स और कार्यात्मक जीनोमिक्स के मौजूदा ज्ञान आधार में एक महत्वपूर्ण वृद्धि करेंगे।

लोकसभा चुनाव में मतदान करने के लिए भीमताल में बूथों के बाहर कतार में खड़े मतदाता। ● अमृत विचार

बुजुर्ग मतदाता रेवती जोशी मतदान के बाद परिवार के साथ प्रसन्न दिखीं। ● अमृत विचार

भीमताल में विकास के मुद्दे पर बूथ तक गए मतदाता

बुजुर्ग मतदाताओं ने सांसद चुनने में निभाई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी, कूकना ग्राम सभा और जंगलियागांव में शिमाला के ग्रामीणों ने डाले वोट

लोकसभा चुनाव

- आठ से 10 बजे तक कई लोगों ने अपने वोट डाल दिए थे
- दोपहर 12 बजे के बाद फिर लोग मतदान करने बूथों पर पहुंचे

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार : लोकसभा चुनाव में भीमताल विधानसभा क्षेत्र के अन्तर्गत लोगों ने विकास के मुद्दे पर मतदान किया। वोट डालने के बाद अधिकांश मतदाताओं ने बताया कि सड़क का मुद्दा, पेयजल समस्या और अन्य समस्याओं का कहीं समाधान हुआ तो कहीं प्रक्रिया गतिमान है। वहीं कई स्थानों पर पार्टी के काउंटर खाली भी दिखे। नौकुचियाताल में दांगड़ में ग्रामीणों में मतदान को लेकर उत्साह काफी अच्छा रहा। यहां पर मतदाताओं ने विभिन्न जनप्रतिनिधियों की बात को दरकिनारे कर अपने विवेक से मतदान किया।

भीमताल और आसपास सवेरे के समय कई लोगों ने मतदान किया। आठ बजे से दस बजे तक लोगों ने पहले आकर अपने मत डाल दिए थे। वहीं बाद में 12 बजे के बाद एक बार फिर महिलाएं और पुरुष मतदान को पहुंचे। एलपी इंटर कालेज में दोपहर दो बजे तक 40 प्रतिशत मतदान हुआ था।

युवा मतदाताओं में आशा के अनुरूप कम दिखा उत्साह: आशा के अनुरूप युवा मतदाताओं में उत्साह कम दिखा। कई प्रथम बार मतदान करने वाले मतदाताओं ने बताया कि उनके कई साथी इस बार अलग अलग मतदान करने को पहुंचेंगे। वहीं बताया कि वर्तमान में शिक्षा ग्रहण करने के बाद सभी युवा मतदाता विवेकशील हैं। पता है कि कौन विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है।

ओखलकांडा में पूर्व ग्राम प्रधान मदन नौलिया ने डाला वोट।

सामाजिक कार्यकर्ता प्रेम कुलियाल ने किया मतदान।

जिला पंचायत सदस्य अनिल चनौतिया वोट डालने के बाद।

नगर पंचायत अध्यक्ष देवेन्द्र चनौतिया वोट डालने के बाद।

चुनाव बहिष्कार के बाद कूकना के ग्रामीणों ने बड़ी संख्या में किया मतदान

ढोली गांव धैना मोटर मार्ग को देवली पहुंच मोटर मार्ग बनाने, कैड़ा गांव मोटर मार्ग से रीठा साहिब पहुंच मोटर मार्ग, पॉलिटेक्निक कॉलेज, ढोली गांव में पूर्व में स्वीकृत हाई स्कूल कैड़ा गांव का उच्चीकरण, प्राथमिक उपचार की व्यवस्था, पशु स्वास्थ्य की व्यवस्था आदि अन्य समस्याओं को लेकर लोकसभा चुनाव बहिष्कार का ऐलान करने और बाद में मुख्य विकास अधिकारी अशोक पांडे के द्वारा चुनाव करने की शपथ और सारी योजनाओं को मानने के बाद कूकना के काफी ग्रामीणों ने पहुंच कर मतदान किया। पूर्व ग्राम प्रधान मदन नौलिया ने बताया कि विकास की आस में मतदान किया गया है। यहां कांग्रेस नेता मदन नौलिया समेत कई अन्य ग्रामीणों ने मतदान किया वहीं विकासखंड भीमताल के ग्राम पंचायत जंगलियागांव के बूथ संख्या 145 में उत्तराखंड की सांस्कृतिक विरासत को बचाए रखने को वोट डाला। वहीं मतदाताओं ने बताया कि जिन मुद्दों को लेकर ग्राम पंचायत के मतदाताओं ने चुनाव बहिष्कार का निर्णय लिया था उन पर ब्लॉक प्रमुख डॉ. हरीश सिंह बिष्ट से वार्ता करने और उनके द्वारा विकास की योजनाओं पर शीघ्र कार्य प्रारंभ किए जाने के आश्वासन के बाद मतदान किया गया। यहां सामाजिक कार्यकर्ता प्रेम कलियाल और ग्राम प्रधान राधा कुलियाल ने मतदान किया।

जीवन के अनुभव का अवलोकन के बाद मतदान किया

भीमताल विधानसभा क्षेत्र में मतदान करने को बुजुर्ग मतदाता अच्छे खासे पहुंचे। इनमें से अधिकांश बुजुर्ग मतदाताओं ने बताया कि अपने जीवन के अनुभव और वर्तमान परिस्थितियों का अवलोकन करने के बाद मतदान किया है। वहीं नौकुचियाताल में वरिष्ठ भाजपा नेता राहुल जोशी की माता रेवती जोशी निवासी रेवती कॉटेज भीमताल ने 95 वर्ष की उम्र में स्वयं नौकुचियाताल बूथ पर आकर मजबूत लोकतंत्र एवं सशक्त राष्ट्र के लिए वोट किया। वहीं इसी बूथ पर जिला पंचायत सदस्य अनिल चनौतिया, कार्तिक कनार्टक, जितेन्द्र चनौतिया, राकेश वृजवासी, रविंद्र कनार्टक, संजय महरा ने वोट डाले तो वहीं एलपी इंटर कालेज में निर्वतमान नगर पंचायत अध्यक्ष देवेन्द्र चनौतिया ने मतदान किया।

कई मतदाताओं ने लिस्ट में नाम न होने की बात कही

भीमताल विधानसभा में जहां शांतिपूर्वक मतदान हुआ, वहीं कई बूथों में सुविधाओं को लेकर अव्यवस्थाएं भी रहीं। ब्लॉक कार्यालय के बूथों में बिजली की उचित व्यवस्था नहीं होने से मतदाताओं को परेशानी रही। कई मतदाताओं ने बताया कि कमरे के अंदर प्राकृतिक प्रकाश भी कम था। व्यवस्था करने वालों ने खिड़की के समीप पेटी लगा दी थी जिसके चलते कमरे में प्रकाश नहीं पहुंच पा रहा था। वहीं कई मतदाताओं ने अपने नाम नहीं होने की बात भी कही। बताया कि इस बार पार्टियों के द्वारा भी मतदान को लेकर जो स्लिप दी जाती थी वह उन तक नहीं पहुंच पाई और लिस्ट में उनके नाम भी नहीं थे, जिसके चलते निराशा रही।

चुनाव को लेकर कार्यकर्ता सक्रिय दिखे

भीमताल में चाहे कांग्रेस के कार्यकर्ता हों या भाजपा के सभी पदाधिकारी व कार्यकर्ता चुनाव को लेकर काफी सक्रिय दिखे। वह लोगों के नाम और मतदाता संख्या खोजने में सक्रिय दिखे। यहां निवर्तमान नगर पालिका अध्यक्ष देवेन्द्र चनौतिया, पूर्व मंडल अध्यक्ष मनोज भट्ट, सुनिता पांडे, शरद पांडे, अखिलेश सेमवाल, डीके डालाकोटी, जिला मंत्री नितिन राणा, रविंद्र कनार्टक, भाष्कर भगवाल, भारत लौशाली, मंडल अध्यक्ष कमला आर्या, नितेश बिष्ट, एडवोकेट राहुल जोशी, हेमा परगाईं, राकेश वृजवासी आदि मतदाताओं की समस्याओं का निराकरण करते दिखे।

सार-संक्षेप

90 साल के बुजुर्ग ने मतदान स्थल जाकर मतदान किया

भीमताल : विकासखंड ओखलकांडा के टांडा में 90 वर्षीय केशव दत्त ने मतदान स्थल पर जाकर वोट दिया। मंडल अध्यक्ष भाजयुमो मदन परगाईं और ग्रामीण मनोज सुयाल केशव दत्त को मतदान स्थल तक ले गए। मदन परगाईं ने बताया कि सरकार की ओर से 85 साल से ऊपर के व्यक्तियों को घर से वोट डलवाने का प्रावधान है। व्यवस्था नहीं होने के कारण बुजुर्ग मतदाताओं को काफी परेशानी हुई।

नई सरकार से विशेष कार्य की आशा व्यक्त की

भीमताल : जंगलियागांव के युवाओं में लोकतंत्र के पर्व में मतदान को लेकर उत्सुकता रही। प्रथम बार मतदान करने पहुंचे कमल कुलियाल ने बताया कि मतदान को लेकर युवाओं में काफी जोश था, 18 वर्ष की आयु पूर्ण होने के बाद लोकसभा में प्रथम बार मतदान को लेकर उत्सुकता रही। बहुत से युवा मतदाताओं का नाम न होने से कुछ मतदाता मतदान स्थलों पर पहुंचने के बाद मायूस होकर भी गए। नये मतदाताओं ने नई सरकार से युवाओं के लिए विशेष कार्य करने की आशा व्यक्त की।

हिंदुत्व और रोजगार के नाम पर किया मतदान

नैनीताल : लोकतंत्र के सबसे बड़े पर्व का आगाज शुक्रवार को पहले चरण के चुनाव के साथ हो गया। पहले चरण के मतदान में नैनीताल-ऊधमसिंह नगर लोकसभा सीट पर 59 .36 प्रतिशत मतदान हुआ। कांग्रेस, भाजपा समेत आठ प्रत्याशियों का भाग्य ईवीएम में कैद हो गया। चुनाव में युवाओं, बुजुर्गों, महिलाओं ने बढ़ चढ़कर प्रतिभाग किया। लोकतंत्र के इस पर्व में किसी ने तेजी से बढ़ रही बेरोजगारी के नाम पर तो किसी ने हिंदुत्व के नाम वोट दिया। नैनीताल में युवाओं से लेकर बुजुर्गों तक में चुनाव को लेकर खासा उत्साह देखा गया। लोगों ने सुबह से लेकर शाम तक लंबी-लंबी कतार में खड़े होकर वोट दिया।

दिव्यांग मतदाताओं को कुर्सी पर बैठाकर लाए ग्रामीण

भीमताल : विकासखंड ओखलकांडा में प्रशासन के द्वारा दिव्यांग मतदाताओं को बूथ तक लाने की कोई भी व्यवस्था नहीं देखी गई। खनस्यूं के क्षेत्र पंचायत सदस्य रवि गोस्वामी ने बताया कि दूरस्थ क्षेत्रों में ना तो बुजुर्ग को लाने की व्यवस्था थी और ना ही दिव्यांगों को बूथ तक लाने की। इस संदर्भ में रवि गोस्वामी ने खनस्यूं क्षेत्र से एक दिव्यांग को कुर्सी में बैठाकर बूथ तक मतदान के लिए ले जाने की फोटो शेयर की है।

दूल्हे ने रामनगर और दुल्हन ने अल्मोड़ा में दिया वोट

रामनगर : लोकसभा चुनाव के दिन शुक्रवार को कई शादियां हुईं। दूल्हा व दुल्हन मतदान स्थल पर पहुंचे और लोकतंत्र के पर्व में बढ़ चढ़कर भागीदारी की। दूसरी ओर मतदान करने के लिए लोग सुबह से लाइनों में लगे रहे। रामनगर विधानसभा क्षेत्र में अपनी बारात चढ़ने से पहले एक दूल्हा अपने मत का स्तेमाल करता हुआ नजर आया। दूल्हा दीपक ने कहा कि जागरूक नागरिक होने का यही प्रमाण है कि हम मताधिकार का प्रयोग करें। दीपक ने बताया कि उसकी बारात रामनगर से अल्मोड़ा जा रही है। उसकी होने वाली पत्नी ने भी अल्मोड़ा में मतदान किया। मतदान के बाद दोनों परिवारों के लोग काफी खुश नजर आए।

समस्याओं का हवाला देकर पूरे गांव ने किया चुनाव का बहिष्कार

जलाल गांव के ग्रामीणों ने शुक्रवार को लोकसभा चुनाव का बहिष्कार कर मतदान करने से इंकार कर दिया। ● अमृत विचार

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार : लोकतंत्र के महापर्व में जिला मुख्यालय से करीब 25 किलोमीटर दूर जलाल गांव के ग्रामीणों ने प्रतिभाग नहीं किया। ग्रामीणों का कहना था कि पांच किलोमीटर दूर थापला में बूथ बनाये जाने व गांव की अन्य मूलभूत समस्याओं के चलते पूरे गांव ने चुनाव बहिष्कार किया है।

ग्रामीणों का कहना था कि गर्मी व समय की व्यस्तता के चलते पांच किलोमीटर दूर मतदान के लिए जाना काफी मुश्किल था, जिसके लिए उनके द्वारा पूर्व में ही गांव के स्कूल में ही बूथ बनाये जाने की मांग की थी, लेकिन उनकी मांग को अनदेखा किया गया। ग्रामीणों ने आरोप लगाते हुए बताया कि गांव में 250 मतदाताओं में से कुछ लोगों को डरा धमकाकर जबरदस्ती मतदान के लिए ले जाया गया, जिसमें से केवल 16 लोगों ने ही मतदान किया।

कुमाऊं कमिश्नर रावत ने लिया जायजा

रामनगर। चुनाव के बीच कुमाऊं कमिश्नर दीपक रावत शुक्रवार दोपहर रामनगर पहुंचे और मतदान का जायजा लिया। कमिश्नर ने रामनगर के नगर पालिका, खताड़ी मतदान केंद्रों के बूथों पर जाकर जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने मतदान कार्मिकों को जरूरी निर्देश भी दिए।

भाजपा और कांग्रेस ने किए जीत के दावे

दीवान सिंह बिष्ट।

रणजीत रावत।

रामनगर, अमृत विचार: चुनाव सम्पन्न होने के बाद भाजपा और कांग्रेस के उत्साह में कोई कमी नहीं आई है। दोनों ही दलों के क्या नेता क्या कार्यकर्ता सभी अपनी-अपनी जीत के दावे करने में लगे हैं। भाजपा की ओर से विधायक दीवान सिंह बिष्ट कहते हैं कि इस बार मतदाताओं में मतदान को लेकर काफी उत्साह था। कहते हैं कि मोदी की गारंटी पर आम मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया है।

उन्होंने दावा किया कि बीस से पच्चीस हजार मतों से भाजपा जीत दर्ज करेगी। उधर कांग्रेस के पूर्व विधायक रणजीत रावत ने कहा कि मतदाताओं ने दोनों प्रत्यशियों के भाग्य को ईवीएम में कैद कर लिया है। मगर इस बार रामनगर विधानसभा से कांग्रेस अपना परचम लहराने जा रही है। बोले चाहे कोई कुछ भी कहे मगर मुकाबला कड़ा जरूर है मगर कांग्रेस ने रामनगर से गणेश गोदियाल को पांच से सात हजार वोटों की लीड दिलाने की ओर कदम बढ़ाए हैं।

रामनगर में 60 प्रतिशत से अधिक हुआ मतदान

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार : भीषण गर्मी भी लोकतंत्र के महापर्व के आगे हई नतमस्तक रही। लोगों ने बढ़ चढ़कर मतदान में हिस्सा लिया। गढ़वाल लोकसभा क्षेत्र के लिए रामनगर विधान सभा में मतदान शांतिपूर्वक सम्पन्न हो गया। कहीं से भी कोई अप्रिय घटना का समाचार नहीं मिला। प्रातः सात बजे जैसे ही मतदान शुरू हुआ तो बूथों पर लोगों की कतारें देखी गयी लेकिन सुबह 11 बजे से मतदान केंद्रों पर लोगों की संख्या भीषण गर्मी की वजह से कम होती चली गयी।

ग्रामीण अंचलों में गेहूं कटाई की वजह से मतदाता खेतों से कम निकले लेकिन सायं तीन बजे से बूथों पर मतदाताओं की संख्या बढ़ती रही। एसडीएम राहुल शाह बराबर मतदान की प्रक्रिया पर अपनी नजर रखे हुए थे। प्रातः सात बजे से नौ बजे तक रामनगर विधान सभा में 11.6 प्रतिशत मतदान हुआ। 9 बजे से 11 बजे तक 26.11 प्रतिशत, 11 बजे से एक बजे तक 40.20 प्रतिशत, 1 बजे से तीन बजे तक 49.28 प्रतिशत और तीन बजे से पांच बजे तक 60.28 प्रतिशत मतदान सम्पन्न हुआ।

रामनगर के गुलरघट्टी बूथ पर लगी मतदाताओं की कतार। ● अमृत विचार

तीन स्थानों पर ईवीएम में आई खराबी

मतदान के दौरान तीन मतदान केंद्रों शिवलालपुर, बैड़ाझाल और छोई में ईवीएम मशीन खराब होने के लिए मतदान कुछ देर के लिए ठहरा जरूर मगर प्रशासन की मुस्तैदी से तुरन्त ईवीएम बदल दी गयी, जिससे मतदाताओं को कोई दिक्कत नहीं आई।

मतदान अधिकारी की तबीयत बिगड़ी

बूथ 83 शिवपुरी बैलजुड़ी में मतदान कार्मिक संजय कुमार की अचानक तबीयत खराब होने से हड़कम्प मच गया। सोशल मीडिया में उनको हार्टअटैक पड़ने की खबर भी फैली। मगर एसडीएम राहुल शाह ने तुरंत इन अफवाहों पर विराम लगते हुए कहा कि 83 बूथ पर कार्मिक संजय सिंह की तबीयत अचानक खराब हो गयी थी। उनको अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनके स्थान पर हीरा सिंह को भेजा गया।

सौडबांसी में विवाह से पहले मतदान करने पहुंची शोभा।

ग्रामीण मतदाताओं में नहीं दिखा उत्साह

कालाढूंगी। लोकसभा चुनाव के अखाडे.में किसानों की भागीदारी महत्वपूर्ण होती है, लेकिन इस बार गेहूं कटाई व विवाह का लगन होने से किसानों की भागीदारी कम देखने को मिली। कालाढूंगी विधान सभा क्षेत्र के किसानों की पहली प्राथमिकता मतदान नहीं गेहूं कटाई रही। वहीं भाजपा व कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने खेतों में गेहूं काट रहे किसानों को मतदान के लिए प्रेरित किया। शुक्रवार को ग्रामीण इलाकों में सुबह से पोलिंग बूथों पर भीड़ दिखी मगर 10 बजे बाद बूथों पर इक्का दुक्का मतदाता ही नजर आये। दिन में पोलिंग बूथों पर सुनसानी छायी रही। वहीं कालाढूंगी नगर, कोटाबाग व बैलपड़ाव बाजार क्षेत्र के आसपास पोलिंग बूथों में सुबह से भीड़ लगी रही। तीन बजे बाद सभी मतदान केंन्द्रों पर सन्नाटा पसर गया।

कालाढूंगी में सुबह मतदान करने के बाद गेहूं काटने पहुंची महिलाएं।

अपनी बात कहा कि मंदिर-मस्जिद और अंतरराष्ट्रीय मसलों से पहले रोजगार और शिक्षा के मुद्दे उनके लिए महत्वपूर्ण हैं

युवाओं ने शिक्षा, रोजगार और महिला सुरक्षा के नाम पर दिया वोट

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार : लोकसभा चुनाव में पहली बार मतदान करने आए युवा मतदाताओं ने कहा कि राजनीतिक दलों के प्रचार पर नहीं बल्कि महिलाओं की सुरक्षा, बेरोजगारी, बेहतर शिक्षा जैसे सवालों का हल खोजने वाले उम्मीदवार के पक्ष में मतदान किया है। इन युवाओं ने कहा कि मंदिर-मस्जिद और अंतरराष्ट्रीय मसलों से पहले रोजगार और शिक्षा के मुद्दे पर उन्होंने वोट दिया है।

बासीटीला मतदान केंद्र पर मतदान करने पहुंचे प्रशांत रावत जो आईआईटी मंडी से स्नातक कर रहे हैं, ने कहा कि वोट के लिए बेहतर शिक्षा और रोजगार उसकी प्राथमिकता तो है ही, साथ ही अर्थव्यवस्था का सुदृढ़ीकरण भी बड़ा मसला है। सबको रोजगार मिलेगा तभी तो इंडिया खुशहाल होगा।

मालधन देवीपुरा बूथ पर भावना ने कहा कि शिक्षा व्यवस्था की बेहतरी उसके मतदान का आधार है। रामनगर में रोजगार परक शिक्षा की व्यवस्था नहीं है, बाहर जाओ तो बहुत पैसा खर्च करना पड़ता है। रामनगर में शिक्षा के लिए अच्छे-अच्छे इंस्टीट्यूट खोले जाएं तो बेहतर हो सकता है।

मालधन देवीपुरा बूथ पर पहली बार वोट करने आई विशाखा दफौटी ने शिक्षा और बेराजगारी के मसले को मतदान की प्राथमिकता बताया। उसके अनुसार सरकारी नौकरियों की परीक्षा के पेपर लीक हो जाना सबसे दुर्भाग्यपूर्ण है। यह सब बंद होना चाहिए।

मोहननगर गाजियाबाद से बीसीए कर रहे पीरूमदारा के किसान इंटर कॉलेज में वोट करने आए प्रत्यक्ष रावत ने कहा कि महंगी होती शिक्षा, मध्यमवर्गीय परिवारों पर बड़ी बोझ बन रही है। वोट करते समय मैं इसी मसले को ध्यान में रखूंगा। महंगी शिक्षा पर सरकार को लगाम लगानी चाहिए।

मतदान के दौरान पीरूमदारा में बूथ पर मिले दीपांशु लखचौरा एमएससी के छात्र हैं। इनके अनुसार बदहाल हुई शिक्षा के सुधार के लिए वे वोट करेंगे। शिक्षा के लिए युवाओं को सम्मानजनक रोजगार मिले यह भी वोट करने में उसकी प्राथमिकता है।

पीरूमदारा के प्राथमिक स्कूल में अखिलेश कोटियाल विवेकानंद संस्थान अल्मोड़ा में अध्ययनरत हैं। उनके अनुसार रोजगार और मूल निवास का मुद्दा वोट करने की पहली प्राथमिकता है। उत्तराखंड की नई पीढ़ी के लिए मूल निवास बड़ा मसला होना चाहिए।

हरिपुर उमेदपुर बूथ में मतदान करने आई पल्लवी ने महिला सुरक्षा के मसले को भी वोट के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता बताया। इसके साथ शिक्षा और रोजगार के संकट को मतदान की बड़ी प्राथमिकता बताया। कहती हैं नेता बड़ी-बड़ी बात करते जरूर हैं मगर रोजगार की दिशा में उत्तर उनके पास नहीं रहता।

रामनगर के बसई मतदान केंद्र में लाइन में खड़ी प्रियंका ने शिक्षा, रोजगार, महिला सुरक्षा को अपनी प्राथमिकता गिनाया। साथ ही कहा कि लड़कियों के लिए कॉलेज में ऐसा माहौल बने जिससे वह अपनी क्षमता पहचानकर उस क्षेत्र में आगे बढ़ सकें और उन्हें दिक्कत न हो।

लकिता।

सुमन पंत।

भावना कनवाल।

पहली बार मतदान करके युवा दिखे काफी खुश

नैनीताल : शुक्रवार को लोकसभा चुनाव को लेकर नगर की तुलना में ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं में मतदान को लेकर काफी जोश देखने को मिला। शिक्षा व रोजागर जैसे मुख्य मुद्दों को लेकर युवाओं ने मतदान किया। रुद्रपुर में कार्यरत और खुर्पाताल निवासी लकिता रानी ने पहली बार वोट दिया। नोएडा की निजी कंपनी में एचआर के पद पर तैनात खुर्पाताल निवासी भावना भी पहली बार वोट डालने पहुंची। एमबीपीजी कॉलेज हल्द्वानी से पढ़ाई कर रही थापला निवासी सुमन पंत भी अपने पहले मतदान के बाद काफी खुश थीं।

पाठकों हेतु सूचना

प्रिय पाठको,

हल्द्वानी, काशीपुर एवं रूद्रपुर में आपको अमृत विचार समाचार पत्र मिलने में असुविधा हो रही हो तो कृपया नीचे दिये गये नंबरों पर सम्पर्क करें।

हल्द्वानी कार्यालय — 7830460114, 9412987555
काशीपुर कार्यालय — 8218100208
रूद्रपुर कार्यालय — 9837804094, 8476843488

हल्द्वानी में लोकसभा चुनाव में मतदान के लिए कतार में खड़ीं महिला मतदाता। ● अमृत विचार

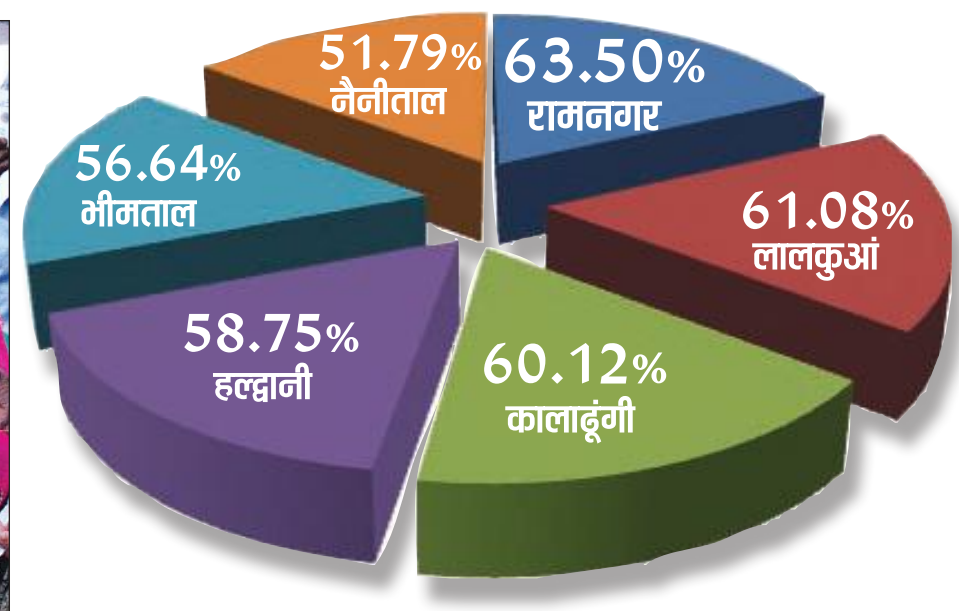

सबसे ज्यादा मतदान रामनगर, सबसे कम नैनीताल में हुआ

हल्द्वानी : जिले में सबसे ज्यादा मतदान रामनगर विधानसभा क्षेत्र में 63 .50 प्रतिशत मतदान हुआ। इसके बाद लालकुआं में 61 .08, कालाढूंगी में 60 .12, हल्द्वानी में 58 .75, भीमताल में 56 .64, नैनीताल में 51 .79 प्रतिशत मतदान हुआ।

किसकी होगी नैया पार : जिले में 59.10 प्रतिशत लोगों ने चुना अपना उम्मीदवार

लोकसभा चुनाव के लिए शुक्रवार की सुबह 7 बजे शुरू हुआ मतदान, कहीं से भी कोई घटना की सूचना नहीं

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

10 उम्मीदवार रक्षाराज्य मंत्री अजय भट्ट, कांग्रेस के प्रकाश जोशी समेत 10 उम्मीदवारों का भाग्य ईवीएम में हुआ कैद

04 जून को मतगणना के बाद तय होगी जीत-हार, तब तक एमबीपीजी कॉलेज में बने स्ट्रॉन्ग रूम में रखी जाएंगीं ईवीएम-वीवीपैट

अमृत विचार : जनपद नैनीताल में शुक्रवार को लोकसभा चुनाव का मतदान संपन्न हो गया। इसी के साथ ही 10 उम्मीदवारों का भाग्य ईवीएम में कैद हो गया। अब यह पिटारा 4 जून को खुलेगा। जिले में शांतिपूर्ण ढंग से मतदान हुआ, कहीं से भी अप्रिय घटना की सूचना नहीं है।

जिले में शुक्रवार की सुबह 7 बजे से मतदान शुरू हुआ, जो समाप्ति जारी रहा। जिले में मतदान की शुरुआत धीमी रही। पहले चरण में सुबह 7 से 9 बजे तक सिर्फ 10.5 प्रतिशत मतदान हुआ। इसके बाद तेजी आई और 9 से 11 बजे तक 23.85 प्रतिशत मतदान हुआ। तीसरे राउंड में मतदान प्रतिशत का आंकड़ा बढ़कर 40.46 तक पहुंचा। दोपहर में जैसे-जैसे पारा चढ़ा मतदान का आंकड़ा गिरता रहा। दोपहर 1 से 3 बजे तक के चौथे राउंड में 49.94 प्रतिशत मतदान हुआ। पांचवें व अंतिम चरण में 3 से मतदान समाप्ति तक लोगों ने मत दिया और 59.10 प्रतिशत मतदान हुआ। वास्तिवक आंकड़ा पोलिंग पार्टियों के शनिवार को लौटने पर ही पता चलेगा। इधर, शुक्रवार की देर सायं पोलिंग पार्टियों का एमबीपीजी कॉलेज में पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया जो खबर लिखे जाने तक देर रात तक जारी था। ईवीएम रिसीव होने के बाद स्ट्रॉन्ग रूम में रखी जाएंगीं।

शुक्रवार की देर सायं मतदान समाप्ति के बाद पोलिंग पार्टियां का एमबीपीजी कॉलेज पहुंचना शुरू हो गया है। ● अमृत विचार

वोट देने पहुंचे थापा जी पता लगा पड़ चुका है

हल्द्वानी : टीकम सिंह थापा वोट देने के लिए खालसा इंटर कॉलेज में बने बूथ पर पहुंचे। उन्होंने किसी अभिकर्ता से जानकारी लेनी चाही तो बताया गया कि उनका वोट पड़ चुका है। इस पर थापा ने आपत्ति जताई। फर्जी वोटिंग की सूचना से हड़कंप मच गया। हल्द्वानी एआरओ एपी वाजपेयी तक शिकायत पहुंची। जब जांच हुई तो पता चला वह गलत बूथ पर पहुंच गए थे। बाद में सही बूथ पर उनका मतदान कराया गया।

निर्वाचक नामावली का अंतिम प्रकाशन हुआ, राज्य में 83,37,914 मतदाता

देहरादून : अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी विजय कुमार जोगदंडे ने शुक्रवार को सचिवालय स्थित मीडिया सेंटर में प्रेस ब्रीफिंग करते हुए बताया कि राज्य में लोकसभा चुनाव 2024 की निर्वाचक नामावली को अंतिम रूप दिया जा चुका है। निर्वाचक नामावली के अंतिम प्रकाशन के समय राज्य में 83 लाख 37 हजार 914 मतदाता दर्ज हैं। इसमें 43 लाख 17 हजार 579 पुरुष और 40 लाख 20 हजार 38 महिला मतदाता शामिल हैं। ट्रांसजेंडर मतदाताओं की संख्या 297 है। राज्य में सर्विस वोटरों की संख्या 93 हजार 187 जिसमें 90 हजार 554 पुरूष सर्विस वोटर और 2633 महिला सर्विस वोटर हैं।

इन्होंने भी किया मतदान

प्रकाश जोशी, कांग्रेस प्रत्याशी।

दीपक रावत, मंडलायुक्त।

वंदना सिंह, जिलाधिकारी।

बंशीधर भगत, विधायक कालाढूंगी।

सुमित हृदयेश, विधायक हल्द्वानी।

यशपाल आर्य, नेता प्रतिपक्ष।

संजीव आर्य, पूर्व विधायक।

राम सिंह कैड़ा, भीमताल विधायक

सील स्ट्रांग रूम में थ्री लेयर सुरक्षा में रहेगी ईवीएम

हल्द्वानी : जिला निर्वाचन अधिकारी वंदना सिंह ने बताया कि सभी विस सीटों के लिए बने स्ट्रांग रूम की निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरा डिस्प्ले कक्ष का निरीक्षण किया। निर्देश दिए कि पार्टियों के मतदाता रजिस्टर, पीठासीन डायरी और पोल्ड और रिजर्व मशीनों के सीरियल नंबर का परीक्षण कर लें। इसमें एआरओ स्वयं ध्यान लें। उन्होंने बताया कि ईवीएम को स्ट्रांग रूम में थ्री लेयर सुरक्षा में रखा जाएगा।

101 वर्षीय मजीदन पहुंची वोट देने

हल्द्वानी : लोकसभा चुनाव के मतदान में 101 वर्षीय मजीदन ने राजकीय प्राथमिक विद्यालय गांधी नगर के बूथ नंबर 110 में पहुंचकर वोट दिया। उन्होंने लोकतंत्र के महापर्व में भागीदारी के लिए अन्य मतदाताओं से भी मतदान की अपील की।

पैरालंपियन भुवन चंद्र गुणवंत वोट देने पहुंचे बूथ

हल्द्वानी : पैरालंपिक खिलाड़ी भुवन चंद्र गुणवंत ने हल्दूचौड़ स्थित पोलिंग बूथ पहुंचकर वोट दिया। उन्होंने लोगों से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में घरों से बाहर निकलकर मत का प्रयोग करें। उन्होंने बताया की वर्ष 2010 में एक एक्सीडेंट में उनके दोनों पैर काटने पड़े थे मगर उन्होंने हार नहीं मानी और वह पैरालंपिक खिलाड़ी के रूप में देश का नाम रोशन कर रहे हैं।

लाल कुआं विधानसभा क्षेत्र के दैलिया मतदान केंद्र पर दुल्हन ने किया मतदान।

ससुराल से पहले बूथ पहुंची दुल्हन, वोट दिया

हल्द्वानी : जनपद की लालकुआं विधानसभा क्षेत्र के दैलिया मतदान केंद्र पर दूल्हा-दुल्हन वोट देने पहुंचे और सशक्त लोकतंत्र में अपनी भागीदारी निभाई। दुल्हन गायत्री चन्दोल ने बताया कि वह मूल रूप से दैलिया गांव की हैं। वह बंग्लुरु में नौकरी करती हैं। उनकी गुरुवार की रात को बंग्लुरु निवासी रविशंकर त्रिपाठी से शादी हुई। शुक्रवार की सुबह उनकी विदाई थी लेकिन मतदान भी था। इस वजह से वह ससुराल के लिए विदा होने से पहले पति के साथ बूथ पहुंचीं और मतदान किया।

एनसीसी, स्काउट-गाइड ने मतदाताओं को दिया सहारा

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : लोकसभा चुनाव के मतदान में एनसीसी कैडेट्स और स्काउट गाइड ने मतदाताओं की मतदान प्रक्रिया में सराहनीय मदद की।

हल्द्वानी के 183 बूथों पर मतदाताओं की सुविधा व सहूलियत के लिए मतदान कर्मियों के साथ ही एनसीसी कैडेट्स व स्काउट गाइड को भी वॉलंटियर्स के रूप में तैनात किया गया था। इन वॉलंटियर्स ने बुजुर्ग, दिव्यांग, महिलाओं, बीमार मतदाताओं की मदद की। उन्होंने इन मतदाताओं को सहारा देकर बूथ तक लाने-ले जाने, पानी पिलाने, मतदाता सूची में नाम ढूंढने वगैरह में सराहनीय सेवा की। एमबी इंटर कॉलेज, जीजीआईसी, लगभर हर बूथ पर एनसीसी कैडेट्स बिना थके, बिना रूके और बिना किसी शिकन के जिम्मेदारियां का निर्वहन किया। लोकतंत्र के इस महापर्व में अपनी भूमिका का बखूबी निभाया। **राजकीय कन्या इंटर कॉलेज बनभूलपुरा में स्काउट गाइड भी रहीं तैनात:** राजकीय कन्या इंटर कॉलेज बनभूलपुरा नगर निगम के चकाचक बूथों में से एक है। इस बूथ पर एनसीसी के साथ ही स्काउट-गाइड भी बतौर वॉलंटियर्स लगाए गए थे। आठ छात्राओं का एक दल मतदाताओं की मदद कर रहा था। इस दल में बुशरा, मुशरा, कहकशां, इरम मिकरानी, फिजाउर फातिमा, रहनुमा, रमजा, इलमा शामिल थीं। उन्होंने बताया कि उन्हें मतदाताओं की मदद करने में अच्छा लग रहा है।

जीजीआईसी बनभूलपुरा में मतदाताओं की मदद के लिए स्काउट-गाइड का दल तत्पर रहा। ● अमृत विचार

पोलिंग बूथ की परिधि में खड़े 30 वाहनों का चालान, 2 सीज

नैनीताल : पोलिंग बूथ के 100 मीटर की परिधि के दायरे में वाहन खड़ा करने पर पाबंदी थी। बावजूद इसके लोग बाज नहीं आ रहे थे। मल्लीताल कोतवाल हरपाल सिंह ने बताया कि बूथ की परिधि में वाहन खड़ा करने पर 30 वाहनों की चालानी कार्यवाही की और 2 वाहन सीज किए। इसमें एक नाबालिग वाहन चला रहा था, दूसरा बाइक में नंबर प्लेट हटाकर मॉडिफाई कर चलाता पकड़ा गया था। उन्होंने बताया कि कुछ वाहन स्वामी चेतावनी के बाद चले गए लेकिन जो नहीं माने उन पर कार्रवाई हुई।

वोट देकर घर लौटे किसान की मौत

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

हादसा

- भूसा ढोने जा रहे थे, बरामदे में बैठे और अचानक जमीन पर गिर गए
- सोबन सिंह जीना बेस अस्पताल में चिकित्सकों ने मृत घोषित किया

अमृत विचार : मतदान कर घर लौटे किसान की अचानक तबीयत बिगड़ गई। वह भूसा ढोने जा रहे थे और बरामदे में बैठे-बैठे गिर गए। उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया है।

पूर्वीखेड़ा गौलापार निवासी जीवन सिंह डसीला (55 वर्ष) पेशे से किसान हैं। शुक्रवार को वह घर के पास स्थित बूथ में मतदान करने गए थे। लौटकर घर पहुंचे तो भूसा ढुलाई के काम में लग गए। तभी अचानक उनकी तबीयत बिगड़ी और वह बरामदे में बैठ गए। इससे पहले कि कोई कुछ समझ पाता, जीवन जमीन पर गिर गए और बेसुध हो गए। यह देख परिजनों ने आनन-फानन में उन्हें सोबन सिंह जीना बेस अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस का कहना है कि मौत की वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही सामने आएगी। काठगोदाम थाना प्रभारी विमल मिश्रा ने बताया कि मृतक का शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना की जांच की जा रही है।

जागरूकता इस चुनाव में महिलाओं ने दिखाया दम, पुरुषों ने 57 .66 तो महिलाओं का 58 .03 प्रतिशत रहा आंकड़ा

मातृशक्ति ने पहले किया मतदान, फिर दूसरा काम

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : इस आम चुनाव में महिलाओं ने मतदान को लेकर खासा रुझान दिखाया। पोलिंग बूथों पर महिला मतदाताओं की उमड़ी भीड़ ने 'पहले मतदान फिर दूसरा काम' को चरितार्थ कर दिखाया।

लोकसभा से त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में आधी आबादी की शक्ति को नकारा नहीं जा सकता है। चिपको आंदोलन हो या फिर उत्तराखंड निर्माण आंदोलन, महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सेदारी की है। राज्य में 83,37,914 मतदाता हैं, इनमें 43,17,579 पुरुष और 40,20,038 महिला मतदाता शामिल हैं जबकि थर्ड जेंडर के मतदाताओं की 297 हैं। इस तरह महिला मतदाताओं की संख्या कुल मतदाता का 48.21 प्रतिशत है। बेशक, महिलाओं की संख्या पुरुषों से कम है लेकिन मताधिकार को लेकर महिलाएं अधिक जागरूक दिखाई दीं। वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में महिला मतदान का आंकड़ा 68 प्रतिशत रहा। इस बार पुरुषों ने 57.66 के सापेक्ष महिलाओं ने 58.03 प्रतिशत मतदान किया है।

घर की जिम्मेदारियों से लेकर पूरे परिवार को चलाने की जिम्मेदारी महिलाओं पर रहती है। बावजूद इसके महिलाओं ने शुक्रवार को लोकतंत्र के महापर्व में अपनी सहभागिता को वरीयता दी। सुबह साढ़े सात बजे से ही महिलाएं मतदान केंद्रों पर पहुंच गई थीं। आठ बजते-बजते महिलाओं की लंबी कतार लग चुकी थी।

राजपुरा प्राइमरी स्कूल में वोट डालने के लिए लाइन में खड़ीं महिला मतदाता। ● अमृत विचार

राजकीय प्राथमिक विद्यालय फूलचौड़ में वोट देकर आईं मंजू डसीला ने कहा कि घरेलू कामकाज रोज होते हैं लेकिन केंद्र की सरकार चुनने का अवसर पांच वर्षों में एक बार मिलता है।

सविता सती ने कहा कि यह चुनाव हमारे समाज व हमारे बच्चों के भविष्य को तय करने वाला है। जो भी सरकार बने उसे लोगों की समस्याओं जैसे महंगाई, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, कानून व्यवस्था को देखते हुए सुनियोजित विकास का खाका खींचना होगा। खालसा गर्ल्स इंटर कॉलेज तरनप्रीत कौर ने बताया कि महिलाएं अब चूल्हा चौका छोड़कर राज्य से केंद्र की सरकार चुनने में हिस्सा ले रही हैं। नारी शक्ति वंदन विधेयक से भी महिलाओं को राजनीति में हिस्सा मिलेगा। तब आधी आबादी पूरी ताकत दिखा सकेगी।

स्वीप की कोशिशों के बावजूद घट गया मतदान प्रतिशत

14 साल बाद फिर से मतदान प्रतिशत 60फीसदी से नीचे पहुंचा, इस चुनाव में मत प्रतिशत में आ गई 8 प्रतिशत से अधिक गिरावट

नरेन्द्र देव सिंह, हल्द्वानी

अमृत विचार: स्वीप (व्यवस्थित मतदाता शिक्षा और चुनावी भागीदारी) की मतदाताओं को जागरूक करने की मुहिम के बावजूद नैनीताल लोकसभा सीट पर मत प्रतिशत में बड़ी गिरावट आई है। पिछले लोकसभा चुनाव में नैनीताल सीट पर जहां 68.83 प्रतिशत हुआ था तो वहीं इस बार मत प्रतिशत का आंकड़ा 59.39 प्रतिशत के आसपास आकर ठिठक गया। इस सीट पर पिछले दो लोकसभा चुनाव में लगातार मत प्रतिशत बढ़ रहा था लेकिन इस बार मत प्रतिशत का आंकड़ा नीचे आ गया।

नैनीताल लोकसभा सीट पर मतदान को लेकर सुबह के समय काफी उत्साह था। पूर्वान्ह होने के साथ ही मतदान को लेकर मतदाताओं में उदासीनता दिखाई देने लगी। दोपहर बाद लगने लगा कि इस बार मत प्रतिशत में गिरावट आएगी। साल 2009 में नैनीताल लोकसभा सीट पर कुल 58.69 प्रतिशत ही मतदान हुआ था। मतदान जागरूकता को लेकर चलाए गए अभियान का असर साल 2014 के लोकसभा चुनाव में दिखने लगा। मतदान प्रतिशत में करीब 9.50 प्रतिशत का उछाल आया और नैनीताल लोकसभा सीट पर 68.38 प्रतिशत मतदान दर्ज किया। मतदाताओं में यह उत्साह साल 2019 के लोकसभा चुनाव में और भी ज्यादा बढ़ गया। इस बार मत प्रतिशत बढ़कर 68.83 प्रतिशत तक पहुंच गया।

प्रशासन और निर्वाचन आयोग को लगने लगा था कि नैनीताल लोकसभा सीट के मतदाता अब मतदान को लेकर ज्यादा से ज्यादा जागरूक होते जा रहे हैं। इस बार लोकसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए निर्वाचन आयोग ने स्वीप के माध्यम से चुनाव से बहुत पहले ही प्रचार-प्रसार शुरू कर दिया था। सभी सरकारी विभागों को अभियान में शामिल किया गया। जन प्रतिनिधियों, अधिकारियों, चर्चित चेहरों, स्वयंसेवी संगठनों के माध्यम से भी मतदाताओं को जागरूक करने के लिए अभियान चलाए गए। इसके बावजूद इस बार लोकसभा चुनाव में इस बार प्रतिशत 59.36 प्रतिशत रहा और 9.44 प्रतिशत मतदान कम हो गया। ऐसा भी नहीं है इसे गर्मी का असर कहा जाए क्योंकि उत्तराखंड बनने के बाद लोकसभा चुनाव हमेशा गर्मियों में ही हुए हैं। ऐसे में मतदान प्रतिशत गिरना चिंता की बात है।

गौजाजाली स्थित मतदान केन्द्र में कम नजर आए मतदाता। ● अमृत विचार

राज्य की हर सीट पर कम हुआ मतदान

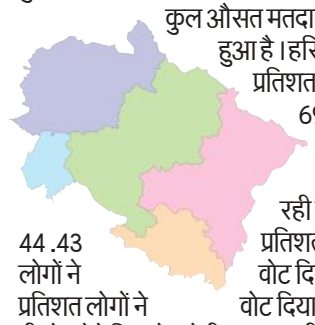

हल्द्वानी : उत्तराखंड में इस बार कुल 53 .79 प्रतिशत ही मतदान हुआ जबकि पिछली बार यह आंकड़ा 58 .01 प्रतिशत था। राज्य के कुल औसत मतदान में 4 .22 प्रतिशत कम मतदान हुआ है। हरिद्वार सीट पर इस बार 59 .01 प्रतिशत मतदान हुआ जबकि पिछली बार 69 .25 प्रतिशत ही मतदान हुआ था। यहां मत प्रतिशत में पांचों सीटों में सबसे ज्यादा गिरावट रही है। अल्मोड़ा सीट पर इस बार 44 .43 प्रतिशत तो पिछली बार 52 .31 प्रतिशत लोगों ने वोट दिया था। टिहरी सीट पर 51 .01 प्रतिशत लोगों ने वोट दिया तो इस बार केवल 58 .87 लोग ही वोट देने निकले। पौड़ी गढ़वाल सीट पर इस बार 48 .79 प्रतिशत वोटिंग हुई है पिछली बार 55 .17 प्रतिशत लोगों ने वोट दिया।

सितारगंज में इस बार आठ प्रतिशत गिरा मत प्रतिशत

हल्द्वानी : पिछले लोकसभा चुनाव में नैनीताल लोकसभा सीट पर सबसे ज्यादा मत प्रतिशत सितारगंज विधानसभा सीट पर 78 .60 प्रतिशत हुआ था, इस बार मत प्रतिशत में करीब आठ प्रतिशत की गिरावट आ गई। हालांकि सितारगंज गिरावट के बावजूद इस साल भी मत प्रतिशत के मामले में पहले नंबर पर है। बाजपुर में तो मत प्रतिशत 10 प्रतिशत तक गिर गया। पहाड़ों में भी चुनाव को लेकर अपेक्षाकृत उदासीनता ही रही। नैनीताल लोकसभा सीट पर सबसे कम मतदान 50 .24 प्रतिशत नैनीताल सीट पर हुआ है। यही नहीं मत प्रतिशत में भारी गिरावट बीते विधानसभा चुनाव में हुए मत प्रतिशत से भी कम है।

साल 2019 और 2024 के चुनाव में विधानसभा वार मत प्रतिशत

सीट	साल 2019	साल 2024	सीट	साल 2019	साल 2024
लालकुआं	69 .51	61 .08	बाजपुर	72 .29	62 .09
भीमताल	59 .91	56 .64	गदरपुर	75 .78	67 .93
नैनीताल	55 .29	51 .79	किच्छा	69 .14	62 .61
हल्द्वानी	62 .22	58 .75	सितारगंज	78 .60	70 .06
कालाढूंगी	66 .82	60 .12	नानकमत्ता	72 .21	65 .73
जसपुर	72 .65	65 .48	खटीमा	68 .71	64 .20
काशीपुर	65 .94	58 .50	कुल	68 .83	59 .36

स्रोत : निर्वाचन आयोग, शाम पांच बजे तक के आंकड़े, देर रात तक आंकड़ों में कुछ फेर बदल की संभावना है।

इन्होंने भी किया मतदान

मतदान का निशान दिखाते महेश शर्मा।

हाजी अब्दुल मतीन सिद्दीक़ी।

मीमांशा आर्या, युवा कांग्रेस उपाध्यक्ष।

कमलेश कैड़ा।

झलकियां

वनभूलपुरा लाइन न. 17 प्राइमरी स्कूल में वोट डालने के लिए लगी लाइन।

हल्द्वानी के एक आदर्श दिव्यांग मतदान केंद्र में मतदान केन्द्र पर पहुंचे मतदाता।

एमबी इंटर कालेज में वोट डालने के लिए खड़े लाइन में खड़े मतदाता।

वोट का निशान दिखाते डॉ अतुल सक्सेना।

वृद्धा को गोद पर बूथ तक ले जाता कर्मी।

बेस अस्पताल की ओपीडी तो खुली पर डॉक्टर नदारद

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: प्रशासन ने मतदान दिवस वाले दिन भी सरकारी अस्पतालों की ओपीडी खोलने का आदेश जारी किया था। जिसके तहत सोबन सिंह जीना बेस अस्पताल की ओपीडी शुक्रवार को खुली रही लेकिन ओपीडी के अंदर अधिकांश डॉक्टर नहीं थे। जिस वजह से मरीज प्रतीक्षा करते रहे।

मतदान दिवस के चलते शहर में कम चहल-पहल थी। परिवहन के सार्वनिक साधन भी नहीं चल रहे थे। इसका असर अस्पतालों में आने वाले मरीजों की संख्या पर भी पड़ा। बेस अस्पताल में शुक्रवार को ओपीडी में मरीजों की कम भीड़ रही। फिर भी जो मरीज पहुंचे, उनमें से ज्यादातर को निराश होकर ही जाना पड़ा। अस्पताल में सुबह 9:30 बजे ईएनटी विशेषज्ञ, दांत रोग विशेषज्ञ और सर्जन ही मौजूद थे। इनकी ओपीडी में मरीजों को देखा जा रहा था। इनके अलावा फिजिशियन, बाल रोग विशेषज्ञ, हड्डी रोग विशेषज्ञ और त्वचा रोग विशेषज्ञ की ओपीडी में डॉक्टर नहीं थे। यहां तक हड्डी रोग विशेषज्ञ और बाल रोग विशेषज्ञ की ओपीडी में लाइट तक बंद थी। मरीजों ने बताया कि काफी देर से डॉक्टरों का इंतजार कर रहे हैं। इसके अलावा राजकीय महिला अस्पताल और डॉ. सुशीला तिवारी राजकीय अस्पताल में भी मरीजों की संख्या कम रही।

जिले में 81 बूथों पर खराब हुई ईवीएम

दिक्कत

▸▸ **बैलेट व कंट्रोल यूनिट और वीवीपैट आदि में आई खराबी की वजह से सभी बूथों पर नए ईवीएम लगाई गई**

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: लोकसभा चुनाव के लिए हुए मतदान में जिले भर में शुक्रवार की सुबह तय समय पर मतदान शुरू हुआ लेकिन कई बूथों पर ईवीएम मशीन खराब हो गई, जिससे यहां घंटों तक चुनाव बाधित रहा और मतदाता परेशान रहे। इसके अलावा भी कई अन्य बूथों से अनियमितताओं की खबरें आईं।

जिले में सभी स्थानों पर शुक्रवार की सुबह सात बजे से मतदान शुरू हुआ लेकिन लगभग सभी विधानसभाओं में अभ्यास व वास्तविक चुनाव के दौरान 81 बूथों पर अलग-अलग कारणों से ईवीएम मशीन खराब हो गई। निर्वाचन कार्यालय ने बताया कि अभ्यास के दौरान जिले की सभी छह विधानसभाओं में 67 बूथों और वास्तविक चुनाव के समय भीमताल विधानसभा में तीन, नैनीताल में एक, हल्द्वानी में छह, रामनगर में चार बूथों पर ईवीएम खराब हुई। बताया कि बैलेट व कंट्रोल यूनिट और वीवीपैट आदि में आई तकनीकी खराबी की वजह से सभी बूथों पर नए ईवीएम मशीन लगाई गई। ईवीएम में खराबी आने व नई लगाने में सभी बूथों पर करीब एक-एक घंटे का समय लगा, जिससे मतदाताओं को खासी परेशानी झेलनी पड़ी। इसके अलावा कई बूथों से अनियमितताओं की खबरें आईं। आदर्श बूथ खालसा इंटर कॉलेज में सुबह आठ बजे तीन-चार मतदाता मतदान करके अपने घरों को जाने लगे तब पीठासीन अधिकारी को मालूम चला कि उक्त मतदाताओं की तर्जनी उंगली में मतदान की निशानी स्याही नहीं लगाई गई है, जिसके बाद मतदाताओं को वापस बुलाकर गलती को सुधारा गया। कई बूथों पर मतदाताओं के बाएं हाथ की तर्जनी उंगली की बयाज अन्य उंगलियों और कहीं दाएं हाथ की उंगलियों में स्याही लगा दी गई।

आदर्श बूथ नारायण नगर, कुसुमखेड़ा पर दोपहर में हेल्प डेस्क पर कर्मचारी नदारद रहे, जिससे मतदाताओं को अपने बूथ ढूंढ़ने में परेशानी आई।

इंदिरा नगर स्थित वनभूलपुरा इंटर कालेज में वोटर लिस्ट में नाम चेक करते मतदाता।

सार-संक्षेप

मतदान का निशान दिखाते परमजीत सिंह संटी और तरनप्रीत कौर।

वनभूलपुरा लाइन न. 17 में वृद्धा को मतदान के बाद बाहर ले जाती छात्रा।

कांग्रेस के दिग्गजों ने किया मतदान

हल्द्वानी, अमृत विचार : लोकसभा चुनाव में मतदान करने के लिए कांग्रेसी दिग्गज भी वोट देने पहुंचे। ज्यादातर ने सुबह के समय ही अपने मतदान का प्रयोग कर लिया। नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य उनके बेटे पूर्व विधायक संजीव आर्य के अलावा परिवार के अन्य लोगों ने राजकीय आदर्श उच्च प्राथमिक विद्यालय छडायल-सुयाल हरिपुर नायक में वोट दिया। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि लोकतंत्र में सबको अपनी भागीदारी निभानी चाहिए। उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी की जीत का भी दावा किया। कांग्रेस प्रत्याशी प्रकाश जोशी जी ने अपनी पत्नी के साथ राजकीय प्राथमिक विद्यालय खेमपुर (गैबुवा) में मतदान किया। उन्होंने कहा कि जनता के मुद्दे पर उन्होंने चुनाव लड़ा है और पूरा विश्वास है कि उन्हें कांग्रेस की जीत होगी। विधायक सुमित हृदयेश ने केएनजी इंटर कॉलेज में वोट दिया। उन्होंने सभी मतदाताओं का भी धन्यवाद किया।

हाईकोर्ट के वरिष्ठ न्यायाधीश ने किया मतदान

नैनीताल : नैनीताल हाईकोर्ट के वरिष्ठ न्यायाधीश मनोज कुमार तिवारी ने पत्नी के साथ नैनीताल के सूखाताल मतदान केंद्र पहुंचकर मतदान किया। उन्होंने लोकतंत्र की मजबूती का आह्वान किया।

दिव्यांग व बुजुर्ग मतदाताओं को मिली वाहनों की सुविधा

हल्द्वानी : दिव्यांगों व बुजुर्ग मतदाओं को मतदान केंद्र तक आने व जाने के लिए समाज कल्याण विभाग की ओर से शुक्रवार को जिले की सभी छह विधानसभा सीटों पर वाहनों की व्यवस्ता की गई थी। जिला समाज कल्याण अधिकारी दिपांकर घिल्डियाल ने बताया कि लोकसभा चुनाव में कुल 12 वाहन चलाए गए, जिसमें जिले की सभी विधानसभाओं में 2-2 वाहन लगाए गए थे। उन्होंने बताया कि वाहन की सुविधा मिलने से दिव्यांगों व बुजुर्गों ने बढ़ चढ़कर मतदान में हिस्सा लिया।

मजदूरों की छह झोपड़ियां जलकर राख

हल्दूचौड़ : गंगापुर कबड़वाल ग्राम पंचायत के भानदेव नवाड़ गांव में छह से ज्यादा मजदूरों की झोपड़ियों में अज्ञात कारणों से आग लग गई। हादसे में छह झोपड़ियां जलकर राख हो गई, जिसके चलते मजदूरों का घरेलू सामान आग में नष्ट हो गया और दो पालतू पशु भी आग की चपेट में आ गये। सूचना पर पहुंची पुलिस और फायर बिग्रेड की टीम ने बामुश्किल आग पर काबू पाया। पुलिस के अनुसार गांव में रह रहे मजदूर खेती का कार्य करते हैं और थोड़ी थोड़ी जमीनें खरीदकर वे झुग्गियां बनाकर रहते हैं। गुरुवार शाम संदिग्ध हालातों में एक मजदूर की झुग्गी में आग लग गई और देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। तेज हवा से कुछ ही देर में आधा दर्जन से ज्यादा झुग्गियां आग की लपटों में स्वाहा हो गई। अग्निकांड में आधा दर्जन से ज्यादा मजदूरों का राशन, पलंग व अन्य घरेलू सामान नष्ट हो गया और दो दुधारू पशु आग की भेंट चढ़ गए। तीन दमकल वाहनों ने बमुश्किल आग बुझाई।

मौत से पहले मरीजों का किया उपचार

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : ऐसा शायद कभी होता होगा कि डाक्टर गौरव कांडपाल घर से अकेले ड्यूटी के लिए जाते हों। उनके सहयोगियों का कहना है कि डाक्टर गौरव के साथ हमेशा तीन से चार सहकर्मी साथ ड्यूटी के लिए जाते थे, लेकिन चुनाव में सभी ड्यूटियां लगी थीं और शुक्रवार को गौरव घर से अकेले गए। उन्होंने पूरे दिन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामगढ़ में ओपीडी निपटाई। चूंकि वह जिला हेल्थ इलेक्शन प्लान के मेंबर थे तो ओपीडी खत्म करने बाद वह बूथों पर स्वास्थ्य संबंधी व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने निकल गए।

दोपहर जब उनकी मौत की खबर आई तो परिवार में कोहराम मच गया। गौरव की पत्नी डाक्टर प्रियंका कांडपाल कालाढूंगी में तैनात हैं। मौत की खबर सुनकर वह बदहवास हो गईं। उनका हाई स्कूल में पढ़ने वाला बेटा अंशुल (14 वर्ष) और कृष्णा (10 वर्ष) हैं। मां पुष्पा कांडपाल तो काफी वक्त तक बेटे के मौत की जानकारी नहीं दी गई।

चिकित्सक के शव को बेस अस्पताल से पोस्टमार्टम हाउस ले जाते साथी।

बासीटीला में फिर बाघ दिखने से दहशत

रामनगर: सीटीआर के ढेला रेंज के गांव देवीपुर बासीटीला में शुक्रवार शाम फिर बाघ दिखने से दहशत फैल गई। दो दिन पहले बुधवार को मनोरथपुर बासीटीला में बाघ ने खेत में युवक को मार डाला था। शुक्रवार को देवीपुर बासीटीला में काले पंडित के खेत पर बाघ देखे जाने पर गांव में शोर मच गया। खेत के आसपास लोगों की भीड़ जुट गई। ग्रामीणों ने सीटीआर की ढेला रेंज चौकी पर फोन कर सूचना दी। ढेला रेंजर भानुप्रकाश हर्बोला ने बताया कि टीम को मौके पर भेजा गया। टीम ने मौके पर ड्रोन उड़ाकर भी स्कैनिंग की, लेकिन बाघ का पता नहीं चला।

बस-टैक्सियां न मिलने से दिनभर परेशान रहे यात्री

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: लोकसभा चुनाव के चलते आम यात्रियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। शुक्रवार को मतदान होने के चलते यात्रियों को पर्वतयी रूटों के लिए न ही टैक्सी मिली न ही बस मिल पाई। इससे यात्री खासा परेशान दिखे इन्हें अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए वाहन नहीं मिल पाए। इसमें नैनीताल, भीमताल, रामनगर, अल्मोड़ा, पिथौरागढ़, चंपावत समेत अन्य पर्वतीय रूटों पर टैक्सियां व बसों का संचालन नहीं हो पाया। चुनावी ड्यूटी के लिए बसों व टैक्सियों का अधिग्रहण प्रशासन की ओर से किया गया है। केमू की करीब 250 बसें और रोडवेज की करीब 57 बसें चुनावी ड्यूटी में लगाए गए है। जिससे बसों और टैक्सियों की कमी हो गई है। वहीं अभी 2 दिनों तक यात्रियों के सामने दिक्कत बनी रहेगी। रोडवेज डिपो में भी यात्रियों की संख्या न के बराबर दिखी इसमें बरेली, दिल्ली, किच्छा, मुरादाबाद समेत अन्य रूटों पर चलने वाली बसों में यात्री नदारद रहे।

उत्साह नैनीताल जिले में हैं 13468 पूर्व सैनिक, वीरांगनाओं ने भी निभाई मतदान में भागीदारी

जिले में पूर्व सैनिकों ने भी बढ़चढ़ कर किया मतदान

सर्वेश तिवारी, हल्द्वानी

अमृत विचार : सीमा पर देश के लिए जान देने को तैयार रहने वाले सैनिक जब सेवानिवृत्त होकर घर आए तो भी उनके जज्बे में कमी नहीं आई। वह बूढ़े भले ही हो चुके हैं, लोकतंत्र के पर्व में उन्होंने अपनी शत-प्रतिशत भागीदारी निभाई। नैनीताल जिले में 13,468 पूर्व सैनिक हैं। बताया गया है कि सभी ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इस पर्व में वीरांगनाओं ने भी बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया।

नैनीताल जिले में थल सेना के 12,712, वायु सेना के 346 और नौ सेना के 392 पूर्व सैनिक हैं। सहायक जिला सैनिक कल्याण अधिकारी पुष्कर सिंह भंडारी का कहना है कि सभी पूर्व सैनिकों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इसके साथ ही जिले में मौजूद 70 वीर नारियों ने करीब 46 ने वोट डाला। जबकि विभिन्न जंगों के दौरान घायल (दिव्यांग) हुए 44 पूर्व सैनिकों में से 36 लोगों ने मतदान किया। ऐसा माना जाता है कि पूर्व सैनिकों में से अधिकांश का मत एकतरफा पड़ता है। ऐसे में जिले के पूर्व सैनिकों के वोट बेहद अहम परिणाम में अहम भूमिका निभाएंगे। राज्य में कुल पूर्व सैनिकों की संख्या 139157 है।

मतदान का निशात दिखाते पुष्कर सिंह भंडारी व सैनिक परिवार की महिला।

पूर्व सैनिकों के लिए अहम रहे ये मुद्दे

पूर्व सैनिकों ने बताया कि उनके लिए सेवानिवृत्ति के बाद रोजगार और वन रैंक वन पेंशन एक बड़ा मुद्दा है। वहीं वीरांगनाओं ने अपने बच्चों के बेहतर भविष्य और आश्रितों को रोजगार की बात कही। इसके साथ ही राष्ट्र के आर्थिक, सामाजिक विकास को भीध्यानमें रखा।

राज्य में पूर्व सैनिकों की जिलेवार संख्या

जिला	सैनिक संख्या
अल्मोड़ा	9609
बागेश्वर	7832
चमोली	11087
चम्पावत	3688
देहरादून	29241
हरिद्वार	5405
लैंसडौन	15070
पौड़ी	6959
नैनीताल	13468
पिथौरागढ़	18136
रुद्रप्रयाग	3618
टिहरी	5133
ऊधमसिंहनगर	8760
उत्तरकाशी	1151
कुल	139157

शहीदों/पूर्व सैनिकों की वीरांगनाएं

जिला	स्व.सैनिकों की पत्नियां
अल्मोड़ा	4810
बागेश्वर	3740
चमोली	4821
चम्पावत	1355
देहरादून	5400
हरिद्वार	1030
लैंसडौन	5580
पौड़ी	3045
नैनीताल	3821
पिथौरागढ़	8534
रुद्रप्रयाग	1726
टिहरी	2083
ऊधमसिंहनग	2701
उत्तरकाशी	278
कुल	48924

पारंपरिक परिधान में पहुंची महिलाएं

हल्द्वानी, अमृत विचार: लोकतंत्र के पर्व पर विविध रंग देखने को मिले। जहां महिलाएं पारंपरिक परिधान पहन कर मतदान केंद्रों में पहुंची, वहीं दिव्यांग मतदाताओं का स्वागत फूल माला से किया गया।

हल्द्वानी के राजकीय बालिका इंटर कॉलेज बनभूलपुरा, केशवदत्त देवीदत्त बल्यूटिया राजकीय प्राथमिक विद्यालय दमुवाढूंगा सहित पांच चकाचक मतदान केंद्रों पर शुक्रवार की सुबह दर्जनों महिलाएं पारंपरिक परिधान रंगवाली पिछौड़ी और नथ, गुलोबंद, मांग का टिका पहनकर महिलाएं मतदान के लिए मतदान केंद्र पहुंची। महिलाओं ने सभी से वोट देने की अपील की। आदर्श दिव्यांग मतदान केंद्रों पर मतदाताओं का फूल माला पहनाकर स्वागत किया गया। केंद्रों से बाहर निकलने पर महिलाओं व दिव्यांग मतदाताओं ने सेल्फी प्वाइंट में सेल्फी ली और उसे सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए सभी से मतदान की अपील की।

बड़ी संख्या में घरों से निकले बनभूलपुरा के मतदाता

मतदाताओं ने अमृत विचार से बेबाकी से साझा की बात, बोले- सांप्रदायिकता के खिलाफ, शिक्षा और रोजगार के लिए किया मतदान

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : हिंसा के बाद बनभूलपुरा का मतदाता अपने मताधिकार को लेकर और जागरूक हुआ है। यहां का मतदाता भीड़ के रूप में नहीं निकला, लेकिन मतदान में पीछे भी नहीं रहा और न ही अपनी बात रखने में। अमृत विचार से हुई खास बातचीत में मतदाताओं ने अपने दिल की बात कही। वह सुकून और शांति चाहते हैं। उन्हें रोजगार और बच्चों के लिए शिक्षा चाहिए। मुस्लिम मतदाताओं के बीच अंकिता भंडारी हत्याकांड भी मुद्दा था। इन्हीं मुद्दों पर मतदाताओं ने मताधिकार का प्रयोग किया।

इंदिरा नगर स्थित वनभूलपुरा इंटर कालेज में वोट डालने केलिए लगी महिलाओं की लंबी कतार और वनभूलपुरा लाइन न. 17 प्राइमरी स्कूल में वोट डालने के लिए पहुंची बीमार महिला को कुर्सी पर बैठाया गया। ● अमृत विचार

अंकिता भंडारी को इंसाफ के नाम पर दिया वोट

हल्द्वानी : बनभूलपुरा हिंसा में उपद्रवियों से महिला पुलिस कर्मी की जान बचाने वाले नई बस्ती ठोकर बनभूलपुरा निवासी आबिद सिद्दीकी के लिए अंकिता भंडारी हत्याकांड का मुद्दा अहम था। उनका कहना है कि यह हत्याकांड भले ही पौड़ी का हो, लेकिन युवा इससे आहत है। इस हत्याकांड से पर्दा न उठना और हत्यारों का खुलेआम घूमना यह जताता है कि कानून व्यवस्था में सुधार की जरूरत है। मैंने बेहतर कानून-व्यवस्था के लिए वोट दिया।

जनहित सर्वोपरि, भेदभाव वाली सरकार नहीं चाहिए

हल्द्वानी : मलिक का बगीचा से सटे नई बस्ती में रहने वाली मेहरीन सिद्दीकी का कहना है कि उन्होंने वोट बदलाव के नाम पर दिया है। वो चाहती हैं केंद्र में ऐसी सरकार आए जो जनहित को सर्वोपरि रखे। हमें भेदभाव करने वाली सरकारनहीं चाहिए। हमें हमारे बच्चों का उज्जवल भविष्य चाहिए। जो समाज के बीच भेदभाव की नजर न देखे जाएं। बल्कि और लोगों की तरह उन्हें समाज के बीच सुकून से और साथ रहने का हक मिले। देश में सदभाव स्थापित हो सके।

आपसी भाईचारा बढ़ाने को किया मतदान

बनभूलपुरा की शकीला ने भी हिंसा को करीब से देखा। उन्हें मतलब नहीं कि कौन सी पार्टी से कौन सा प्रत्याशी खड़ा है। क्योंकि उनके यहां किसी भी पार्टी का कोई प्रत्याशी प्रचार के लिए ही नहीं आया। उन्हें पता भी नहीं है कि किस पार्टी से किस नाम का प्रत्याशी चुनाव लड़ रहा है। उनका कहना है, उन्होंने भाईचारे के नाम पर वोट दिया। वर्षों से वह बनभूलपुरा में रह रही हैं, लेकिन कभी हिंसा नहीं देखी। हमें मुफ्त का भी नहीं चाहिए। बस अच्छी सरकार चाहिए।

जिसकी भी सरकार बने, बात सबकी सुने

हल्द्वानी : बनभूलपुरा स्थित आस्थाना मस्जिद के पास रहने वाले नन्हें वारसी देश में हर धर्म के लोगों के साथ भाईचारे के साथ रहना चाहते हैं। वह कहते हैं हमें कोई वास्ता नहीं कि सरकार किसकी बनेगी। जो भी बने देश का ऐसा प्रधानमंत्री बने जो हर देशवासी को अपने परिवार का अहम सदस्य माने न कि सिर्फ मतदाता। इन्हीं सब बातों को ध्यान में रखकर उन्होंने अपने पसंदीदा पार्टी के पक्ष में मत दिया।

युवाओं के लिए शिक्षा और रोजगार जरूरी

हल्द्वानी : बनभूलपुरा निवासी मोहम्मद अनस छात्र राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाते हैं। उनका कहना है कि उनका वोट संविधान बचाने के लिए है। आज युवाओं को बेहतर शिक्षा और फिर जीवन यापन के लिए रोजगार चाहिए। शिक्षा भी रोजगारपरक हो तो बेहतर है। शिक्षा के साथ ही हमने देश और प्रदेश के ऐसे संभावित सांसद के नाम वोट दिया है जो संविधान, शिक्षा, रोजगार के साथ ही स्वास्थ्य व्यवस्था को बेहतर बना सके।

जनता से किए वादों को जरूर पूरा करे सरकार

लाइन नंबर 12 बनभूलपुरा में रहने वाले जुनैद खान का मानना है कि मौजूदा राजनीति बहुत बड़े बदलाव के दौर से गुजर रही है। राजनीतिक के मायने बदल चुके हैं, लेकिन नेताओं ने जनता से राजनीति करना नहीं छोड़ा। लोक लुभावन वादे किए जाते हैं और जीतते ही नेता वादे भूल जाते हैं। जबकि राजनीति सियासतदानों से की जानी है। उन्हें एक-दूसरे से जीतना-हारना है, लेकिन असल राजनीति ये नेता जनता से करते हैं, जोकि ठीक नहीं है।

वोट डालने भी नहीं आए हिंसा के बाद भागे कई लोग

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

दहशत

- चुनाव की चहल-पहल के बीच कई घरों पर लटरे रहे ताले
- हिंसा से डरे चार से पांच हजार लोग अब भी बनभूल नहीं लौटे

अमृत विचार : लोकतंत्र में भी बनभूलपुरा का एक हिस्सा कंपनी बाग (मलिक का बगीचा) डर में जी रहा है। पूरे बनभूलपुरा में चुनाव की चहल-पहल थी, लेकिन इस हिस्से में घरों पर ताले लटके थे। इनके मालिक बनभूलपुरा हिंसा के दिन परिवार समेत फरार हुए तो मतदान करने के लिए भी नहीं लौटे। जबकि सिर्फ नैनीताल-ऊधमसिंहनगर संसदीय सीट पर शत-प्रतिशत मतदान के लिए पैसा पानी की तरह बहा दिया गया।

बीती 8 फरवरी को इसी मलिक की बगीचा से हिंसा भड़की थी। हिंसा की शुरुआत तब हुई, जब नगर निगम और प्रशासन की टीम पुलिस की सुरक्षा में बगीचा की जमीन पर बने अवैध अतिक्रमण को ध्वस्त करने गई थी। उपद्रवियों ने पथराव से उपद्रव की शुरुआत की। आगजनी की, गोलियां चलाईं, निजी व सरकारी वाहनों और घरों को फूंका, बनभूलपुरा थाने को आग लगा दिया।

हिंसा के बाद सौ से अधिक लोगों की गिरफ्तारी और बड़ी संख्या में लोग घरों में ताले लगाकर परिवार समेत फरार हो गए। ये सभी घर मलिक का बगीचा के आस-पास हैं। ये संख्या बहुत बड़ी है, जिस पर स्थानीय लोगों का कहना है कि मकान मालिक और किराएदारों को मिलाकर करीब 4 से 6 हजार लोग अब भी बनभूलपुरा लौट कर नहीं आए। हालांकि इतनी बड़ी संख्या की प्रमाणिकता पर संशय है।

बनभूलपुरा के कंपनी बाग (मलिक का बगीचा) क्षेत्र में घरों मे लटके ताले।

शिक्षा, विकास और राष्ट्र हित को दिया पहला वोट

संवाददाता, हल्द्वानी

उत्साह

- पहली बार वोट देने वाले युवाओं में दिखा खासा उत्साह
- वोट की ताकत को लेकर काफी जागरूक दिखे युवा मतदाता

अमृत विचार : लोकतंत्र के महापर्व में शामिल हुए पहले मतदाता बेहद उत्साहित रहे पहला वोट शिक्षा, विकास व राष्ट्र को समर्पित किया।

शुक्रवार को एमबी पीजी कॉलेज में अपना पहला मत देने पहुंचे युवाओं ने राष्ट्र हित को सर्व प्रथम बताया उन्होंने कहा कि युवाओं का पहला वोट केंद्र में एक मजबूत देश हित में काम करने वाली सरकार के गठन के लिया किया गया है जो राष्ट्र की आंतरिक सुरक्षा के साथ ही देश में नए-नए विकाय कार्यों को करें।

लोकतंत्र के महापर्व में शामिल होने पर युवा बेहद उत्साहित हैं। पहला वोट शिक्षा, विकास व राष्ट्र को समर्पित किया।

बोले मतदाता

राष्ट्रहित में लिए जाने वाला फैसला जनता के हित में होना चाहिए। फैसला लेने से पूर्व सरकार को एक बार जनता से भी राय लेनी चाहिए। वहीं देश के विकास में हर मतदाता को जरूर वोट करना चाहिए। **-गुंजन नेगी**, छात्रा

केंद्र में एक मजबूत सरकार निर्माण के लिए मैने अपने मत का उपयोग किया है, जो देश के हित में स्वतंत्र रूप से फैसला ले सके। पूर्व की सरकारों में निर्णय लेने में इच्छाशक्ति की कमी थी। **-कार्तिक**, छात्र

मतदान करने का पहला अवसर प्राप्त हुआ। मतदान केंद्र पर पहुंचकर ईवीएम का बटन दबाने के बाद लोकतंत्र के महापर्व में सहभागिता कर खुद को गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। **-रोहित पंत**

मतदान हर नागरिक का अधिकार होता है। इसलिए सही मत का प्रयोग राष्ट्र हित में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। मैने भी अपने मत का प्रयोग राष्ट्रहित के लिए किया है। **-वंशिका तिवारी**, छात्रा

विकास के साथ ही बेटियों की सुरक्षा व शिक्षा के लिए मेरा पहला वोट समर्पित है, इस लोकतंत्र के महापर्व में शामिल होकर बेहद प्रसन्नता हो रही है। **- श्वेता पंत**, छात्रा

देश के विकास और राष्ट्र के हित में मत का प्रयोग किया है। इस लोकतंत्र के महापर्व में शामिल होने का गौरव प्राप्त हुआ है। इससे बेहद खुशी महसूस हो रही है। **-सारन्य**, छात्र

एमबीपीजी कॉलेज में निरीक्षण करतीं डीएम वंदना सिंह। ● अमृत विचार

डीएम ने बूथों पर परखीं सुरक्षा व अन्य व्यवस्थाएं

हल्द्वानी, अमृत विचार : जिला निर्वाचन अधिकारी/डीएम वंदना सिंह ने शुक्रवार को हल्द्वानी, नैनीताल और लालकुआं के विभिन्न बूथों का निरीक्षण किया। उन्होंने सुरक्षा व मतदान की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। डीएम वंदना ने खालसा बालिका इंटर कॉलेज, पं. केशवदत्त इंटर कॉलेज दमुवाढूंगा, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज बनभूलपुरा, राजकीय प्राथमिक विद्या मंदिर गांधीनगर, शिशु भारती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज गौजाजाली आदि बूथों की चेकिंग की। उन्होंने बूथों पर तैनात पीठासीन अधिकारियों से मॉक पोल स्पष्ट होने की जानकारी ली। उन्होंने मतदाता सूची से ठीक से मिलान करने तथा मतदान समाप्ति के बाद नियमानुसार सीलिंग करने के निर्देश दिए। डीएम ने बूथों पर तैनात बीएलओ को मतदान के लिए आ रहे लोगों खासकर बुजुर्ग, दिव्यांगों की मदद करने के निर्देश दिए। बूथों की सुरक्षा तथा अन्य व्यवस्थाओं पर उन्होंने संतोष जताया। इस दौरान नगर आयुक्त विशाल मिश्रा, सिटी मजिस्ट्रेट एपी वाजपेयी, तहसीलदार सचिन कुमार मौजूद थे।

मतदान केंद्र में व्हीलचेयर ढूंढते रहे बुजुर्ग

लापरवाही

- कई मतदान केन्द्रों पर नहीं मिलीं पर्याप्त सुविधाएं
- कई केन्द्रों के आसपास नियमों का भी होता रहा उल्लंघन

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: मतदान के लिए प्रशासन ने तैयारियों को लेकर कई दावे किए लेकिन मतदान के दिन कुछ मतदान केंद्रों पर मिली कमियों से तैयारियों का पता चल गया। हालांकि कई जगह इंतजाम मजबूत भी किए गए थे लेकिन कुछ कमियां ऐसी रहीं जिस वजह से मतदाताओं को परेशान भी होना पड़ा। परेशान होने वाले मतदाताओं में बुजुर्ग भी शामिल थे। साथ ही कुछ जगह खुलेआम नियमों का उल्लंघन भी किया जा रहा था। जिस पर कार्रवाई होती नहीं देखी गई।

हल्द्वानी बूथों पर मतदान के लिए पैदल आते बुजुर्ग मतदाता। ● अमृत विचार

कमी नंबर 1 राजकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बमौरी में कमरा नंबर एक में सर्वाधिक 43 वृद्ध मतदाताओं की संख्या थी। प्रशासन ने इसे बुजुर्ग बूथ बनाया था। यहां जब तीन से चार लोगों ने मौजूद बीएलओ से पूछा कि क्या बुजुर्गों के लिए व्हीलचेयर की व्यवस्था है तो पता चला कि मतदान केंद्र में व्हीलचेयर ही नहीं है। बीएलओ ने जब सेक्टर मजिस्ट्रेट से पूछा तो उधर निर्देश मिले कि मतदाता से कहो कार से आ जाएं और कार को बूथ तक जाने दिया जाएगा।

कमी नंबर 2 एमबी इंटर कॉलेज में कमरा नंबर एक में सर्वाधिक 42 युवाओं की संख्या थी। प्रशासन ने इसे युवा बूथ बनाया। साथ ही पास ही में एमबीपीजी कॉलेज में कंट्रोल रूम भी मौजूद था। इसके बावजूद एमबी इंटर कॉलेज के सामने महज 50 मीटर की दूरी में खुलेआम गुटका, सिगरेट, तंबाकू जैसे मादक पदार्थ बेचे जा रहे थे। कम से कम प्रशासन ने जिन मतदान केंद्रों को विशेष मतदान केंद्र बनाया था, उसके आसपास नियमों का पूरा पालन होना चाहिए था।

कमी नंबर 3 राजकीय बालिका इंटर कॉलेज बनभूलपुरा को चकाचक बूथ बनाया गया था। यहां एक इलेक्ट्रानिक पंखे को रखा गया था लेकिन पंखे का तार ही टूटा हुआ था। इसी तरह मतदाताओं के पीने के पानी के लिए दो जगह फिल्टर को रखा गया था। अंदर बूथ के पास रखे गए फिल्टर के पास कोई गिलास तक नहीं मौजूद नहीं था। इस मतदान केंद्र में व्हीलचेयर मौजूद थी।

युवाओं के भविष्य के लिए दिया वोट

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: विशिष्ट मतदाताओं को घर पर ही मतदान करने की सुविधा होने के बावजूद अधिकतर बुजुर्गों ने शुक्रवार को मतदान केंद्रों पर आकर वोट किया। ठीक से चल-फिर नहीं पाने के कारण ज्यादातर बुजुर्ग अपने बेटों व बेटियों के साथ मतदान केंद्र पहुंचे। इनमें से ज्यादातर ने कहा कि वे युवाओं के भविष्य के लिए वोट करने आए हैं।

अपने बेटे का हाथ पकड़कर व लाठी के सहारे मतदान केंद्र पहुंची नवाबी रोड निवासी दुर्गा पांडे ने कहा कि हमने जैसे-तैसे अपना जीवन काट लिया, इसलिए युवाओं के अच्छे भविष्य के लिए वोट किया। तिकोनिया निवासी बीरा देवी ने कहा कि बेरोजगारी और महंगाई अहम मुद्दे हैं, आज युवा अपने रोजगार को लेकर चिंतित हैं, मैंने युवाओं के रोजगार के लिए वोट किया।

दुर्गा पांडे।

बीरा देवी।

आशा देवी।

विशन एठानी।

प्रताप जंतवाल।

इसी तरह मल्ला गोरखपुर की आशा देवी ने कहा कि बदलाव और देश की उन्नति के लिए वोट किया। अपने बेटे के साथ आए 97 वर्षीय विशन सिंह ऐठानी ने कहा कि घर पर मतदान करने की सुविधा थी लेकिन मतदान के दिन मतदान केंद्र जाकर वोट करने की इच्छा थी। उन्होंने कहा कि यह लोकतंत्र का सबसे बड़ा त्योहार है, इस दिन का सभी मतदाताओं के लिए खास महत्व है।

जगदम्बा नगर निवासी प्रताप सिंह जंतवाल ने कहा कि रोजगार व महंगाई सबसे बड़ा मुद्दा है। शिक्षित और तकनीकी रूप से दक्ष होने के बाद भी युवा रोजगार के लिए भटक रहे हैं, जिससे वे गलत राह पर चल रहे हैं, जिस पार्टी की भी सरकार बने, उसे सबसे पहले युवाओं के लिए सोचना चाहिए, मैंने युवाओं के रोजगार के लिए वोट दिया है।

आंचल डेयरी के टैंकर ने बुझाई प्यास

हल्द्वानी, अमृत विचार: एमबीपीजी कॉलेज में बने निर्वाचन कार्यालय में शुक्रवार को मतदान के दिन आंचल डेयरी की ओर से करीब 10 हजार लीटर क्षमता वाले टैंकर के माध्यम से ठंडे व स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था की गई थी। इससे गर्मी में मतदाताओं व कर्मचारियों को ठंडा पानी मिलने से राहत मिली।

आंचल के मार्केटिंग प्रभारी संजय भाकुनी ने बताया कि मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए जिले भर में दूध की सभी गाड़ियों में बैनर पोस्टर लगाए गए। साथ ही, दूध की थैलियों पर मतदान करने का संदेश दिया गया। बताया कि जिले की 435 दुग्ध समितियों व सभी कार्यालयों में भी मतदान जरूर करने की शपथ दिलाई गई थी।

मतदान की स्याही का निशान दिखाते करायल जौलसाला के ग्रामीण। ● अमृत विचार

करायल जौलासाल के ग्रामीणों ने किया मतदान

हल्द्वानी, अमृत विचार : कालाढूंगी विधानसभा क्षेत्र के करायल जौलासाल के ग्रामीणों ने भी लोकसभा चुनाव में बढ़-चढ़ कर मतदान किया। इसमें युवा से लेकर बुर्जुग तक शामिल रहे। ग्रामीण निवासी हिमांशु तांगड़ी ने बताया कि पूर्व में यहां के ग्रामीणों ने विगत कई सालों से व्याप्त पानी की समस्या को लेकर चुनाव बहिष्कार करने का फैसला लिया था जिसके बाद प्रशासन व अन्य विभागीय जिम्मेदार गांव में पहुंचकर ग्रामीणों को पानी की समस्या से निजात के लिए लिखित में आश्वासन दिया था। जिसके बाद ग्रामीणों ने चुनाव बहिष्कार का फैसला वापस ले लिया था। इसी क्रम में यहां के ग्रामीणों ने मतदान में बढ़-चढ़ कर प्रतिभाग किया। इस मौके पर राजू, सीमा, ममाता, सीमा बिष्ट, आशा मेहता, गीता जोशी, माध्वी समेत कई लोग मौजूद रहे।

यूएसनगर की नौ विधानसभाओं में 63.03 फीसदी मतदान

1337607 मतदाताओं में से 843153 ने किया मतदान, सुबह सात बजे से सभी 1665 बूथों में मतदान हुआ शुरू, सुरक्षा रही चौकस

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार : लोकसभा चुनाव के लिए शुक्रवार शांतिपूर्ण तरीके से मतदान संपन्न हो गया है। सुबह 7 बजे से मतदान की प्रक्रिया शुरू हुई। सायं पांच तक ऊधमसिंह नगर की नौ विधानसभाओं में 63.03 फीसदी मतदान हुआ। इस दौरान कुल 1337607 मतदाताओं में से 843153 ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इसमें पुरुष मतदाताओं की संख्या 439436 और महिला मतदाताओं की संख्या 403714 है, जबकि तीन थर्ड जेंडरों ने अपना मताधिकार का प्रयोग किया।

ऊधमसिंह नगर में रुद्रपुर, जसपुर, काशीपुर, बाजपुर, गदरपुर, किच्छा, सितारगंज, नानकमत्ता और खटीमा विधानसभाएं शामिल हैं। सुबह 7 बजे से 9 बजे तक सभी विधानसभाओं में 13.48 प्रतिशत मतदान हुआ। इसके बाद मतदान में थोड़ी तेजी आयी और वोटों का प्रतिशत में 1.04 प्रतिशत की वृद्धि हुई यानि 11 बजे तक सभी विधानसभाओं में 28 प्रतिशत तक मतदान हुआ। इसके बाद मतदान में थोड़ी तेजी आयी और एक बजे तक 42 प्रतिशत मतदान हुआ। वहीं एक बजे के बाद मतदान की गति काफी धीमी रही। इस कारण तीन बजे तक 48.82 प्रतिशत मतदान हुआ। वहीं तीन बजे के बाद मतदान केंद्रों में एक बार फिर मतदाताओं की भीड़ नजर आई और 5 बजे तक 59.36 प्रतिशत मतदान हुआ। पांच बजे के बाद उन मतदान केंद्रों पर मतदान हुआ जहां मतदाताओं की संख्या अधिक थी। उन्हें पीठासीन अधिकारी सेक्टर मजिस्ट्रेट, जोनल मजिस्ट्रेट ने पर्ची देकर मतदान कराया। इस दौरान 63.03 फीसदी मतदान हुआ। वहीं देर सायं से पोलिंग पार्टियों के बगवाड़ा मंडी में पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। पुलिस प्रशासन ने अतिसंवेदनशील और संवेदनशील इलाकों में जवानों की तैनाती बहुत सटीक की गई थी। मुस्लिम बाहुल्य इलाके में पंजाब पुलिस और रंपुरा व घनी आबादी वाले ट्रांजिट कैंप में बीएसएफ और आईटीबीपी के सशस्त्र बलों को तैनात किया गया था।

खेड़ा में मतदान के लिए लाइन में इंतजार करतीं मतदाता। ● अमृत विचार

मतदान केंद्रों का निरीक्षण करती पैरामिलिट्री फोर्स। ● अमृत विचार

किस विस में कितना मतदान

विधानसभा	मतदान
जसपुर	60.58
काशीपुर	58.26
बाजपुर	61.37
गदरपुर	67.92
रुद्रपुर	61.63
किच्छा	63.15
सितारगंज	69.00
नानकमत्ता	63.40
खटीमा	64.27
कुल	63.03

(मतदान फीसदी में)

पैरामिलिट्री की टुकड़ियां कर रही थीं गश्त

रुद्रपुर : लोकसभा चुनाव के मतदान को लेकर शुक्रवार की सुबह से ही पुलिस प्रशासन अलर्ट मोड में था। मतदान प्रक्रिया प्रारंभ होते ही तैनात जवानों के अलावा शहरी व ग्रामीण स्तर पर पैरामिलिट्री की कई उड़न दस्तों की टीमें बनाई गई थी। एक ओर जहां एसपी सिटी मनोज कत्याल, एसपी क्राइम चंद्रशेखर घोडके, सीओ सदर निहारिक तोमर, कोतवाल धीरेंद्र कुमार और ट्रांजिट कैंप थानाध्यक्ष भारत सिंह पैरामिलिट्री के जवानों के साथ मतदान केंद्रों का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा ले रहे थे। वहीं एसएसपी मंजूनाथ टीसी और डीएम उदयराज सिंह अधीनस्थों से बार-बार अपडेट लेकर दिशा-निर्देश दे रहे थे।

वोटर को रिझाने के लिए सरस्वती शिशु मंदिर मतदान केंद्र पर बनाया गया आकर्षक गेट।

आकर्षक गेट बनाए

रुद्रपुर : 85 फीसदी मतदान लक्ष्य प्राप्त करने के लिए जिला प्रशासन ने कोई कोर कसर नहीं छोड़ रखी है। ऐसे में ज्यादातर बूथों पर सखी बूथ, युवा बूथ के अलावा मतदान केंद्र के मुख्य द्वार पर आकर्षक गेट बनाया गया। जिस पर लोकतंत्र का आया पर्व, करो मतदान जैसे प्रेरित करने वाले स्लोगन लिखे हुए थे। इसके अलावा कई बूथों के अंदर सेल्फी प्वाइंट भी बनाए गए थे। जहां युवा एवं मतदाता मतदान करने के बाद सेल्फी लेते नजर आए। वहीं इस बार लोगों में मतदान देने के बाद परिवार के साथ सेल्फी लेने का क्रेज भी देखने को मिला।

मतदान देने से वंचित होने पर जानकारी देता दंपति।

ट्रांजिट कैंप में कई लोग मतदान के लिए बूथों के काटते रहे चक्कर

रुद्रपुर : नगर निगम के परिसीमन के कारण कई मतदाताओं को बिना मतदान के ही घर लौटना पड़ा। ट्रांजिट कैंप के रहने वाले दंपत्ति मनोज कुमार व सरिता ने बताया कि पहले वह शिमला बहादुर वार्ड एक में रहते थे और परिसीमन के कारण उनका वार्ड पांच हो गया। वोटर लिस्ट में नाम भी है और फोटो पहचान पत्र होने के बाद भी फुटबॉल मैदान सहित आसपास के बूथों के चक्कर काटकर थक गए, लेकिन उनको बूथ नहीं मिला। इसके अलावा जशोदा देवी ने बताया कि आधार कार्ड होने व वोटर सूची में नाम दर्ज होने के बाद भी जब बूथ पर पहुंची तो वहां मौजूद वोटर सूची में नाम ही नहीं था। पता किया तो बताया कि किसी और बूथ में नाम दर्ज होगा। मतदान के दिन कई ऐसे मतदाता मिले जो परिसीमन होने के कारण वोट देने से वंचित रह गए।

मतदाताओं के साथ डीएम ने खिंचवाई सेल्फी

रुद्रपुर, अमृत विचार : जिला निर्वाचन अधिकारी उदयराज सिंह ने कलेक्ट्रेट परिसर में बने बूथ संख्या 161 में अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इसके बाद बूथ संख्या 162 व 163 का निरीक्षण किया व मतदाताओं के साथ सेल्फी भी ली। उन्होंने बताया कि जनपद की सभी नौ विधानसभाओं में बने 1465 मतदान स्थलों में निर्धारित समय पर मतदान प्रारंभ हो गया था। शुक्रवार को मतदान देने से पूर्व जिला निर्वाचन अधिकारी ने एमसीएमसी, वेबकास्टिंग व जिला निर्वाचन कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया। एमसीएमसी के निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभिन्न चैनलों में चल रहे समाचारों पर पैनी नजर रखने के निर्देश एमसीएमसी कार्मिकों को दिए। वेबकास्टिंग के निरीक्षण के दौरान उन्होंने कहा कि वेब कैमरों को ठीक से संचालित करें। ताकि मतदान प्रक्रिया को सहज देखा जा सके और मतदान की गोपनीयता भी बनी रहे। इसके बाद जिला निर्वाचन अधिकारी ने जिला निर्वाचन कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया और सभी सूचनाओं का संकलन समय से करते हुए आयोग को भिजवाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर वीसी जिला विकास प्राधिकरण अभिषेक रुहेला, नोडल कार्मिक मनीष कुमार, अपर जिलाधिकारी पंकज उपाध्याय, नगर आयुक्त नरेश दुर्गापाल मौजूद रहे।

काशीपुर में शहर से अधिक गांवों के वोटर पहुंचे मतदान करने

- गांव में बनाए गए बूथों पर सुबह से ही लगी रही लंबी लाइनें
- शहर में लाइनों से गुम रहे वोटर, दोपहर में शहर के कई बूथों पर रहा सन्नाटा

राजू वर्मा, काशीपुर

अमृत विचार : लोकसभा चुनाव में मतदान को लेकर शहर से अधिक गांव में उत्साह दिखने को मिला। सुबह सात बजे से ही काशीपुर के विभिन्न गांव के लोग वोट डालने के लिए लाइनों में खड़े नजर आए। हालांकि शहर के बूथों में लाइनों से लोग गुम नजर आए और लोग रूक-रूक कर वोटिंग के लिए बूथों पर पहुंचे। इससे शहर के मतदाताओं को अपनी बारी का इंतजार ही नहीं करना पड़ा।

काशीपुर में 173941 वोटर हैं। शुक्रवार की सुबह 202 बूथों पर मतदाता अपना सांसद चुनने के लिए बूथों पर पहुंचे। प्रतापपुर, गौशाला, धीमरखेड़ा आदि गांव में बनाए गए बूथों पर लोगों ने लाइनों में लगकर मतदान किया। गांव में यह सिलसिला दोपहर तक चला। वहीं सुबह नौ बजे शहर के रोडवेज डिपो में बनाए बूथ, गोविंद बल्लभ इंटर कॉलेज में बनाए गए बूथ, महेशपुरा स्कूल में बनाए गए बूथों व मुख्य बाजार में बनाए गए बूथों पर लाइनें नहीं दिखी।

12 बजे शहर के इन बूथों पर इक्का दुक्का ही लोग वोट डालने के लिए आते रहे। गांव में भी तीन बजे के बाद कम ही मतदाता पहुंचे, लेकिन चार बजे के बाद फिर से गांव का वोटर बाहर निकल कर मतदान स्थल पर पहुंचा। इससे लोकतंत्र के महापर्व पर शहर से अधिक गांव में उत्साह देखने को मिला। वहीं आदर्श व सखी केंद्र में भी लोग पहुंचे। सजावट देखकर काफी उत्सुक देखे गए।

काशीपुर में सुबह सात बजे लाइनों में लगकर वोट डालने का इंतजार करते लोग। ● अमृत विचार

गर्मी से बचने को छाता लेकर आए बुजुर्ग।

कोई छाता लेकर आया, किसी ने पेड़ का लिया सहारा

काशीपुर : लोकसभा चुनाव में वोट डालने आए वोटरों को गर्मी ने खूब सताया। इससे बुजुर्ग व युवा वोटर छाता लेकर बूथों पर पहुंचे। वहीं चुनाव ड्यूटी में लगे सुरक्षा कर्मी पेड़ों की छांव खोजते रहे। बीआरसी समेत कई बूथों पर सुरक्षा कर्मी पेड़ की छांव में खड़े दिखे।

यात्रियों के इंतजार में खड़ी रोडवेज की बसें। ● अमृत विचार

रोडवेज में यात्रियों के इंतजार में खड़ी रहीं बसें

काशीपुर : चुनाव के दिन भी रोडवेज डिपो ने बसों का संचालन करने का निर्णय लिया। शुक्रवार को दर्जनों बसें डिपो परिसर में खड़ी रहीं। एआरएम अनिल सैनी ने बताया कि रुद्रपुर काशीपुर की सवारी ही मिली। अन्य रूटों पर यात्रियों के नहीं मिलने से बसें खड़ी रही। हालांकि शाम के वक्त हरिद्वार, देहरादून के लिए बसें चलाई गई।

पूजा से पहले डाला वोट

काशीपुर : मां बाल सुंदरी देवी मंदिर के मुख्य पंडा विकास अग्निहोत्री ने बताया कि दोपहर में देवी के दर्शन करने लोग आए। बताया कि अन्य दिनों सुबह भीड़ होती है। बताया कि उन्होंने भी लोकतंत्र के महापर्व में आहूति दी है।

शक्तिफार्म में तेज धूप में मतदान केंद्रों के बाहर खड़े मतदाता। ● अमृत विचार

शक्तिफार्म के 45 बूथों पर 80.63 फीसदी मतदान

संवाददाता, शक्तिफार्म

अमृत विचार : लोस चुनाव के लिए शक्तिफार्म के 45 बूथों पर 80.63 फीसदी मतदान हुआ।

महिलाओं, बुजुर्गों और युवकों ने बढ़-चढ़कर मतदान में हिस्सा लिया। मतदान केंद्रों पर अव्यवस्था के चलते लोकतंत्र को मजबूती देने के लिए कतारों में खड़े मतदाताओं को भारी संघर्षों से जूझना पड़ा। तेज तपती धूप में टेंट की व्यवस्था न होने से महिलाएं एवं बुजुर्ग परेशान हुए।

मतदान करना मेरा संवैधानिक अधिकार है। मैंने पूरे जोश और उत्साह के साथ अपने पहले मत का उपयोग किया है। मैंने अपना वोट महिला सुरक्षा, शिक्षा और राष्ट्र निर्माण के लिए डाला है। – **निकिता शील, छात्रा**

आनंदपुर में बीडीसी मेंबर समेत 15 के नाम सूची से कटे

संवाददाता, शांतिपुरी

अमृत विचार : ऊधमसिंह नगर जिले के रुद्रपुर ब्लॉक में किच्छा तहसील के स्वतंत्रता सेनानी ग्राम आनंदपुर में बूथ संख्या 144 में वर्तमान क्षेत्रपंचायत सदस्य समेत गांव के करीब 15 जीवित संभ्रांत नागरिकों के नाम निर्वाचन सूची से काट दिए गए हैं। इसकी जानकारी मतदाताओं को शुक्रवार सुबह मतदान केन्द्र पहुंचकर मिली और उन्हें काफी प्रयासों के बावजूद बगैर मतदान किए ही मायूस होकर घरों को लौटना पड़ा।

शुक्रवार प्रातः मतदान के लिए बूथ पर पहुंचे क्षेत्र पंचायत सदस्य रूबी सिंह के पति राजेश प्रताप समेत बीरेन्द्र, राजकुमार पांडे, नगेन्द्र कुमार, वीरेश्वर सिंह, अरविंद कुमार, रूद्रप्रताप सिंह, सरदार बहादुर सिंह, चरन, सुग्रीव सिंह, पूजा कुशवाहा, अमित कुमार गुप्ता, हल्धर प्रसाद, ब्रहम्म देव व राधा ने निर्वाचन सूची देखी तो उसमें अंकित उनके नाम के ऊपर डिलेटेड प्रिंट किया हुआ था। उन्हें पीठासीन अधिकारी ने वोट डालने से रोक दिया। सूची से गलत तरीके से नामों को हटाने की शिकायत मतदाताओं ने निर्वाचन आयोग व जिला प्रशासन से की। लेकिन समस्या का हल करने के बजाय चुनाव आयोग की टीम ने आकर उनसे औपचारिकता वश प्रार्थना पत्र लिखवाकर ले लिया और उन्हें भविष्य में ऐसी गलतियों को न दोहराने की बात कही।

शांतिपुरी में प्रात :काल मतदान के लिए कतार में खड़े मतदाता। ● अमृत विचार

व्हील चेयर क्रिकेट कप्तान धन सिंह कोरंगा।

शांतिपुरी में शांतिपूर्ण रहा मतदान

शांतिपुरी क्षेत्र में अधिकांश लोग सुबह से ही मतदान के लिए पहुंचना शुरू हो गए थे। यहां जवाहरनगर के चार, शांतिपुरी नंबर एक में एक, खमियां नंबर दो में दो, शांतिपुरी नंबर तीन में एक, खमियां नंबर चार में दो, व रजपुरा के दो मतदान केन्द्रों पर शांतिपुर्ण मतदान हुआ। जिसमें महिला, पुरूष, बुजुर्गों व दिव्यांगों समेत नए वोटरों ने मतदान में रुचि दिखाई।

मैंने राष्ट्र की मजबूती व देश के सर्वांगीण विकास के लिए उत्साहपूर्वक मतदान किया है। मुझे विश्वास है कि हमारी चुनी हुई सरकार व्हीलचेयर क्रिकेट को ऊंचाइयों तक ले जाने में मददगार साबित होगी। – **धनसिंह कोरंगा**, अर्न्तराष्ट्रीय व्हील चेयर क्रिकेट कप्तान।

मुझे अपने देश की सरकार चुनने का पहली बार मौका मिला। मैंने पूरे उत्साह के साथ मतदान किया है। मुझे विश्वास है कि मेरी चुनी हुई सरकार युवाओं के लिए रोजगार लेकर आयेगी। – **सलोनी रौतेला शांतिपुरी।**

ग्राम आनंदपुर के बूथ नंबर 144 में नाम कट जाने के कारण बिना मतदान लौटते मतदाता।

90 वर्ष की बुजुर्ग महिला ने किया मतदान

शक्तिफार्म : छड़ी के सहारे मतदान केंद्र पहुंची 90 वर्षीय मधुबाला अधिकारी और देवी रानी ने देश के लोकतांत्रिक महापर्व में भाग लिया। उन्होंने अपने मताधिकार का प्रयोग कर अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया।

114 वर्षीय हमीदन ने किया मतदान

खटीमा। नगर पालिका वार्ड संख्या तीन निवासी 114 वर्षीय हमीदन ने थारू राजकीय इंटर कॉलेज के बूथ पर अपना मतदान किया। हमीदन को उनके पौत्र असलम अंसारी ने गोद में उठाकर बूथ तक पहुंचाया। असलम ने बताया कि उनकी दादी हर चुनाव में अपने मत का उपयोग करती हैं।

खटीमा में हमीदन को वोट डलवाने ले जाते उनके पौत्र असलम अंसारी।

बूथों पर पानी के लिए तरसे कर्मी, मतदाता भी हुए परेशान

काशीपुर : गांव व शहर में बनाए गए कई बूथों पर पानी की दिक्कतें अधिक रही। इससे मतदान ड्यूटी में लगे कर्मचारी पानी की बोलतें खरीदकर पीते दिखे। शुक्रवार को 202 बूथों पर कई कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई थी। रोडवेज में बने दो बूथों पर सुबह से ही लोग आने लगे थे। दोपहर में गर्मी होने से मतदाता पानी की तलाश करते दिखे।

मतदान के बाद बूथ-दर- बूथ घूमते रहे उपनेता प्रतिपक्ष भुवन कापड़ी

संवाददाता, खटीमा

भुवन कापड़ी।

अमृत विचार : उपनेता प्रतिपक्ष एवं विधायक भुवन कापड़ी और कविता कापड़ी ने घर के मंदिर में पूजा अर्चना कर माता का आशीर्वाद ग्रहण किया। बाद में उन्होंने आश्रम पद्धति के बूथ पर पहुंचकर मतदान किया। उन्होंने मतदाताओं से बूथ पर पहुंचकर अवश्य मतदान करने की अपील की। शाम को उन्होंने बताया कि पूरे दिन बूथों पर ही दौड़ भाग रही है।

लोकतंत्र की मजबूती के लिए बढ़-चढ़कर डाले गए वोट

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार : नैनीताल लोकसभा के बसपा प्रत्याशी अख्तर अली माहीगीर ने काशीपुर के मोहल्ला मछली बाजार बॉसफोडान में लालबहादुर शास्त्री स्कूल में बूथ में वोट डाला।

पूर्व विधायक हरभजन सिंह चीमा ने बीआरसी में बने बूथ में जाकर अपना वोट डाला। वहीं निर्वतमान मेयर ऊषा चौधरी ने इंदिरा गांधी स्कूल में जाकर मतदान किया। समाजसेवी सुरेश शर्मा, राष्ट्रीय सेवा योजना जिला समन्वयक धर्मेंद्र सिंह बसेड़ा और कार्यक्रम अधिकारी गिरीश शर्मा चैती मंदिर के मुख्य पंडा विकास अग्निहोत्री ने भी मतदान किया।

सुरेश शर्मा। धर्मेंद्र बसेड़ा। ऊषा चौधरी। अख्तर अली। विकास अग्निहोत्री।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित
कुमाऊं संस्करण
स्मृतियाँ शेष
निधन | अंतिम यात्रा | पुण्यतिथि
पीपलपानी | स्मृतियां | उठावनी | पगड़ी
अमृत विचार
साइज व रेट
साइज --------5cmX8cm / 1000 with GST
साइज -------10cmX8cm / 1800 with GST
साइज -------15cmX8cm / 2500 with GST
अन्य साइज कलर 25 रुपए प्रति वर्ग सेमी.।
शोक संदेश प्रकाशित कराने हेतु सम्पर्क करें :-
हल्द्वानी : 8077909468, 8954474523, नैनीताल : 8171371321
अल्मोड़ा : 9412962333, रुद्रपुर : 8476843488
काशीपुर : 8279474121, खटीमा : 7500981690
197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड (बालाजी हॉस्पिटल के ठीक सामने)

अर्जुनपुर में मतदान का बहिष्कार कर रहे ग्रामीणों को समझाती पुलिस। ● अमृत विचार

गूलरभोज के कोपा बसंता में मतदाताओं को समझाते विधायक के पुत्र अतुल पांडेय।

'रोड नहीं तो वोट नहीं' नारे के साथ मतदान का बहिष्कार

मौके पर पहुंची पुलिस, दौड़े-दौड़े आए विधायक पांडे, नहीं माने ग्रामीण, मतदान का बहिष्कार के कारण पोलिंग बूथ रहे सूनसान

आक्रोश

संवाददाता, रुद्रपुर

1400 परिवार रहते हैं गांव में, आज तक कोई पहल नहीं हुई, लोकसभा चुनाव को लेकर मतदान शुरू हुआ तो गांव के लोग एकत्रित होकर करने लगे प्रदर्शन

01 बजे दोपहर तक महज 25 से 30 ही वोट पड़ पाए थे, इस दौरान ग्रामीणों ने संकल्प लिया कि सड़क नहीं बनने तक किसी भी चुनाव में मतदान नहीं करेंगे

अमृत विचार: रोड नहीं तो वोट नहीं, नारे के साथ गांव अर्जुनपुर के ग्रामीणों ने मतदान का बहिष्कार कर दिया। इसकी सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया और एसएसआई पुलिस बल के साथ गांव पहुंचे। जहां ग्रामीणों व पुलिस के बीच नोकझोंक भी हुई। बहिष्कार की भनक लगते ही विधायक अरविंद पांडेय भी मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया। बावजूद ग्रामीणों ने मतदान का बहिष्कार जारी रखा। इस कारण गांव के पोलिंग बूथ सुनसान रहे।

गदरपुर विधानसभा में गांव अर्जुनपुर आता है। इस गांव में 1400 के करीब परिवार रहते हैं। बताया जा रहा है कि पीडब्ल्यूडी से गांव का मुख्य मार्ग बनना था। इसकी हालत बेहद खराब है। ग्रामीणों का कहना था कि सड़क को लेकर कई बार विभाग व स्थानीय विधायक को अवगत कराया था। बावजूद आज तक कोई पहल नहीं हुई। शुक्रवार को लोकसभा चुनाव को लेकर मतदान शुरू हुआ तो गांव के लोग एकत्रित होकर प्रदर्शन करने लगे और रोड नहीं तो वोट नहीं के नारे लगाने लगे।

इसकी सूचना मिलते ही एसएसआई केसी आर्या पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों को काफी समझाने का प्रयास किया, लेकिन वे नहीं माने। इस बीच पुलिस व ग्रामीणों के बीच नोकझोंक भी हुई। ग्रामीणों के नाराज होने की जानकारी मिलते ही विधायक अरविंद पांडेय भी मौके पर पहुंचे और जल्द सड़क बनाने का आश्वासन देने लगे। आश्वासन को ग्रामीणों ने ठुकरा दिया और वोट का बहिष्कार जारी रखा। आखिरकार विधायक और पुलिस को लौटना पड़ा। हालांकि इस दौरान विधायक समर्थकों ने वोट डलवाने का भरकस प्रयास किया। बावजूद दोपहर एक बजे तक महज 25 से 30 ही वोट पड़ पाए थे। इस दौरान ग्रामीणों ने संकल्प लिया कि सड़क नहीं बनने तक किसी भी चुनाव में मतदान नहीं करेंगे।

सुनसान पड़ा गांव अर्जुनपुर का मतदान केंद्र। ● अमृत विचार

गूलरभोज के राजकीय प्राथमिक विद्यालय कोपा बसंता में सूना पड़ा पोलिंग बूथ।

गूलरभोज में भी सड़क के लिए नहीं डाला वोट

संवाददाता, गूलरभोज

लामबंद

- गूलरभोज के राजकीय प्राथमिक विद्यालय कोपा बसंता के बूथ संख्या-15 में नहीं हुआ मतदान
- तहसीलदार, वनक्षेत्राधिकारी व विधायक पुत्र के आश्वासन के बाद भी नहीं माने मतदाता

अमृत विचार : गदरपुर विधानसभा के राजकीय प्राथमिक विद्यालय कोपा बसंता में मतदान के लिए बने बूथ संख्या-15 में मतदाताओं ने सड़क की मांग को लेकर प्रदर्शन करते हुए मतदान नहीं किया। सूचना मिलने पर तहसीलदार, वनक्षेत्राधिकारी, खंड विकास अधिकारी व विधायक के पुत्र मौके पर पहुंचे। मतदाताओं का आरोप था कि लंबे समय से सड़क की मांग को लेकर ग्रामीण लामबंद हैं। लेकिन शासन व प्रशासन उनकी मांगों को दरकिनार कर देता है।

शुक्रवार को गदरपुर विधानसभा क्षेत्र के राजकीय प्राथमिक विद्यालय कोपा बसंता में बने बूथ संख्या 15 में ग्राम मुनस्यारी कोपा, नया प्लांट, कोपा बसंता, सीमलचौड व कटपुलिया के 831 मतदाताओं ने सड़क निर्माण न होने के विरोध में मतदान नहीं किया। पोलिंग की टीम ने प्रातः 7 बजे मतदान की प्रक्रिया शुरू की तो ग्रामीण मतदान केंद्र के बाहर एकत्र होकर प्रदर्शन करने लगे। उन्होंने 'सड़क नहीं तो मतदान नहीं' को लेकर नारेबाजी की। सूचना पर तहसीलदार लीना चंद्रा, गदरपुर थानाध्यक्ष जसवीर सिंह चौहान, वनाक्षेत्राधिकारी रूपनारायण गौतम व विधायक अरविंद पांडेय के पुत्र अतुल पांडेय मौके पर पहुंचे। अधिकारियों के काफी समझाने के बाद मतदाता नहीं माने। ग्रामीणों का कहना था कि उच्चाधिकारी द्वारा लिखित रूप से सड़क निर्माण का आश्वासन देने पर ही मतदान करेंगे। दिनभर मतदान स्थल सूना पड़ा रहा। सायं 4 बजे विधायक अरविंद पांडेय स्वयं मतदान स्थल पहुंचे उन्होंने ग्रामीणों को काफी समझाते हुए कहा कि आप लोगों की मांग जायज है। कुछ तकनीकी कमी के चलते मार्ग निर्माण नहीं हो पा रहा है। इसके लिए वह अपनी तरफ से आप लोगों का पूर्ण सहयोग करेंगे। लेकिन इसके बाद भी ग्रामीण अड़े रहे और मतदान स्थल नहीं गए। पोलिंग बूथ टीम को बैरंग लौटना पड़ा।

ग्रामीणों से वार्ता करने वालों में खंड विकास अधिकारी कुंदन सिंह बिष्ट, पुलिस चौकी प्रभारी गणेश दत्त भट्ट, नपं पूर्व प्रतिनिधि तरुण दुबे, राजस्व निरीक्षक विजय गुप्ता आदि मौजूद थे।

दो अधिकारियों की ड्यूटी के दौरान हालत बिगड़ी

किच्छा में मतदान अधिकारी हरेंद्र प्रसाद से जानकारी लेते स्वास्थ्य कर्मी।

संवाददाता, किच्छा

हड़कंप

- घटना के बाद पोलिंग बूथ पर मचा हड़कंप
- एसडीएम के निर्देश पर एंबुलेंस लेकर पहुंची स्वास्थ्य टीम

अमृत विचार: नगर के दो अलग-अलग क्षेत्र में पोलिंग बूथ पर चुनाव ड्यूटी कर रहे मतदान एवं पीठासीन अधिकारी का स्वास्थ्य अचानक खराब हो गया। घटना के बाद पोलिंग बूथ पर हड़कंप मच गया। बेहोशी की हालत में एक कर्मचारी को एम्बुलेंस तथा दूसरे अधिकारी को किच्छा के सरकारी अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को गंभीर अवस्था में जिला चिकित्सालय हायर सेंटर रेफर कर दिया।

ग्राम बंडिया स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय के बूथ संख्या 55 पर तैनात मतदान अधिकारी हरेंद्र प्रसाद ड्यूटी के दौरान अचानक बेहोश होकर कुर्सी से नीचे गिर गए। मामले की सूचना मिलते ही उपजिलाधिकारी कौस्तुभ मिश्रा के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग की टीम एंबुलेंस लेकर तुरंत पोलिंग बूथ पर पहुंच गई और मतदान अधिकारी हरेंद्र प्रसाद को नगर स्थित सरदार बल्लभभाई पटेल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। सरकारी अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद हरेंद्र प्रसाद को एंबुलेंस के माध्यम से हायर सेंटर जिला चिकित्सालय रुद्रपुर भेजा गया। अन्य मामले में नगर के बरेली मार्ग स्थित राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के बूथ संख्या 84 पर चुनाव ड्यूटी कर रहे पीठासीन अधिकारी विपुल कुमार की तबीयत बिगड़ गई। कुछ देर उल्टियां करने के बाद विपुल कुमार बेहोश हो गए। मौके पर मौजूद अन्य कर्मचारियों ने उन्हें इलाज के लिए तुरंत नगर स्थित सरकारी अस्पताल पहुंचाया। मामले की सूचना पर विपुल कुमार के परिजन भी किच्छा पहुंच गए। रेफर किए जाने के पश्चात परिजन उन्हें एंबुलेंस के माध्यम से हायर सेंटर रुद्रपुर ले गए।

बाजपुर में भी बिगड़ी मतदान अधिकारी की हालत

बाजपुर : इंटर कॉलेज बाजपुर में मतदान करवाने के लिए टीम के साथ पहुंचे मतदान अधिकारी रुद्रपुर निवासी राजेश कुमार की गुरुवार की देर रात करीब साढ़े 10 बजे तबीयत खराब हो गई। सूचना पर पहुंची 108 एंबुलेंस वाहन सेवा के जरिये उन्हें उपजिला चिकित्सालय पहुंचाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार देकर चिकित्सकों ने रेफर किर दिया। बताया गया कि राजेश को खून की उल्टी आ गई थीं। वहीं चुनाव प्रभावित न हो इसके लिए राकेश कुमार की जगह दूसरे कर्मचारी को तैनात कर दिया गया।

वोट डालने का वीडियो किया सोशल मीडिया पर वायरल

काशीपुर : कुंडा थाना क्षेत्र के ग्राम लालपुर में एक युवक द्वारा मतदान का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। जानकारी होने पर पुलिस ने आरोपी को हिरासत के लेकर वीडियो डिलीट कराया। इस मामले में विधिक कार्रवाई की जा रही है। काशीपुर के कुंडा थाना क्षेत्र के ग्राम लालपुर निवासी फरमान ने लोकसभा चुनाव में वोट डालते समय अपना एक वीडियो फेसबुक पर अपलोड कर दिया। इसके बाद हरकत में आई कुंडा थाना पुलिस ने फरमान को हिरासत में ले लिया। थाना प्रभारी विक्रम राठौड़ ने बताया कि उसके फेसबुक अकाउंट पर अपलोड की गई पोस्ट डिलीट करवा दी गई है। मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

काशीपुर में वोटर लिस्ट में नाम नहीं होने के बाद शिकायत करते मतदाता।

गणना कार्ड में नाम अंकित, वोटर लिस्ट में डिलीट

काशीपुर : मतदान केंद्रों पर पहुंचे मतदाताओं को वोटर लिस्ट में से नाम डिलीट होने पर मायूसी हाथ लगी और उन्हे बिना वोट डाले वापस लौटना पड़ा। जिसको लेकर उनकी केंद्र पर मौजूद बीएलओ से बहस भी हुई। शुक्रवार को सुबह 11.30 बजे करीब रजवाणा पक्का कोट निवासी नितिन कुमार अपनी पत्नी अनामिका के साथ गुरु नानक कन्या इंटर कॉलेज में बने मतदान केंद्र पर वोट डालने पहुंचे। जहां उनकी पत्नी का वोटर लिस्ट में नाम था, लेकिन उनका नाम वोटर लिस्ट में डिलीट दिखा रहा था। जिससे वह वोट डालने से वंचित रहे गये। जिसको लेकर उन्होंने वहां मौजूद बीएलओ से शिकायत की। जो बाद में बहस में भी बदल गई। नितिन कुमार का कहना था कि निर्वाचक गणना कार्ड में उनका नाम अंकित है, लेकिन आज वोटर लिस्ट में नाम डिलीट दिखा रहा है। उन्होंने बताया कि ऐसे कई अन्य लोगों के नाम भी वोटर लिस्ट में डिलीट दिखा रहे है। जिससे वह और अन्य लोग भी वोट नहीं डाल पाये। इस दौरान मौके पर पहुंचे भाजपा नेता राम मेहरोत्रा ने भी इस पर नाराजगी जताई।

बूथ पर हंगामा, पीठासीन अधिकारी बदला

विरोध

- खड़कपुर के एक बूथ पर गुरुवार की रात हंगामा, अधिकारी बदलने के बाद काम पर लगे कर्मी

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार : खड़कपुर देवीपुरा के एक बूथ पर चुनाव ड्यूटी में कार्यों को लेकर हंगामा हो गया। आरोप है कि पीठासीन अधिकारी ने किसी भी कर्मचारियों को कार्य करने से मना कर दिया। इससे तहसीलदार को बूथ पर पहुंचना पड़ गया। पीठासीन अधिकारी बदलने के बाद वोट डाले गए।

गुरुवार की देर शाम ही पोलिंग पार्टियां और सुरक्षा कर्मी बूथों पर पहुंच गए थे। पीठासीन अधिकारियों ने पोलिंग पार्टियों को मतदान के संबंध में काम बताना शुरू कर दिया था। बताया कि खड़कपुर देवीपुरा के एक बूथ पर कार्य को लेकर एक अधिकारी ने हंगामा कर दिया। इतना ही नहीं, डीएम के आदेश दिखाते हुए कार्यों के वितरण पर हस्तक्षेप करने लगा। इससे गुरुवार की देर रात बूथ पर हंगामा हो गया। कर्मी व पोलिंग पार्टियों का कार्य प्रभावित होने की आशंका होने लगी। बताया कि तहसील पंकज चंदोला मौके पर पहुंचे और मामला शांत कराया। मान मनोव्वल के साथ किसी दूसरे को पीठासीन अधिकारी की जिम्मेदारी दी गई। तब जाकर शुक्रवार की सुबह बूथ पर लोग मतदान को आए। तहसीलदार ने बताया कि हंगामा शांत करा दिया गया था।

काशीपुर के नीझड़ा बूथ पर मोबाइल को लेकर सुरक्षा कर्मी से हंगामा करता युवक।

फोन को लेकर सुरक्षा कर्मी से भिड़ा युवक

काशीपुर : नीझड़ा बूथ पर एक युवक मतदान केंद्र के अंदर फोन ले जाने पर अड़ गया। सुरक्षा कर्मी ने जब युवक से मोबाइल फोन नहीं ले जाने की बात कही तो युवक व सुरक्षा कर्मी में तीखी झड़प हो गई। हालांकि बाद में अन्य लोगों के हस्तक्षेप पर युवक बूथ के बाहर किसी को मोबाइल देकर वोट डालने के लिए अंदर गया।

खटीमा में 3 सीयू, 3 बीयू सात वीवीपैट मशीनें खराब

खटीमा में लगी मतदाताओं की कतारें। ● अमृत विचार

खटीमा: लोकसभा चुनाव में तीन कंट्रोल यूनिट, तीन बैलेट यूनिट और सात वीवीपैट मशीनें खराब हो गई। जिन बूथों पर खराबी की शिकायतें आई थी उनमें बूथ संख्या 67, 39, 111, 92, 85, 88, 101, 67, 90 और 49 शामिल हैं। जिन्हें सहायक निर्वाचन अधिकारी एसडीएम रविंद्र सिंह बिष्ट ने समय रहते बदल दिया। मतदान से पूर्व मॉक पोल करते समय ही दो सीयू और चार वीवीपैट मशीनें खराब हो गई थी। जबकि अन्य मशीनें मतदान के दौरान खराब हुई।

गदरपुर में आधे घंटे मतदान बाधित

संवाददाता, गदरपुर

अमृत विचार: लोकसभा चुनाव में नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में मतदान शांतिपूर्वक रहा। इस दौरान राजकीय कन्या इंटर कॉलेज के बूथ नंबर 57 एवं 62 में मशीन खराब होने की वजह से करीब आधा घंटा मतदान रुका रहा।

शुक्रवार को नैनीताल-उधम सिंह नगर लोकसभा चुनाव के लिए मतदान सुबह सात बजे से प्रारम्भ हुआ। नगर में चार मतदान केन्द्रों में 15 बूथ बनाये गये। जिसमें ब्लाक कार्यालय मतदान केन्द्र में एक बूथ 113 बनाया जिसमें 635 मतदाताओं में से 478 लोगों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। प्राथमिक विद्यालय गदरपुर मतदान केन्द्र पर पांच बूथ बनाए गए। बूथ नंबर 65 में 458 में 444, बूथ 66 में 454 में 486, बूथ 67 में 1403 में 815, बूथ 68 में 683 में 450 व बूथ 69 में 673 में 428 सहित 8271 में 2623 लोगों ने मताधिकार का प्रयोग किया। वहीं राजकीय कन्या इंटर कालेज मतदान केन्द्र में 6 बूथ बनाये गये। बूथ नं 57 में 998 में 742, बूथ 58 में 690 में 425, बूथ 59 में 1180 मे 891, बूथ नंबर 60 में 1282 में 852, बूथ नंबर 61 में 972 में 638, बूथ नंबर 62 में 1185 में 816 सहित कुल 6303 में से 3726 लोगों ने मताधिकार का प्रयोग किया। इस मतदान केन्द्र के बूथ नंबर 57 एवं बूथ नंबर 62 में मशीन खराब होने से करीब आधे घंटे तक मतदान बाधित रहा।

गदरपुर में मतदान के लिए जाते 92 वर्ष के बुजुर्ग। ● अमृत विचार

बाधा — रोडवेज में बनाए गए बूथ संख्या 55 में 40 मिनट तक लोग वोट डालने का करते रहे इंतजार, चार बूथों पर 15 से 20 मिनट में नई मशीनें लगाईं

काशीपुर में सात जगहों पर ईवीएम हो गईं खराब

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार : मतदान के लिए ईवीएम मशीन खराब होने से मतदाताओं को कई मिनटों तक इंतजार करना पड़ा। रोडवेज समेत सात बूथों में ईवीएम खराब हो गई। हालांकि बाद में नई ईवीएम मंगवाकर वोट डलवाए गए।

शुक्रवार को रोडवेज में बनाए गए बूथ संख्या 55 में 12:20 मिनट पर ईवीएम मशीन खराब हो गई। इससे महिला व दर्जनों पुरुष बूथ के बाहर ही खड़े रहे। 1:04 मिनट पर नई ईवीएम लगाई गई। तब जाकर लोगों ने लाइनों में लग कर मतदान किया। वहीं शहर के अन्य चार बूथों में भी ईवीएम खराब होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

नई ईवीएम मशीन लेकर आता कर्मी।

दिनेशपुर में पोलिंग बूथ संख्या- 47 में मतदान कर खुश नजर आए वृद्ध महिलाएं।

दिनेशपुर में ईवीएम खराब होने से आधे घंटे देरी से शुरू हुआ मतदान

दिनेशपुर : गदरपुर 65 विधानसभा क्षेत्र के पोलिंग बूथ संख्या- 47 में मतदान शुरू होते ही ईवीएम चालू न होने पर आधे घंटे बाद दूसरी ईवीएम से मतदान शुरू हुआ। लेकिन मतदाताओं में उत्साह देखा गया।शुक्रवार को नैनीताल- उधमसिंह नगर लोकसभा चुनाव में 65 गदरपुर विधानसभा के पोलिंग बूथ संख्या- 47 प्राथमिक विद्यालय चरनपुर में पीठासीन अधिकारी मिनती विश्वास ने प्रात : 7 बजे मतदान शुरू करवाया। मतदान शुरू होते ही ईवीएम चालू न होने पर उन्होंने इसकी सूचना तत्काल सेक्टर मजिस्ट्रेट जीशान मलिक को दी। टेक्नीशियन द्वारा ईवीएम खराब बताने पर आधा घंटे बाद दूसरी ईवीएम चालू कर मतदान शुरू करवाया। मतदान करने आयी 92 वर्षीय धनुली देवी, 82देबुली देवी, 80 वर्षीय जसोदा देवी व तुलसी देवी मतदान कर उत्साहित नजर आयी।

जनता इंटर कॉलेज में ईवीएम खराब, आधे घंटे तक प्रभावित रहा मतदान

रुद्रपुर : जनता इंटर कॉलेज में बने बूथ संख्या तीन में ईवीएम मशीन खराब होने पर करीब आधा घंटा तक मतदान प्रभावित रहा। जानकारी मिलने पर एसएसपी मंजूनाथ टीसी बूथ पर पहुंचे और मतदाताओं को कहा कि थोड़ा धैर्य रखें जल्द ही मशीन को बदल दिया जाएगा। इस दौरान एसएसपी ने लाइन में लगे मतदाताओं को वहीं बैठा दिया और गर्मी से राहत दिलाने के लिए जूस और पानी वितरित किया। उन्होंने कहा कि मशीन बदलने में जो समय लगा है उसे मतदाताओं को अतिरिक्त दिया जाएगा।

लोकतंत्र के पर्व में बुजुर्ग व युवा वोटर में दिखा उत्साह

नैनीताल-ऊधमसिंह नगर लोकसभा सीट पर मतदान करने से बढ़ती उम्र भी नहीं रोक पाई कदम, दूसरों को भी मतदान के लिए प्रेरित किया

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार : लोकसभा चुनाव में मतदान को लेकर जितना प्रशासन सक्रिय दिखा उससे ज्यादा उत्साह युवा, महिलाओं और बुजुर्गों में देखने को मिला। खासकर पहली बार मतदान करने वाले युवाओं में अधिक जोश रहा। लोकतंत्र के महाकुंभ में मताधिकार का प्रयोग कर मतदाताओं ने खुशी जताई।

शुक्रवार की सुबह होते ही नैनीताल-ऊधमसिंह नगर लोकसभा चुनाव में मतदान करने के लिए बुजुर्गों की बढ़ती उम्र भी उनके कदम नहीं रोक पाई। लाठी या दूसरे का सहारा लेकर बुजुर्ग मतदाता अपने-अपने मतदान केंद्रों में पहुंचे। वे दूसरों को भी मतदान करने के लिए प्रेरित कर रहे थे।

इस दौरान 95 वर्षीय बुजुर्ग महिला तरन गिनी मंडल ने बताया कि कितने क्रांतिकारियों ने अपनी शहादत देकर देश में लोकतंत्र को बहाल किया और बाबा भीमराव आंबेडकर ने संविधान की रचना कर लोगों को वोट देने का अधिकार दिया। दूति देवी ने बताया कि चुनाव लोकतांत्रिक अधिकार है और लोगों को देश की सरकार कैसी होनी चाहिए, इसका निर्णय मताधिकार से करना चाहिए।

सहारा लेकर मतदान केंद्र पर आती बुजुर्ग महिला मतदाता। ● अमृत विचार

लाठी के सहारे मतदान केंद्र पहुंची बुजुर्ग।

क्या बोले युवा मतदाता

पहली बार मतदान को लेकर काफी उत्साह है और युवा वर्ग चाहता है कि केंद्र की सरकार ऐसी होनी चाहिए जो सभी वर्गों के उत्थान के साथ ही युवाओं के भविष्य का निर्धारण करे। वर्तमान में शिक्षित बेरोजगारों को रोजगार के अवसर प्रदान किए जाएं। कारण युवा देश की आधारशिला होते हैं। आधारशिला मजबूत होगी तो लोकतंत्र मजबूत होगा। **-नमन आर्या**, युवा मतदाता

मैं एक खिलाड़ी हूं और कई बार प्रदेश का प्रतिनिधित्व कर चुकी हूं। उत्तराखंड में खिलाड़ियों के लिए बेहतर योजनाएं संचालित नहीं हैं। आर्थिक तंगी के कारण मीडिल क्लास के खिलाड़ियों की प्रतिभा दबकर रह जाती है। ऐसे में देश की सरकार ऐसी होनी चाहिए जो युवाओं को प्रोत्साहित करे। **-प्रगति दुम्का**, युवा मतदाता

हमारे देश की सरकार ऐसी होनी चाहिए। जो दुर्गम या अति दुर्गम इलाकों का सर्वे कराकर युवा पीढ़ी को चिह्नित करे। इसमें बालिकाओं को बढ़ावा देना चाहिए। आज भी विषम परिस्थितियों में देश-प्रदेश की बेटियां समाज कुरीतियों का सामना कर रही हैं और आत्महत्या जैसे कदम उठा रही हैं। योजनाओं को पारदर्शी तरीके से धरातल पर उतारने वाली सरकार होनी चाहिए। **-सलोनी कक्कड़**, युवा मतदाता

गरीब व सामान्य परिवार की युवा पीढ़ी महंगी शिक्षा होने के कारण इससे वंचित रह जाती है। जिस कारण युवा पीढ़ी का उत्साह समाप्त हो जाता है। हमारी सरकार ऐसी होनी चाहिए, जो शिक्षा व्यवस्था को सुगम बनाकर बढ़ावा दे। वर्तमान की युवा पीढ़ी में जज्बा है, मगर व्यवस्था लचर है। व्यवस्था को सुधारने वाली सरकार होनी चाहिए। **- कृष्णिका सिंह**, युवा मतदाता

शादी होने के बाद महिलाओं पर परिवार चलाने का बोझ बढ़ जाता है। ऐसे में हमारी सरकार ऐसी होनी चाहिए कि जो महंगाई पर नियंत्रण कर उनके बोझ को कम कर सके। वहीं सरकार को सभी वर्गों को ध्यान में रखते हुए विकास का खाका तैयार करना चाहिए, क्योंकि आज भी कई वार्ड ऐसे हैं, जो विकास से कोसो दूर हैं और विषम परिस्थितियों में जीने को विवश हैं। **-सुनीता वैद्य**, युवा मतदाता

पांच साल बाद आने वाले चुनाव हर वर्ग के लोगों को सपने देखने को मजबूर करते हैं। देश-प्रदेश की जनता सरकार की योजनाओं से अनभिज्ञ होती है। सरकार को सरकारी सिस्टम को इतना बेहतर बनाने का प्रयास करना चाहिए कि इसका लाभ पात्रों को ही मिले। हमारी सरकार विकासपरक और राष्ट्रहित की सोच रखने वाली हो। **-सुमन मंडल**, युवा मतदाता

लाठियों के सहारे बूथों तक पहुंचे बुजुर्ग

काशीपुर : गांव व शहर में बनाए गए बूथों पर बुजुर्ग मतदाता भी वोट डालने के लिए पहुंचे। सुबह सात बजे से घरों से निकले मतदाता शाम पांच बजे तक बूथों पर मतदान के लिए आए। इस बीच वार्ड नंबर 40 और बीआरसी बूथ पर कई बुजुर्ग लाठियों के सहारा लेकर वोट डालने पहुंचे। वहां पर मौजूदा सुरक्षा कर्मियों ने सुविधा के साथ बुजुर्गों का वोट डलवाया।

काशीपुर में पहली बार मतदान के बाद सेल्फी लेतीं युवतियां। ● अमृत विचार

पहली बार मतदान करने वाले युवाओं में रहा उत्साह

काशीपुर : लोकसभा चुनाव में पहली बार वोट डालने वाले युवाओं में गजब का उत्साह देखने को मिला। अपने मताधिकार का प्रयोग कर युवा खुश नजर आए और अपनी अंगुली पर लगे अमिट स्याही के निशान के साथ सेल्फी लेते दिखे। जिसे उन्होंने सोशल मीडिया पर शेयर कर मतदान को लेकर अपनी खुशी का इजहार किया।शुक्रवार को सुबह से ही पहली बार मतदान करने वाले युवा लाइन में बड़े जोश के साथ खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार करते दिखे और पहली बार मतदान को अपनी जिंदगी का खास पल बताया।

पहली बार मतदान कर अच्छा लग रहा है। सशक्त व मजबूत सरकार के लिए अपने हिसाब से वोट किया है। पहली बार वोट डालने की खबर सोशल मीडिया पर शेयर भी की है। **-रिया वेदी**, छात्रा

पहली बार मतदान को लेकर मै काफी उत्साहित हूं। शिक्षा और मजबूत सरकार के लिए मेरा पहला वोट था। उम्मीद है सरकार बनने में मेरे वोट भी अहम होगा। **- सिमरन**, छात्रा

काशीपुर में वोट डालने जाती बुजुर्ग।

मैंने पहली बार अपने मताधिकार का प्रयोग किया है। अंगुली पर चुनाव का स्याही का निशान देखकर ज्यादा खुशी हो रही है। **- सुहाना**, छात्रा

दीक्षा ने विदाई और अंशुल ने गृह प्रवेश से पहले डाला वोट

बूथ पर अपनी पत्नी को वोट दिलाने के लिए ले जाता अंशुल। ● अमृत विचार

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: लोकतंत्र के महापर्व में आहूति देने में दुल्हा दुल्हन भी आगे रहे। नवविवाहिता ने विदाई से पहले परिवार के साथ वोट डाला तो युवक ने भी दुल्हा दुल्हन के गृह प्रवेश से पहले देहरादून में मतदान किया।

कानूनगोयान निवासी दीक्षा सैनी का विवाह गुरुवार की रात देहरादून निवासी अंशुल के साथ संपन्न हुआ। 19 अप्रैल की सुबह विवाहिता की काशीपुर के एक रिजार्ट से विदाई की तैयारियां परिवार कर रहा था। तभी दीक्षा व उसका परिवार कार से कानूनगोयान मोहल्ले में बने बूथ पर पहुंचा। पहले विवाहिता ने मतदान किया। इसके बाद परिवार का एक-एक सदस्य मतदान करता रहा। करीब दस बजे रिजॉर्ट से ही परिवार ने दीक्षा को विदाई दी। वहीं दीक्षा के पति अंशुल ने बताया कि उसने देहरादून मुख्य शहर के बूथ पर 4:30 बजे वोट डाला। कहा कि विदाई के बाद दुल्हे के घर दुल्हा दुल्हन का गृह प्रवेश होता है। लेकिन अंशुल ने वोट के महत्व को समझते हुए पहले वोट का इस्तेमाल किया, इसके बाद दीक्षा और अंशुल की गृहप्रवेश परिवार के लोगों ने की। बताया कि परिवार के साथ ही अंशुल भी दीक्षा को वोट डलवाने के लिए बूथ स्थल तक ले गया था।

मतदान

- दीक्षा सैनी का देहरादून निवासी अंशुल के साथ हुआ विवाह
- विदाई से पहले दुल्हन ने परिवार के साथ डाला वोट

व्हीलचेयर के सहारे वोट डालने पहुंची शाहीन।

पति के साथ मतदान केंद्र पहुंची रिचा।

दिव्यांगों ने भी खूब निभाई अपनी भूमिका

काशीपुर : लोकसभा चुनाव के लिए मतदान में पुरुष व महिलाओं सहित दिव्यांगों ने भी बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। मतदान केंद्रों में बुजुर्ग एवं दिव्यांग मतदाताओं के लिए व्हीलचेयर, रैंप आदि की बेहतर व्यवस्था की गई थी। बुजुर्ग एवं दिव्यांगजनों के लिए एनसीसी के बच्चों ने मतदान मित्र के रूप में सहयोग भी किया तथा पुलिस के जवानों ने भी सेवा भावना के साथ मदद की। शुक्रवार को अपने मताधिकार का प्रयोग करने पहुंची दिव्यांग शाहीन ने बताया कि केंद्र में रैम्प और व्हीलचेयर होने से वोट डालने में काफी सुविधा मिली है। दिव्यांग स्टेडियम निवासी रिचा गुप्ता अपने पति के साथ मतदान केंद्र पर पहुंची थी। उन्होंने कहा कि मतदान उनका कर्तव्य है।

संवेदनशील मतदान केंद्रों पर पंजाब के जवान रहे तैनात

काशीपुर : काशीपुर के 98 केंद्रों पर करीब 1.73 लाख मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इस दौरान सभी मतदान केंद्रों पर सुरक्षा बल तैनात रहा। काशीपुर में 15 संवेदनशील व अतिसंवेदनशील मतदान केंद्रों पर पुलिस के साथ ही पंजाब पुलिस के जवान भी तैनात रहे। साथ ही गड़बड़ी रोकने के लिए गश्ती टीम भी बार-बार संवेदनशील मतदान केंद्रों पर गश्त कर रही थी। सीओ अनुषा बडोला ने बताया कि सभी केंद्रों पर मतदान शांतिपूर्ण संपन्न हो गया है।

काशीपुर में मतदान केंद्र पर तैनात पुलिस।

बाजपुर के चुनावी समर में दिखे अनेक रंग

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचारः विधानसभा क्षेत्र बाजपुर में प्रशासन के प्रयासों से बाद भी यूनिक बूथ पर पारंपरिक वेशभूषा में महिलाओं को नहीं देखा गया। दिव्यांगों के लिए बन्नाखेड़ा में बनाए गए बूथ पर भी तीन से चार दिव्यांग ही तीसरे राउंड तक मतदान करने पहुंच पाए थे, जबकि इस क्षेत्र में दिव्यांग मतदाताओं की संख्या 50 से अधिक दर्शाई गई थी।

एक ही परिवार के तीन दिव्यांग भाइयों को लगभग दो किमी दूर हुलसनगंज गांव से ई-रिक्शा में राजकीय इंटर कालेज बरहैनी में बने मतदान केंद्र पर लाया गया, जहां उन्होंने बूथ संख्या-22 पर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इनके साथ ही बुजुर्ग मां गिंदिया देवी ने भी मतदान किया है। समाजसेवी वीरेंद्र सिंह बिष्ट ने बताया कि तीनों भाई सुरेश, महेंद्र व हेमराज जन्म के समय से ही दिव्यांग हैं। संभवतः कुमाऊं मंडल में तीन दिव्यांग भाइयों द्वारा मतदान करने की यह अकेली घटना है। बताया गया कि दो भाई शत-प्रतिशत व एक भाई 80 प्रतिशत दिव्यांग है।

सखी बूथ पर हुआ 619 ने किया मताधिकार का प्रयोग : ग्राम मडैया हट्टू स्थित माता गुरदेव कौर राजकीय जूनियर हाईस्कूल में महिलाओं को आकर्षित करने के लिए सखी बूथ (पिंक बूथ) बनाया गया था जिसमें कुल 872 मतदाताओं में से 619 मतदाताओं द्वारा अपने मताधिकार का प्रयोग किया गया जिसमें 325 महिलाएं व 294 पुरुष मतदाता शामिल रहे।

ग्राम महेशपुरा में मतदान केंद्र पर लाइन में अपनी बारी का इंतजार करते मतदाता। ● अमृत विचार

बाजपुर में बढ़ गए 18861 नए मतदाता

बाजपुर : पिछले लोकसभा चुनाव के मुकाबले इस बार 18861 नए मतदाता बढ़ गए थे। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में मतदाताओं की संख्या 141154 थी, जोकि इस बार बढ़कर 160015 हो गई है। जिसमें 83122 पुरुष, 76887 महिला एवं 6 ट्रांसजेंडर मतदाता शामिल थे जिन्होंने विधानसभा क्षेत्र बाजपुर के 174 मतदान केंद्रों पर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। जिसमें सबसे अधिक मतदाता ढकिया नंबर-एक में 1388 (715 पुरुष एवं 673 महिलाएं) हैं, जबकि मतदाताओं की सबसे कम संख्या विराहा बूथ पर 298 (161 पुरुष एवं 137 महिलाएं) है।

नहीं मिली पर्ची, कैसे डालें वोट

बाजपुर : ग्राम चकरपुर स्थित बूथ संख्या 140-141 पर पर्ची के बिना मतदान अधिकारी ने वोट नहीं डालने दिया तथा उन्हें मतदान कक्ष से बाहर कर दिया जिसको लेकर मतदाताओं में खासी नाराजगी देखी गई। इस दौरान कुछ मतदाताओं की मतदान कक्ष के बाहर बैठी बीएलओ से पर्ची उपलब्ध नहीं कराने के चलते कहासुनी भी हुई। वहीं बाद में हाथों हाथ पर्ची बनाकर देने पर मामला शांत हुआ।

मतदान को पहुंचे भाकियू के प्रदेश अध्यक्ष का पहले ही पड़ गया वोट

बाजपुर : भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष कर्म सिंह पड्डा अपने बेटे गुरचरण सिंह के साथ सेंट मेरिज स्थित बूथ पर मतदान करने पहुंचे तो ज्ञात हुआ कि उनका मत तो पहले ही पड़ चुका है जिसको लेकर 85 वर्षीय पड्डा को बड़ी हैरानी हुई। उन्होंने तत्काल उच्चाधिकारियों से बात कर स्पष्ट किया कि उन्होंने मत का प्रयोग किया ही नहीं, लेकिन वोट डालने आए तो कहा जा रहा है कि उनका वोट डल गया है जिस पर तहसीलदार अक्षय कुमार भट्ट द्वारा अधिकारियों से वार्ता कर उनका वोट डलवाया गया।

किच्छा में वोट देने के बाद निशान दिखाते पिता-पुत्र एवं पुत्रवधू।

बरेली से मतदान के लिए किच्छा पहुंचा दंपति

किच्छा : विगत करीब 15 वर्षों से उत्तर प्रदेश के बरेली में निवास एवं व्यापार कर रहे किच्छा के मूल निवासी दंपति ने पोलिंग बूथ पर पहुंचकर अपने मताधिकार का उपयोग किया। नगर के युवा समाजसेवी विनोद सिडाना के पुत्र वीरेंद्र सिडाना एवं पुत्रवधू गिरिता सिडाना विगत करीब 15 वर्षों से यूपी के बरेली में निवास कर अपना व्यापार कर रहे हैं। कई वर्षों से बरेली में निवास करने के बावजूद उनके द्वारा प्रत्येक चुनाव में किच्छा पहुंचकर मतदान किया जाता है। शुक्रवार को अपनी पत्नी गिरिता सिडाना के साथ किच्छा पहुंचे वीरेंद्र सिडाना ने राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय स्थित मतदान केंद्र संख्या 83 पर पहुंचकर अपने मत का उपयोग किया।

किच्छा में पिता बालक राम के साथ व्हीलचेयर पर वोट देने पहुंचे दीपक अरोरा।

किच्छा में दीपक ने व्हीलचेयर से पहुंचकर दिया वोट

किच्छा : लोकतंत्र के महापर्व में अपनी भागीदारी निभाने को लेकर बुजुर्गों एवं दिव्यांगों के बीच खासा उत्साह नजर आया। समाज को प्रेरित करते हुए व्हीलचेयर पर पहुंचे आवास विकास निवासी दीपक अरोरा ने अपने पिता बालक राम अरोरा के साथ वोट डाला। नगर के आवास विकास स्थित हर श्रीनाथ मंदिर के निकट निवासी बालक राम अरोरा अपने दिव्यांग पुत्र दीपक अरोरा को व्हीलचेयर पर करीब 200 मीटर की पैदल दूरी तय करने के बाद राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के बूथ संख्या 82 पर पहुंचे। बोलने व चलने में असमर्थ दीपक अरोरा के पिता बालक राम अरोरा ने बताया कि मतदान को लेकर पुत्र दीपक हमेशा ही उत्साहित रहता है।

उत्साह लोकसभा चुनाव में युवा मतदाताओं के साथ बुजुर्गों में भी खासा उत्साह देखा गया

बुजुर्गों ने अनुभव के आधार पर चुना अपना सांसद

मौहम्मद अर्शी, काशीपुर

अमृत विचार : लोकसभा चुनाव को लेकर युवा मतदाताओं के साथ बुजुर्गों में भी खासा उत्साह देखा गया। चुनाव में युवाओं ने उत्साह के साथ तो वही बुजुर्गों ने अपने अनुभवों व मुद्दों के आधार पर अपना वोट डाल सांसद को चुना।

अब्दुल मुनाफ।

शुक्रवार को मतदान केंद्र पर पहुंचे अल्ली खां निवासी 82 वर्षीय अब्दुल मुनाफ ने कहा कि वह 18 वर्ष की उम्र से हर चुनाव में वोट डालते आ रहे हैं और उन्होंने एक सशक्त व मजबूत सरकार बनाने के लिए इसे अपनी जिम्मेदारी पर मानते हैं। कहा कि सरकार को चुनाव के समय किए वादों को पूरा करना चाहिए और हर वर्ग को लेकर कार्य करना चाहिए।

मतदान केंद्र पर हाथ में वोटर पर्ची लेकर लाइन में लगीं महिलाएं। ● अमृत विचार

कुंडेश्वरी निवासी 85 वर्षीय चमेली देवी ने कहा कि वह चुनाव में अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करती है और उन्हे वोट डालना अच्छा लगता है। वहीं वह अपने मताधिकार का प्रयोग कर अपनी सरकार चुनने का हक भी रखती है। इसलिए सभी को वोट अवश्य देना चाहिए।

75 वर्षीय रामचंद्र ने कहा कि चुनाव का पर्व सभी के लिए होता है और यह समय अपनी पसंद की सरकार चुनने का होता है। सभी को मुद्दों को लेकर सरकार चुननी चाहिए, ना कि धर्म व जाति देखकर। कहा कि वह पिछले कई सालों से लगातार हर चुनाव में वोट डालते आ रहे है।

चमेली देवी।

रामचंद्र।

कनिष्का।

अपर्णा राघव।

नव युवा मतदाता बांसफोड़ान निवासी 18 वर्षीय कनिष्का ने कहा कि युवा वर्ग देश की रीढ़ मानी जाती है और देश व सरकार को युवा वर्ग ही आगे बढ़ाता है। आज मतदान कर उस उम्मीद पर खरा उतरने की कोशिश की। पहली बार मतदान कर उन्हें अच्छा लगा।

नव युवा मतदाता अपर्णा राघव ने कहा कि लोकतंत्र के महापर्व में पहली बार भागीदारी कर उत्साहित हूं। लोकतंत्र की सुरक्षा और मजबूती के लिए युवाओं को मतदान करना बेहद अहम है।

जसपुर में भी मतदाताओं में रहा उत्साह

जसपुर में मतदान करने आया दिव्यांग।

जसपुर के धर्मपुर बॉर्डर स्थित हाईवे पर मतदान के दौरान लगी भारी वाहनों की कतार।

संवाददाता, जसपुर

अमृत विचारः लोकसभा चुनाव को लेकर मतदाताओं में काफी उत्साह रहा। सुबह से ही बूथों पर मतदाताओं की लंबी कतारें लग गईं। गर्भवती महिलाओं, दिव्यांग व वृद्ध मतदाताओं के लिए आदर्श बूथ बनाए गए थे। कुछ मतदाताओं ने शिकायत की कि उनके मतदाता सूची से नाम गायब हैं, जिससे उनको भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। उधर, पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी लगातार मतदान केंद्रों का दौरा करते रहे। मतदान के दौरान यातायात व्यवस्था को दुरुस्त रखा गया। पुलिस प्रशासन ने उत्तराखंड व उत्तर प्रदेश की सीमा पर स्थित धर्मपुर पुलिस चौकी पर भारी वाहनों को रोक दिया। इससे भारी वाहनों की करीब 2 किलोमीटर लंबी कतार लग गई।

खेतों में लगी आग, किसानों की मेहनत राख

किच्छा में साढ़े 12 एकड़ गेहूं जलकर राख, अग्निकांड में किसान को करीब 7 लाख रुपये का हुआ नुकसान

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचार : कोतवाली अंतर्गत निकटवर्ती ग्राम गिद्धपुरी में गेहूं की खड़ी फसल में अचानक आग लग गई। तेज हवाओं के कारण कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। इस दौरान दमकल वाहन को सूचना दिए जाने के साथ ही ग्रामीणों ने आग पर काबू पाने के प्रयास शुरू कर दिए। फायर ब्रिगेड की टीम तथा ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाकर करीब ढाई एकड़ गेहूं की फसल बचा ली गई। लेकिन करीब साढ़े 12 एकड़ खेत में गेहूं की तैयार खड़ी फसल जलकर राख हो गई। अग्निकांड में करीब 7 लाख रुपये का नुकसान होने की संभावना है। घटना की सूचना पर तहसील प्रशासन की टीम ने भी मौके पर पहुंचकर पीड़ित किसान से जानकारी हासिल की और मौका मुआयना कर हुए नुकसान का आकलन किया।

निकटवर्ती ग्राम गिद्धपुरी निवासी किशन चंद सिंधी, अशोक कुमार सिंधी, कुंदन लाल, रमेश चंद्र तथा मनोहर लाल की करीब 15 एकड़ संयुक्त कृषि भूमि है। कृषि भूमि पर गेहूं की फसल बोई गई थी, जो कि पूरी तरह से खेत में तैयार खड़ी थी। बताया जा रहा है कि शुक्रवार की दोपहर बाद खेत के निकट स्थित पड़ोसी के खेत के ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन तार से चिंगारी गिरने के पश्चात पड़ोसी के खेत में गेहूं की फसल काटने के बाद सूखी घास में अचानक आग लग गई। तेज हवा के कारण आग किशन सिंधी के संयुक्त खेत तक पहुंच गई। गेहूं की खड़ी सूखी फसल तक पहुंचने के बाद कुछ ही देर में देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। घटना के दौरान खेत स्वामी किशन चंद सिंधी सहित तमाम किसान खेत के दूसरे छोर पर मौजूद थे। फसल में आग लगने की जानकारी मिलने पर खेत स्वामी सहित दर्जनों किसान ट्रैक्टर लेकर मौके पर पहुंच गए। फसल में आग लगने की सूचना पर दमकल टीम प्रभारी मदन सिंह रावत एवं नीरज जोशी तथा पुलिसकर्मी संजय बोरा व दीपक बसेड़ा की टीम भी मौके पर पहुंच गई।

दमकल की टीम ने चार हौज पाइप फैलाकर तथा किसानों ने ट्रैक्टर के माध्यम से खेत जोतकर आग पर काबू पाने के काफी प्रयास शुरू कर दिए। लेकिन तेज हवा के कारण आग पर काबू पाना मुश्किल हो गया। देखते ही देखते करीब साढ़े 12 एकड़ गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। पीड़ित किसान किशनचंद सिंधी ने बताया कि अग्निकांड में करीब साढ़े 6 लाख कीमत की गेहूं की फसल तथा 50 हजार रुपए कीमत का भूसा चलकर नष्ट हो गया। तहसील प्रशासन की दो सदस्यीय टीम ने मौका मुआयना कर हुए नुकसान का आकलन किया और पीड़ित किसान से जानकारी हासिल की।

किच्छा में आग बुझाने के लिए जाते दमकल कर्मी। ● अमृत विचार

जसपुर क्षेत्र गांव पतरामपुर में गेहूं के खेत में लगी आग बुझाते दमकल कर्मी।

खटीमा के श्रीपुर बिछुआ में लगी आग को बुझाने का प्रयास करते ग्रामीण।

अग्निकांड में तीन बीघा गेहूं सहित कई भूसे के ढेर जलकर राख

खटीमा : श्रीपुर बिछुआ गांव के थरुआट पट्टी में गेहूं की नलई में आग लग गई। देखते ही देखते आधा दर्जन से अधिक लोगों के भूसे के ढेर के साथ ही एक काश्तकार का तीन बीघा गेहूं जलकर राख हो गया। लोगों ने घर में जलाने के लिए एकत्र की गई लकड़ी भी स्वाहा हो गई। श्री बिछुआ गांव में गेहूं के डंठल में लगी आग तेज हवा के चलते गांव की तेजी से बढ़ने लगी तो गांव में अफरातफरी का माहौल बन गया और लोग आग बुझाने का प्रयास करने लगे। बाद में मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने आज पर काबू पाया। इस अग्निकांड में राजेंद्र सिंह, बसंत सिंह, नरेश सिंह, अमित सिंह, मंगली सिंह के भूसे के बने ढेर जलकर राख हो गए। वहीं बलवीर सिंह की तीन बीघा गेहूं की खड़ी फसल भी जलकर राख हो गई। वहीं राजेंद्र सिंह और रूप बसंत की जलौनी की इकट्ठी की गई लकड़ी भी जल गई। ग्रामीणों और फायर ब्रिगेड के प्रयास से आग को गांव में पहुंचने से रोका जा सका। इधर ग्राम कंचनपुरी पचपेड़ा में आग लगने से करीब 10 एकड़ की नलई जलकर राख हो गई। आग के दौरान घरों किनारे रखी जलौनी लकड़ी जल कर रहा हो गई। कंचनपुरी निवासी किसान ताहिर हुसैन पप्पू ने बताया कि भूसे के लिए खेतों में नलई छोड़ी गई थी जिसमें दोपहर में आग लग गई। जिससे किसानों का हजारों का नुकसान हो गया।

जसपुर में भी खेत में लगी आग

जसपुर। गांव पतरामपुर में खेत में पड़े गेहूं के नाल में आग लग गई। घटना की सूचना मिलने पर जसपुर से तत्काल फायर यूनिट घटनास्थल पर पहुंची। आग बलबीर सिंह के खेत में पड़े गेहूं के नाल में लगी थी। फायर यूनिट ने बमुश्किल आग को बुझाया। फायर ब्रिगेड की तत्परता से पास के खेत में लगे हुए लगभग 10 एकड़ खेत के गेहूं के नाल को आग की भेंट चढ़ने से बचा लिया गया।

फायर यूनिट में रमेश चन्द्र, गोपाल प्रसाद, विजेन्द्र सिंह, दलबीर सिंह आदि शामिल रहे।

बाजपुर में ट्रैक्टर से आग को आगे फैलने से रोकने का प्रयास करते किसान। ● अमृत विचार

बाजपुर में 30 एकड़ में खड़ी गेहूं की फसल आग से जली

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार : खेतों में खड़ी गेहूं की फसल में अज्ञात कारणों के चलते आग लग गई। किसानों ने ट्रैक्टर इत्यादि चलाकर आग पर किसी तरह काबू पाया। अग्निकांड में 25 से 30 एकड़ गेहूं की खड़ी फसल आग की भेंट चढ़ गई। इससे किसानों को करीब 20 लाख रुपये के नुकसान का अनुमान है।

विकासखंड क्षेत्र बाजपुर के अंतर्गत ग्राम पंचायत गजरौला, इटव्वा क्षेत्र में स्थित ग्राम जोगीपुरा निवासी पूर्व प्रधान बलवीर सिंह, ग्राम बैंतखेड़ी निवासी इंदर सिंह व ग्राम गजरौला निवासी सुखचैन सिंह, लखविंदर सिंह, जसवंत सिंह आदि सहित 9-10 किसानों के गेहूं के खेत में शुक्रवार को दोपहर के समय अचानक आग लग गई। तेज हवा के कारण आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। इस अग्निकांड में किसानों की 25 से 30 एकड़ गेहूं की खड़ी फसल जल गई है। इससे उन्हें करीब बीस लाख रुपये के नुकसान का अनुमान है। किसानों ने ट्रैक्टर चलाकर किसी तरह आग पर काबू पाया, नहीं तो नुकसान और बढ़ जाता। क्योंकि आसपास कई किसानों के करीब 40-45 एकड़ खेत गेहूं की फसल पकी खड़ी है।

बताया गया कि एक किसान के खेत से होकर हाइटेंशन लाइन गुजर रही है तथा खेत में विद्युत ट्रांसफार्मर लगा है। संभावना व्यक्त की जा रही है कि तेज हवाओं के कारण बिजली की लाइन आपस में मिलने के कारण उठी चिंगारी से आग लगी है। घटना की सूचना पर पहुंचे हल्का पटवारी विक्रम सिंह चौहान ने घटनास्थल का निरीक्षण कर नुकसान का जायजा लिया। इसकी रिपोर्ट तैयार कर उच्चाधिकारियों को भेजने की बात कही है।

गेहूं का शत प्रतिशत मुआवजा दे सरकार : बाजवा

बाजपुर। आग की भेंट चढ़ी गेहूं की फसल का मौके पर जायजा लेने पहुंचे भूमि बचाओ मुहिम के संयोजक संयुक्त किसान मोर्चा से जुड़े किसान नेता जगतार सिंह बाजवा ने कहा कि आग लगने से किसानों की गेहूं की फसल पूरी तरह से जलकर राख हो गई है, जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। सरकार यथाशीघ्र सर्वे कर पीड़ित किसानों को गेहूं की बर्बाद हुई फसल का शत-प्रतिशत मुआवजा दे। इस मौके पर युवा किसान नेता हरप्रीत सिंह सनी निज्जर, शेर सिंह, राजा समरा, राजकिशोर सिंह, साहब सिंह, बलबीर कंबोज, इंद्रजीत सिंह, मेजर सिंह, मंगत सिंह, वीर सिंह, सुखविंदर सिंह आदि मौजूद रहे।

फौजी कॉलोनी में भी एक गेहूं के खेत में लगी आग

बाजपुर। शुक्रवार को एक और अग्निकांड हुआ। फौजी कॉलोनी फरीदपुर निवासी मक्खन सिंह के गेहूं के खेत में अज्ञात कारणों के चलते आग लग गई। बताया गया कि सात एकड़ में से 3 एकड़ गेहूं की फसल जलकर राख हो गई है। मौके पर पहुंचे आसपास के लोगों ने किसी तरह से आग पर काबू पाया। घटना के चलते मौके पर काफी देर तक अफरातफरी का माहौल रहा। वहीं पीड़ित ने प्रशासन से मुआवजा की मांग की है।

सार संक्षेप

जसपुर में गेहूं की फसल की कटाई चल रही है। खास बात यह है कि आधुनिक युग में गेहूं की कटाई व मढ़ाई का कार्य भले ही मशीनों से होने लगा है लेकिन आज भी दरांती से गेहूं की फसल काटने का प्रचलन जिंदा है। ● सुशील चौहान

गश खाकर गिरा ई-रिक्शा चालक, मौत

बाजपुर : ग्राम पंचायत नमूना निवासी ई-रिक्शा चालक बबलू (58 वर्ष) शुक्रवार को दोपहर में बेरिया मोड़ पर मुख्यमार्ग किनारे स्थित एक चाय की दुकान पर बैठा था। इसी बीच उसने चक्कर आने की शिकायत की। देखते ही देखते उसे उल्टी होने लगी। कुछ ही पलों में वह बेसुध होकर नीचे गिर गया। उसे लोगों की मदद से बेहोशी की हालत में सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। सरकारी अस्पताल पहुंचे परिजन शव को घर ले गए। वह अपने पीछे एक लड़का व चार बेटियों को रोता-बिलखता छोड़ गया है।

दो पक्षों में मारपीट, दो लोग घायल

अकबर अली।

बाजपुर : दो पक्षों में किसी बात को लेकर मारपीट हो गई। घटना में दोनों पक्षों के दो लोगों के चोटें आई हैं। मुड़िया पिस्तौर निवासी अकबर अली ने पुलिस को बताया कि 19 अप्रैल की सुबह करीब 11.30 बजे मोहल्ले के ही इरफान से विवाद हो गया था। इस मामले को निपटाने के लिए कुछ गणमान्य लोगों ने दोपहर बाद एक बजे इरफान के घर में पंचायत रखी थी। आरोप है कि पंचायत शुरू होते ही इरफान ने अपने भाई व पिता तथा एक अन्य व्यक्ति के साथ मिलकर गाली-गलौज करते हुए जानलेवा हमला कर दिया। बीच-बचाव करने पर परिजनों के साथ भी मारपीट की जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं दूसरे पक्ष के इरफान अली ने तहरीर देकर पुलिस को बताया कि अकबर अली अपने परिवार के अन्य सदस्यों के साथ उसके घर में घुस गया और गाली-गलौज करते हुए हमला कर दिया जिसमें उसके काफी चोटें आई हैं।

फास्ट फूड की दुकान में बिक रही शराब बरामद

संवाददाता, रुद्रपुर

कार्रवाई

- आबकारी की टीम ने आदर्श कॉलोनी घास मंडी में मारा छापा
- बंदी के बाद भी बिक रही थी अंग्रेजी व देशी शराब

अमृत विचार: लोकसभा चुनाव के मद्देनजर जिले में शराब की दुकानें और शराब की अवैध बिक्री पर प्रशासन ने तीन दिन तक प्रतिबंध लगाया था। बावजूद आदर्श कॉलोनी घास मंडी में आबकारी की टीम ने छापा मारकर फास्ट फूड की दुकान से अंग्रेजी व देशी शराब के कई पव्वे बरामद किए और मौके से एक युवक को भी गिरफ्तार कर लिया।

शुक्रवार को छापे के बाद आबकारी निरीक्षक महेंद्र बिष्ट ने बताया कि लोकसभा चुनाव को देखते हुए 17 से 19 अप्रैल तक शराब की सभी दुकानें और बिक्री पर पूरी तरीके से प्रतिबंध लगाया गया था। बावजूद मतदान के दिन सूचना मिली कि आदर्श कॉलोनी घासमंडी स्थित एक फास्ट फूड की दुकान में खुलेआम शराब की बिक्री हो रही है। इस पर आबकारी विभाग की टीम ने दबिश देकर मौके से 52 पव्वे अंग्रेजी शराब और पांच देशी पव्वे बरामद किए हैं। टीम ने मौके से आलोक नाम के एक युवक को भी गिरफ्तार कर आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। आबकारी निरीक्षक ने बताया कि शराब बेचना आचार संहिता का उल्लंघन करना है। नियमों की अनदेखी नहीं होने दी जाएगी। आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

96 पव्वे शराब के साथ महिला को पकड़ा

पंतनगर। मुखबिर की सूचना पर बृहस्पतिवार की शाम पंतनगर थाना पुलिस ने नगला गोलगेट में अपने घर से शराब बेच रही एक महिला को अंग्रेजी शराब मैकडावल्स के 96 पव्वे के साथ पकड़ लिया। पूछताछ में महिला ने अपना नाम पिंकी पत्नी राहुल दास ताया। उसने लोकसभा चुनाव के चलते शराब के ठेके बंद होने के कारण अंग्रेजी शराब को मंहगे दामों मे बेचकर मुनाफा कमाने की बात कही। एसएचओ पंतनगर आरएस डांगी ने बताया कि महिला का 60 एक्साइज एक्ट में चालान कर दिया गया है।

दिनेशपुर में देर शाम तक हुआ मतदान

दिनेशपुर : लोकसभा का चुनाव दिनेशपुर सेक्टर में शांतिपूर्वक ढंग से संपन्न हो गया। शाम सात बजे से अधिक समय तक चले मतदान में दिनेशपुर नगर व सटे गांव चंदननगर और रामबाग में बनाए गए बूथ पर 77.5% लोगों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

सेक्टर मजिस्ट्रेट इन्दूशेखर ने बताया नगर के पांच मतदान केंद्रों में 10 मतदान कक्ष थे। चंदननगर में एक मतदान कक्ष व रामबाग के दो मतदान कर में कुल 12731 मतदाताओं में से 9812 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। नगर के स्व. चितरंजन राहा अटल आदर्श इंटर कॉलेज में बनाए गए मतदान केंद्र में कक्ष संख्या चार एवं चंदननगर गांव में मतदान केंद्र पर निर्धारित समय अवधि के बाद भी शाम सात बजे तक मतदान हुआ। जबकि वार्ड सात में रात आठ बजे तक वोटिंग हुई। यहां 1346 में 1040 लोगों ने वोट डाले।

प्रशासन ने भी मतदान केंद्रों के आसपास सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए थे। मतदान केंद्रों का प्रेक्षक, रिटर्निंग ऑफिसर के साथ पुलिस के आला अधिकारियों ने निरीक्षण किया। थानाध्यक्ष नंदन सिंह रावत की टीम के अलावा पैरामिलिट्री फोर्स के उड़नदस्ता क्षेत्र के सभी मतदान केंद्र में लगातार गश्त करते रहे। देर शाम को शांतिपूर्वक मतदान संपन्न होने पर प्रशासन के मुंह साथ मतदान को संपन्न कराने में लगे सभी कर्मचारियों ने राहत की सांस ली। इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्र में भी मतदान शातिपूर्वक निपट गया।

वर्ग पहेली-45

बाएं से दाएं

1.1. फूंका जाना 2. वस्तु आदि का जलना या भस्म होना 3. व्यर्थ ख़र्च होना 4. नष्ट या बरबाद होना।

2.1. फ़रेब या छल करने वाला, चालबाज़, धोखेबाज़, कपटी, चालाक, धूर्त, ठग 2 फ़रेब संबंधी।

5. विक्रमादित्य के दरबार के एक नवरत्न अमर सिंह का बनाया हुआ प्रसिद्ध कोश।

8.1. तुलसी की एक प्रजाति, काली तुलसी 2. चीड़ का वृक्ष।

9. घुड़सार, अस्तबल।

10.1. मछली के शरीर का छिलका 2. दाल जैसे अनाज का छिलका।

ऊपर से नीचे

2.1. भूलने वाला, भुलक्कड़

3.1. नाश, क्षति, हानि 2. आघात, चोट 3. क्लेश, पीड़ा।

4.1. चुलबुली या हलकी खुजली होना 2. नटखटी करना 3. संभोग की उत्कट इच्छा होना 4. चंचलतापूर्वक इधर-उधर हाथ-पैर मारना।

6.1. बनावटी, अप्राकृतिक, कृत्रिम 2. मिथ्या, पाखंडपूर्ण।

7. नृत्य में निपुण वह व्यक्ति जो तलवार की धार पर नृत्य कर सकता है और अंगों को तोड़-मरोड़कर कई तरह के करतब दिखा सकता है।

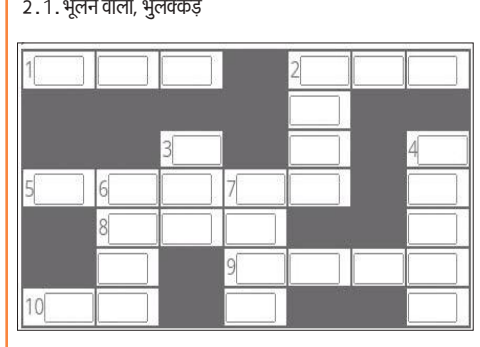

वर्ग पहेली -44 का हल

	1 अ	ज	य		2 पा	ड़ा
3 सा	व			4 झ		
	स		5 सि	र	का	
6 चु	र	चु	रा	ना		7 छु
	वा		ज			ट
8 चाँ	द	9 ना			10 जि	प
		11 य	ज	न		न

सुडोकू -124

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		5			2			8
1				3			2	
		7	9			4		
5							1	
2			5		4			7
	8					6		
		2			1	7		
	4			8				5
6			7			2		

सुडोकू -123 का हल

4	9	1	7	8	6	2	5	3
3	5	7	9	1	2	6	4	8
6	2	8	5	3	4	1	7	9
7	4	2	8	6	3	9	1	5
5	1	3	4	9	7	8	6	2
8	6	9	1	2	5	4	3	7
1	8	5	3	4	9	7	2	6
9	3	6	2	7	1	5	8	4
2	7	4	6	5	8	3	9	1

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 20 अप्रैल शनिवार 2024 संवत-2081,शक संवत 1946 मास-चैत्र, पक्ष-शुक्ल पक्ष, तिथि-द्वादशी 22.41 तक तत्पश्चात त्रयोदशी।

आज का पंचांग

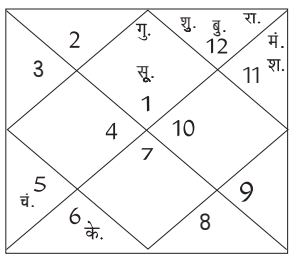

दिशाशूल-पूर्व। **ऋतु**-वसंत।
चन्द्रबल-मिथुन, सिंह, तुला, वृश्चिक, कुंभ, मीन।
ताराबल-अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र-पूर्वाफाल्गुनी 14.04 तक तत्पश्चात उत्तराफाल्गुनी।

मेष — आज साझेदारी के व्यवसाय में आपसी समझदारी की आवश्यकता है। विद्यार्थी पढ़ाई को लेकर लापरवाह हो सकते हैं। अत्यधिक विचारों के कारण थोड़े कनफ्यूज हो सकते हैं। मार्केटिंग से जुड़े लोगों को बॉस से परेशानी हो सकती है।

वृष — आज लोन वगैरह के कारण कोई काम अटक सकता है। नए कार्यों की शुरुआत न करें। असंतुलित खानपान के कारण आपको पाचन की समस्या होगी। अपना काम निकलवाने के लिए आप स्वार्थी भी हो सकते हैं।

मिथुन — आज पुराना अनुभव आपके काफी काम आएगा। रिश्तेदारों से आपको शुभ समाचार मिलेंगे। जीवनसाथी के प्रेम भरे व्यवहार से आह्लादित रहेंगे। यात्राओं के लिए दिन अच्छा है। व्यापारिक अनुबंधों से आपको लाभ प्राप्त होगा।

कर्क — आज बैंकिंग से जुड़े अटके काम आसानी से बन जाएंगे। अधिकारी आपके प्रदर्शन से काफी प्रसन्न रहेगा और आपकी आय भी बढ़ा सकता है। आपको सामाजिक कार्यों से यश मिल सकता है। सरकारी कारणों से रुके हुए कार्यों में गति आएगी।

सिंह — आज छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिल सकती है। लोग आपसे काफी प्रसन्न रहेंगे। नौकरी में उच्च पद मिल सकता है। आपको उत्तम कार्यों के लिए पुरस्कार भी दिया जा सकता है। अपनी कमियों पर नियंत्रण पाने का प्रयास करेंगे।

कन्या — आज अपने उत्तरदायित्व के प्रति निष्ठावान रहेंगे। महंगी वस्तुओं को खरीदने से आपके बजट पर असर पड़ सकता है। अपनी दिनचर्या को व्यवस्थित व अनुशासित रखें। अनावश्यक कारणों से आपको घर से बाहर जाना पड़ सकता है।

तुला — आज दांपत्य जीवन में प्रेम भाव बढ़ेगा। प्रेम संबंधों का भरपूर आनंद उठाएंगे। रचनात्मक कार्यों में भाग लेंगे। संपत्ति के क्रय-विक्रय की बड़ी डील से धन लाभ होगा। जीवनसाथी आपसे उपहार की अपेक्षा रख सकते हैं।

वृश्चिक — आज नए व्यवसाय की योजना बना सकते हैं। संतान पक्ष से आपको सहयोग मिलेगा। दोस्तों के साथ कहीं घूमने जा सकते हैं। आप कुछ नया सीखने का प्रयास करेंगे। आपका मन प्रसन्न रहेगा। परिवार में किसी महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हो सकती है।

धनु — आज कानूनी पचड़ों में फंस सकते हैं। कारोबार में शानदार वृद्धि से आपका मनोबल बढ़ेगा। परिजनों के साथ अच्छा समय बिताएंगे। आप काफी प्रसन्न रहेंगे। आपको किसी पर भी पूर्ण भरोसा नहीं करना चाहिए।

मकर — आज साहित्य और कला के क्षेत्र से जुड़े लोगों को निराशा महसूस हो सकती है। रूढ़िवादी विचारों से स्वयं को दूर रखें। क्रोध करने से आपको बचना चाहिए। आपके मन में तनाव रहेगा। मौसमी बीमारियां घेर सकती है।

कुंभ — आज दूसरों की समस्याओं में स्वयं को न उलझाएं। घर का माहौल काफी सुखद रहेगा। जीवनसाथी के साथ आप पर्यटन के लिए जा सकते हैं। कार्यक्षेत्र में अपनी दक्षता का परिचय देंगे। जीवनसाथी के साथ अच्छा सामंजस्य रहेगा।

मीन — आज सरकारी नौकरी कर रहे लोगों के लिए दिन जबरदस्त रहेगा। जीवनसाथी आपसे काफी प्रसन्न रहने वाला है। उधार दिया हुआ धन आपको वापस मिल सकता है। प्रेम संबंधों को लेकर धैर्य और संयम का परिचय देंगे।

आज की फिल्में

B4U MOVIES
घातक — सुबह : 08.35
दानवीर — रात : 07.00

SONY PIX
वंडर वुमन — सुबह : 10.10
स्पाइडर मैन — रात : 08.34

SONY SMAX
शकुंतला देवी — सुबह : 10.12
भूल भुलैया — शाम : 06.00

ZEE CINEMA
यमला पगला दीवाना — सुबह : 09.35
बत्ती गुल मीटर चालू — रात : 07.25

colors CINEPLEX
रंगीला — सुबह : 11.03
कभी अलविदा न कहना — दोपहर : 02.15

आज की सुपरहिट फिल्म

कलर्स सिनेप्लेक्स पर दोपहर :02.15 बजे

जोक्स ऑफ द डे

एक प्रसिद्ध गायक अपना कार्यक्रम पेश करने के बाद हॉल से कमरे में जा रही थी।
एक महिला ने पूछा-क्या आप ही वह माहिर गायक हैं, जो ऊंचे सुर में भी आसानी से गा लेती हैं?
गायक ने प्रसन्न होकर- जी हां।
महिला-मेरा जरा सा काम कर दीजिए, मेरे ड्राइवर को जोर से पुकारिए, वह कहीं खो गया है। उसका नाम घनश्याम है।

चंपक- मम्मी प्लीज ये रस्सी अपनी जीभ से काट दो।
मम्मी- बेवकूफ रस्सी जीभ से कैसे कट सकती है?
चंपक- क्यों? कल ही तो पापा कह रहे थे कि आपकी जुबान कैंची की तरह चलती है।

असन्त्यागात् पापकृतामपापांस्तुल्यो दण्ड : स्पृशते मिश्रभावात् ।
शुष्केणार्दंदह्यते मिश्रभावात्तस्मात् पापै : सह सन्धि नकुर्य्यात् ॥

दुर्जनों की संगति के कारण निरपराधी भी उन्हीं के समान दंड पाते हैं, जैसे सूखी लकड़ियों के साथ गीली भी जल जाती हैं। इसलिए दुर्जनों का साथ मैत्री नहीं करनी चाहिए।

संपादकीय

वर्षा का पूर्वानुमान सुखद

वैश्विक जलवायु परिवर्तन के कारण वर्षा में परिवर्तन हो रहा है। वर्ष-दर-वर्ष प्राकृतिक परिवर्तनशीलता भी हो रही है। देश के कुछ हिस्सों में 1950 के बाद से मानसूनी वर्षा में कमी आई है। देश का करीब 46 फीसदी कार्यबल कृषि क्षेत्र में काम करता है, इसलिए मानसून भारतीय कृषि और अर्थव्यवस्था के लिए काफी मायने रखता है। कई राज्यों में बढ़ते तापमान और लू के मद्देनजर, भरपूर बारिश का पूर्वानुमान सुखद है। 1 जून से 30 सितंबर तक पूरे देश में कुल वर्षा का औसत 87 सेंटीमीटर औसत के साथ 106 प्रतिशत रहने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार 1971 से 2020 तक के वर्षा के आंकड़ों के अध्ययन में नई दीर्घकालिक औसत और सामान्य शुरुआत की। भारत में अच्छे मानसून से जुड़ी ला नीना की स्थिति अगस्त-सितंबर के बीच विकसित होगी। आईएमडी के अनुमान और आकलन के अनुसार चूंकि बीते साल सामान्य से कम बारिश हुई थी, लिहाजा इस बार यह संभावना सुखद लग रही है। यदि बारिश सामान्य से अधिक हुई तो मानसून खरीफ की फसलों के लिए लाभकारी हो सकता है। सवाल उठता है कि क्या अब भी कृषि, किसान और उनके जरिए देश की अर्थव्यवस्था मानसून की बारिश के भरोसे है?

2002 और 2009 में कृषि का उत्पादन घटा था, क्योंकि बारिश कम हुई थी, लेकिन खाद्य सुरक्षा का कोई भी संकट सामने नहीं आया, लिहाजा उन दोनों अनुभवों को भूल जाना चाहिए। आईएमडी जून और जुलाई में बारिश की मात्रा को लेकर मौन है, लेकिन उम्मीद है कि उस समय "तटस्थ स्थिति" (न तो अल नीनो, न ही ला नीना) व्याप्त होगी। दो शुष्क मानसून महीने और आखिरी दो महीनों में मूसलाधार बारिश कृषि के लिए मुफीद हो सकती है, लेकिन इसके परिणामस्वरूप अत्यधिक बाढ़ आने की संभावना है। भारत प्राकृतिक आपदाओं के मामले में असुरक्षित है। आईएमडी के वर्तमान संकेत पर तत्काल ध्यान दिया जाना चाहिए। राज्यों को आपातकालीन योजनाएं बनानी चाहिएं कि बुनियादी ढांचे मजबूत हों, लोगों की निकासी की योजनाएं तैयार रहें, बांधों की संरचनात्मक स्थिरता एवं उनके संकट-संकेतन नेटवर्क की पर्याप्त जांच-परख हो और व्यापक पूर्व-चेतावनी नेटवर्क मौजूद रहे। यदि मौसम विभाग का अनुमान सही साबित हुआ, भूजल को रिचार्ज करने का भी सकारात्मक प्रयास किया जा सकता है। बारिश के पानी को जमा करने और फिर उसे भूजल के तौर पर इस्तेमाल करने की प्रवृत्ति हमारे देश में 100 फीसदी नहीं है। शोधकर्ता अभी भी जांच कर रहे हैं कि भविष्य में जलवायु परिवर्तन से मानसूनी वर्षा की मात्रा कैसे प्रभावित होगी? कृषि की नियति जलवायु-परिवर्तन पर भी आश्रित होगी, इसके आसार दुनियाभर में बनते जा रहे हैं, लिहाजा मानसून की बारिश के पानी को सहेजना सीखें।

जायंट किलर बन रही हैं सड़कें

अविनाश झा
डीएफएमओ, चित्रकूट

अपने देश में सड़क दुर्घटनाओं के रोकथाम के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। सड़क सुरक्षा के बारे में बच्चों के बीच जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से 'स्वच्छ सफर' और 'सुरक्षित यात्रा' नाम से दो कॉमिक बुक्स जारी की गई हैं।

देश में एक तरफ सड़कों का निरंतर विस्तार हो रहा है तो दूसरी तरफ उस पर वाहनों की बढ़ती रफ्तार जन-धन की क्षति भी बढ़ाते जा रहा है। तेज रफ्तार की इस जिंदगी में पल-प्रतिपल मौत तेजी से जिंदगी से आगे निकलती जा रही है। अंधाधुंध रफ्तार के साइड इफेक्ट में सड़क दुर्घटनाओं में प्रतिदिन जाने-अनजाने लोग लगातार बिछड़ रहे हैं। सही कहते हैं कि काल का दूसरा नाम सड़क दुर्घटना हो गया है। पिछले एक दशक में देश में सड़क दुर्घटनाओं में 13 लाख से भी ज्यादा लोगों की जानें जा चुकी हैं। सड़क परिवहन की इसी खतरनाक स्थिति पर चिंता जताते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने कभी देश की सड़कों को 'राक्षसी हत्यारे' या जायंट किलर कहा था। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी अपने रिपोर्ट में सड़क दुर्घटनाओं को "सबसे बड़े कातिल" की संज्ञा दी थी। रिपोर्ट में कहा गया कि हर साल दुनियाभर में सड़क हादसों में 1.2 मिलियन लोगों की मृत्यु हो जाती है और 50 मिलियन लोग इससे प्रभावित होते है। साल 2022 में 4.6 लाख सड़क दुर्घटनाएं हुईं जिनमें 1.68 लाख लोगों की मौत हो गई। वहीं लाखों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, इनमें से कई लोग ऐसे भी हैं, जिन्होंने अपने शरीर के अंग हमेशा के लिए खो दिए। प्रत्येक घंटे सड़क दुर्घटना में लगभग 19 लोगों की मौत होती है। भारत में दुर्घटनाओं की संख्या 2021 की तुलना में लगभग 12 प्रतिशत बढ़ गई है और मरने वालों की संख्या 9.4 प्रतिशत बढ़ गई है। भारत को प्रतिवर्ष सड़क दुर्घटनाओं के कारण होने वाला नुकसान भारत के सकल घरेलू उत्पाद का लगभग तीन प्रतिशत है। भारत में हरेक मिनट में सड़क दुर्घटना में तीन लोगों की मौत होती है। लगभग 75 प्रतिशत दुर्घटनाओं का कारण वाहनों की तेज रफ्तार है। लगभग 42 प्रतिशत मामलों में पैदल चलने वाले होते हैं। लगभग 33 प्रतिशत सड़क दुर्घटनाएं एक्सप्रेस वे सहित राष्ट्रीय राजमार्गों पर हुई हैं। राज्य राजमार्गों पर लगभग 23 प्रतिशत दुर्घटनाएं हुई हैं। विश्व में सड़क दुर्घटनाओं के कारण होने वाली कुल मौतों में से 11 प्रतिशत भारत में होती हैं। विश्व में सड़क दुर्घटनाओं के कारण प्रत्येक 23 सेकंड में एक व्यक्ति की मृत्यु होती है। कुल सड़क दुर्घटनाओं में से 76 प्रतिशत दुर्घटनाएं ओवर स्पीडिंग और गलत साइड पर गाड़ी चलाने जैसे यातायात नियमों के उल्लंघन के कारण होती हैं। सड़क दुर्घटनाओं में दोपहिया वाहनों और पैदल चलने वालों की हिस्सेदारी सबसे अधिक है। देश में दोपहिया वाहनों पर दुर्घटना के शिकार होने वाले 73 प्रतिशत लोग हेलमेट नहीं पहनते हैं, जबकि चार पहिया वाहनों में सीट-बेल्ट का प्रयोग नहीं करना है। गलत दिशा में ड्राइविंग के कारण लगभग छह प्रतिशत दुर्घटनाएं होती है। नशे में गाड़ी चलाना और गाड़ी चलाते समय फोन का उपयोग करना अन्य बड़े कारण हैं। भारत में अनिवार्य सीट बेल्ट नियम लागू करने के बावजूद, 2022 में इसे न पहनने के कारण लगभग 17 हजार लोगों की जानें चली गईं। इसका बहुत बड़ा उदाहरण उद्योग पति साइरस मिस्त्री की मौत है। हालांकि भारत में विश्व के लगभग 10 प्रतिशत वाहन ही हैं, लेकिन सड़क हादसों में एक चौथाई लोग भारत में जान गंवाते हैं। इसके पीछे अंधाधुंध रफ्तार, ट्रैफिक नियमों को तोड़ना, नशे में गाड़ी चलाना, गाड़ी चलाने के दौरान नींद आना, खस्ताहाल सड़कों या उन पर अतिक्रमण, गाड़ियों की खराब हालत और तत्काल चिकित्सा सहायता की अनुपलब्धता होना है। बिना हेलमेट लगाए स्कूटर सवार, एक बाइक पर एक साथ बैठे चार लोग, बिना सीट बेल्ट लगाए कार ड्राइवर, बिना लाइट का ट्रक और यात्रियों से ठसाठस भरी बस के खुले दरवाजे पर लटके तथा छत पर बैठे बीसियों लोग इत्यादि दुर्घटना और मौत के कारण हैं। बहुत सी सड़क-दुर्घटनाएं बस, ट्रक या कार ड्राइवर द्वारा शराब पीकर गाड़ी चलाने तथा लापरवाही से या गंतव्य पर पहुंचने की जल्दी में तेज गति से गाड़ी चलाने के कारण भी होती हैं।

आस्ट्रेलिया ने प्रायोगिक तौर पर 'इग्निशन लाकिंग सिस्टम' लागू किया है जिसमें जब ड्राइवर अपनी श्वास का सैंपल देता है, तभी उसकी गाड़ी स्टार्ट होती है। अगर उसने शराब पी रखी है तो उसका वाहन स्टार्ट ही नहीं होगा। सिंगापुर में हेलमेट के लिए वायरलेस सेंसर बनाया गया है।

हालांकि सड़क परिवहन के संबंध में सरकारी नियम कानून पहले से बने हैं, परंतु उसे कठोरता से लागू करने की आवश्यकता है। हाल ही में भारतीय न्याय संहिता के उस प्रावधान का वाहन चालकों द्वारा विरोध किया गया जिसमें सड़क दुर्घटना में हिट एंड रन मामलों के लिए अधिकतम 10 साल तक की सजा एवं भारी जुर्माना का प्रावधान किया गया है। कानूनों के अलावा सड़क दुर्घटनाओं से बचने का सबसे प्रभावी उपाय है कि तकनीक में निवेश किया जाए। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस यानी एआई तकनीक इसमें काफी उपयोगी साबित हो सकती है। वाहनों को एआई से लैस करके उनकी ट्रैकिंग संभव है। इससे वाहन की ड्राइविंग और रफ्तार के पैटर्न पर नजर रखी जा सकती है और ड्राइवर का संपर्क स्टीयरिंग व्हील से टूटते ही इससे पता लगाकर ड्राइवर को सतर्क किया जा सकता है। यदि हम इसे जीपीएस से जोड़ दें और 'जियो-फेंसिंग' जैसी तकनीक का इस्तेमाल करें तो शहरी एवं दुर्घटना आशंकित क्षेत्रों में वाहनों की अधिकतम गति को अपने आप ही नियंत्रित कर सकेंगे जिससे हादसे का खतरा कम हो जाएगा। इसी तकनीक का इस्तेमाल रात के वक्त या घने कोहरे के समय भी किया जा सकता है। स्टेयरिंग व्हील के पैटर्न से लेकर ड्राइवर की आंखों और चेहरे की लगातार निगरानी की जाती है ताकि उसकी थकान का पता चल सके।

आस्ट्रेलिया ने प्रायोगिक तौर पर 'इग्निशन लाकिंग सिस्टम' लागू किया है जिसमें जब ड्राइवर अपनी श्वास का सैंपल देता है, तभी उसकी गाड़ी स्टार्ट होती है। अगर उसने शराब पी रखी है तो उसका वाहन स्टार्ट ही नहीं होगा। सिंगापुर में हेलमेट के लिए वायरलेस सेंसर बनाया गया है। यह चालक को पहुंचने वाली किसी भी चोट की खबर उसकी लोकेशन के साथ उसके परिवार और दोस्तों को देता है जिससे उसका बचाव तत्काल संभव हो सकता है। एआई से किसी भी ओवरलोडेड ट्रक और ट्राली को ट्रैक किया जा सकता है और उनके आकार को देखकर उन्हें रोका जा सकता है। किसी भी दुर्घटना के बाद पहले घंटे को 'गोल्डन आवर' कहते हैं। यदि इस आरंभिक एक घंटे में पीड़ित व्यक्ति को प्राथमिक चिकित्सा मिल जाए तो दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति की जान बचाने में मदद मिल सकती है। इस गोल्डन आवर के उपयोग के संबंध में ड्राइविंग लाइसेंस लेते समय लोगों का 'फर्स्ट एड' टेस्ट पास करना अनिवार्य बनाया जा सकता है। इसके लिए सामान्य रूप से स्कूलों और कालेजों में भी युवाओं को आकस्मिक प्राथमिक चिकित्सा में दक्ष बनाना होगा। यूरोपीय देशों में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर वाहन चलाने के संबंध में एक आचार संहिता लागू है जिसका ज्यादातर देश पालन करते हैं। इसके अनुसार यदि किसी कार की गति 35 किमी प्रति घंटा है तो दो कारों के बीच की दूरी 74 फीट होनी चाहिए। 40 मील प्रतिघंटा की रफ्तार होने पर यह अंतर 104 फीट और 45 फीट की गति पर यह अंतर 132 फीट होना चाहिए। यदि चालक की मुट्ठी बंद करने की ताकत पौने सोलह किलोग्राम से कम निकलती है तो यह माना जाना चाहिए कि यह व्यक्ति वाहन चलाने लायक नहीं है। वाहन चलाने लायक उस व्यक्ति को माना जाएगा, जो 20 मीटर आगे चल रहे वाहन का नंबर आसानी से पढ़ ले। तीन चौथाई दुर्घटनाएं चालकों की लापरवाही के चलते होती हैं।

अपने देश में सड़क दुर्घटनाओं के रोकथाम के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। सड़क सुरक्षा के बारे में बच्चों के बीच जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से 'स्वच्छ सफर' और 'सुरक्षित यात्रा' नाम से दो कॉमिक बुक्स जारी की गई हैं। सड़क सुरक्षा को एक गंभीर मुद्दा मानते हुए वर्ष 2015 में भारत ने ब्रासीलिया घोषणा पर हस्ताक्षर किया था और सड़क दुर्घटनाओं तथा मृत्यु दर को आधा करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता भी जाहिर की थी। हालांकि विश्व स्वास्थ्य संगठन की सड़क सुरक्षा पर ताजा वैश्विक स्थिति रिपोर्ट के अनुसार सड़क यातायात से होने वाली मौतों की वार्षिक संख्या 5 प्रतिशत घटकर 1.19 मिलियन प्रति वर्ष हो गई है। जबकि भारत में यह संख्या लगातार बढ़ रही है। वहीं विश्व स्तर पर संख्या में थोड़ी कमी आई है। वर्ष 2030 तक सड़क यातायात से होने वाली मौतों और चोटों को आधा करने के लिए संयुक्त राष्ट्र सड़क सुरक्षा कार्रवाई दशक 2021-2030 के लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं जिसमें भारत को विशेष प्रयास की आवश्यकता है। बेलारूस, ब्रुनेई दारुस्सलाम, डेनमार्क, जापान, लिथुआनिया, नॉर्वे, रूसी संघ, त्रिनिदाद और टोबैगो, संयुक्त अरब अमीरात और वेनेजुएला जैसे देशों में सड़क यातायात से होने वाली मौतों को 50 प्रतिशत से ज्यादा कम करने में सफलता पाई है तो भारत भी इसे प्राप्त कर सकता है। इसके लिए सेफ्टी नियमों के कठोरता से अनुपालन सुनिश्चित करने की आवश्यकता है।

प्रसंगवश

दयानंद सरस्वती और मूर्ति पूजा

श्रीकृष्ण के सदृश कोई होता तो इनके धुर्रे उड़ा देता और ये भागते फिरते। भला यह तो कहो कि जिसके रक्षक मार खाएं उसके शरणागत क्यों न पीटे जाएं।

प्रो. जगदीश्वर चतुर्वेदी
कोलकाता

दयानंद सरस्वती की समाज सुधार आंदोलन में जो भूमिका रही है वह हम सब जानते हैं, लेकिन 1857, 58 और 59 में तीन साल तक वे कहां रहे और क्या करते रहे, यह हम सब कम ही जानते हैं। इस प्रसंग में स्वामी दयानंद ने यही लिखा कि मैं "मैं इन तीन वर्षों में नर्मदा तट पर घूमता रहा।" कुछ इतिहासकार यह मानते हैं कि वे इस दौर में स्वाधीनता संग्राम के लिए आम जनता को संगठित करने का काम कर रहे थे। इस संदर्भ में वासुदेव वर्मा की लिखी किताब "अठारह सौ सत्तावन और दयानंद सरस्वती" महत्वपूर्ण कृति है। मूर्तिपूजा और सोमनाथ मंदिर के प्रसंग में दयानंद सरस्वती ने "सत्यार्थ प्रकाश" में लिखा है, एक प्रश्न सोमनाथ मंदिर के बारे में था, " देखो! सोमनाथ जो पृथिवि पर रहता था और बड़ा चमत्कार था। क्या यह भी मिथ्या बात है?" उत्तर, "हां मिथ्या है सुनो! नीचे-ऊपर चुंबक पाषाण लगा रखे थे। उसके आकर्षण से वह मूर्ति अधर खड़ी थी-जब ऊपर की छत टूटी तब चुंबक पाषाण पृथक होने से मूर्ति गिर पड़ी"। (सत्यार्थ प्रकाश, दिल्ली, 1954, पृ.334) इसके बाद अगला प्रश्न है, " द्वारकाजी के रणछोड़ की जिसने 'नरसी महता' के पास हुंडी भेज दी और उसका ऋण चुका दिया इत्यादि बात भी क्या झूठ है?" उत्तर, "किसी साहूकार ने रुपये दे दिए होंगे। किसी ने झूठा नाम उड़ा दिया होगा कि श्रीकृष्ण ने भेजे। जब संवत् 1914 के वर्ष में तोपों के मारे मंदिर-मूर्तियां अंग्रेजों ने उड़ा दी थीं तब मूर्ति कहां गई थी? प्रत्युत बाघेर लोगों ने जितनी वीरता की और लड़े, शत्रुओं को मारा, परंतु मूर्ति एक मक्खी की टांग भी न तोड़ सकी। श्रीकृष्ण के सदृश कोई होता तो इनके धुर्रे उड़ा देता और ये भागते फिरते। भला यह तो कहो कि जिसके रक्षक मार खाए उसके शरणागत क्यों न पीटे जाएं।"

ईश्वर को जानना या मानना

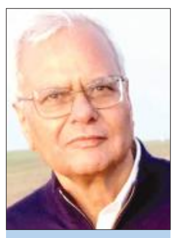

कमलाकांत त्रिपाठी
पूर्व आईआरएस

इतना तो समझ में आता है, किंतु इसके आगे? कि स्व-चेतना में ही वैश्विक चेतना समाई है। आत्मा ही परमात्मा है। सबकी चेतना वही है। एक ही है। अहं ब्रह्मास्मि, तत्वमसि, सर्वं खलु इदं ब्रह्म।

मनुष्य की एक आंख विवेक और दूसरी सत्य के प्रति निष्ठा है। ये दोनों आंखें जिसके न हों वह शीघ्र ही अज्ञान के कुंए में गिर जाता है, इसमें कोई संदेह नहीं। विवेक से प्राप्त सत्य के प्रति निष्ठा। न धर्म, न ईश्वर। बस विवेक से जो भी सत्य लगे, उसके प्रति निष्ठा। सत्य को खोजना पड़ता है, फिर बुद्धि विवेक से तय करना पड़ता है कि जो मिला वह सत्य है या असत्य।

ईश्वर को खोजना नहीं, मानना पड़ता है। जाने कितने हजार साल से लोग कहते आए हैं कि वह है। मां-बाप, दादा-परदादा से यही सुनते आए हैं। इसलिए मान लिया। सवाल है कि यदि सबने किसी न किसी से सुना ही तो खोजा किसने, देखा किसने? वह कौन था जो ईश्वर जी से मिलकर आया और ईश्वर जी ने तस्दीक किया कि हां, यह बंदा मुझसे मिलकर जा रहा है, इसकी बात को मेरी बात मानो। कहने को तो कोई भी कह सकता है, ईश्वर जी से मिलकर आ रहा हूं। आगे जो भी कहूंगा, उन्हीं की बात कहूंगा। या जब मन में आए, ईश्वर जी से बात कर सकता हूं।

आदि शंकराचार्य मानव चेतना की रहस्यमयता को पकड़कर बैठ गए। हम सब कुछ जान सकते हैं, किंतु अपनी ही चेतना को, यानी अपने आपको (साधारणतः) नहीं जान सकते। न उसका वर्णन कर सकते हैं, न यह बता सकते हैं कि अगले क्षण वह क्या होगी, उसे क्या अनुभूति होगी, क्या आभास होगा। बस इतना समझ में आता है कि चेतना जो भी जानती है, पार्थक्य भाव से जानती है। जिसे जानना है वह मुझसे भिन्न है। मैं जानने वाला हूं और वह जानने योग्य है। ज्ञाता और ज्ञेय का पार्थक्य। इसलिए चेतना खुद को कैसे जानेगी? शंकर ने कहा, बस उसी को जान लो तो सब कुछ जान जाओगे, क्योंकि सब कुछ तुम्हारी चेतना में ही है। सबकी चेतना में वही है। पूरे ब्रह्मांड में वही है। सबकी चेतना की डोर एक ही स्रोत से बंधी है। सब उसी की प्रतिबिंब हैं। जान लोगे तो ज्ञाता ज्ञेय और ज्ञान का भेद खत्म हो जाएगा। सिर्फ शुद्ध चेतना रह जाएगी। बोध हो जाएगा कि बाकी सब भ्रम है, अध्यास है, माया है, विवर्त है।

क्वांटम भौतिकी की कृपा से अब तो पूरे ब्रह्मांड के बारे में ज्ञात हो चुका है कि इसमें मौजूद जड़, चेतन और रिक्त आकाश तीनों ऊर्जा के क्वांटा फील्ड (इलेक्ट्रॉन) और क्वार्क से बने परमाणुओं के संघटन हैं और सभी क्वांटा फील्ड एक एकीकृत क्वांटा फील्ड के अविभाज्य अंग हैं, जो परस्पर उलझे हुए हैं। करोड़ों प्रकाश वर्ष दूर होने पर भी एक इलेक्ट्रॉन पर पड़ने वाला प्रभाव दूसरे को संप्रेषित हो सकता है। तो समस्त ब्रह्मांड सूक्ष्मतम में एक जैसा नहीं, एक ही है। क्या इलेक्ट्रॉन में भी चेतना जैसी कोई चीज होती है? नहीं हो सकती। इलेक्ट्रॉन पदार्थ और ऊर्जा दोनों एक साथ है। ऊर्जा जो खंडों में काम करती है, लेकिन चेतना न पदार्थ है, न ऊर्जा। ऊर्जा उत्पन्न करने के लिए पदार्थ को खर्च होना पड़ता है, चेतना की उत्पत्ति के लिए पदार्थ को खर्च नहीं होना पड़ता। वह मानव मस्तिष्क में अभिनिविष्ट होती है।

बच्चा जन्म के समय शरीर के साथ चेतना को भी लेकर आता है। समय बीतने के साथ एक क्षण आता है जब उसे स्वयं का यानी अपनी चेतना का और शेष विश्व का पृथक-पृथक एहसास हो जाता है। इसी को होश संभालना कहते हैं। उसका खुद का शरीर भी विश्व में शामिल होता है, "उसमें" नहीं। उसका शरीर और शरीर के अंग-प्रत्यंग सब "उसके" होते हैं, "वह" नहीं होते। वह माने उसकी चेतना, खुद के होने का एहसास। इतना तो समझ में आता है, किंतु इसके आगे? कि स्व-चेतना में ही वैश्विक चेतना समाई है। आत्मा ही परमात्मा है। सबकी चेतना वही है। एक ही है। अहं ब्रह्मास्मि, तत्वमसि, सर्वं खलु इदं ब्रह्म।

मुश्किल है, लेकिन कोशिश करके देखने में क्या हर्ज! जब तक समझ में नहीं आता, अनजान ही बने रहेंगे। अनजान होना स्वीकार भी कर लेंगे। सत्य और विवेक के सहारे तो इतना ही कह सकते हैं कि भैया, अभी तक स्वयं को, स्वयं की चेतना के आत्मरूप को, जो मेरा, आपका, सबका आत्मरूप हो, नहीं समझ पाया। जीते जी समझ में आ गया तो मान लूंगा। नहीं तो अंतिम क्षण तक अज्ञान में ही रहूंगा। स्वीकार भी करूंगा कि अज्ञान में हूं, लेकिन बिना खुद समझे मानूंगा नहीं।

सोशल फोरम

चंदा या धंधा

तजिंदर सिंघ
जमशेदपुर, झारखंड

इलेक्ट्रोल बांड पर मुझे कभी हैरानी नहीं हुई। दरअसल ये हमारी चंदाखोर संस्कृति का ही थोड़ा विस्तारित रूप था। चंदे को सामाजिक स्वीकृति तो हासिल है ही, ये चंदा रूपी बांड को भी वैधानिक स्वीकृति देने का प्रयास था। वो तो शुक्र है कि सुप्रीम कोर्ट ने इस पर रोक लगा दी, लेकिन क्या आम जीवन मे हम चंदाखोरी पर रोक लगा पाने में सफल हुए हैं। इस व्यवस्था से परेशान सारे हैं, खासकर व्यापारी वर्ग, लेकिन बिल्ली के गले में घंटी कौन बांधे?

आजकल सब्जी बाजार जाता हूं तो लोगों के समूह को चंदा मांगते हुए देखता हूं। छोटे-छोटे दुकानदार बेचारे भी परेशान है कि आखिर कितनो को चंदा दें। चंदे से कोई सामाजिक आयोजन करना गलत नहीं। लोगों के सहयोग के बिना बड़े आयोजन सम्भव ही नहीं, लेकिन चंदा श्रद्धा और औकात के हिसाब से ही दिया जाता है। जब धार्मिक आयोजनों में चंदा देने का एक अदृश्य सामाजिक दबाव आप महसूस करने लगे तो मान लीजिए कि समस्या गंभीर है। एक बार मैं हरिद्वार गया। वहां हर की पौड़ी पर कुछ लोग रसीद ले चंदा मांगने पहुंच गए। कहने लगे मां गंगा और स्थान को साफ सुथरा रखने के लिए कुछ दान कीजिए। मैंने कहा मां गंगा खुद को साफ करना जानती हैं। मां को आपकी जरूरत नहीं। आप केवल इसे गंदा करने वाले कृत्य करना बंद कर दीजिए। वही मां गंगा पर आपका बहुत बड़ा अहसान होगा। ये घटना बहुत साल पहले की है। आज अगर ऐसा कुछ होता तो मैंने भी चुप चाप रसीद कटा ली होती।

वैसे कहने को तो मैं बहुत कुछ कहना चाहता हूं कि हजारों लोगों का रोज लंगर कैसे चलता है? कैसे मात्र कुछ रुपये में एमआरआई, सिटी स्कैन और अन्य टेस्ट किए जाते हैं? कैसे किसी आपदा में सबसे पहले यही नजर आते हैं? आखिर इसके लिए पैसा कहां से आता है? ये कभी चंदा मांगने क्यों नहीं जाते? क्यों यहां अपनों के साथ दूसरे लोग भी खुद आगे बढ़कर चंदा देते हैं? क्यों दान का सर्वाधिक सदुपयोग यहीं होता है? मैं इसमें बड़ाई नही कर रहा, लेकिन ध्यान जरूर दिला रहा हूं कि एक दूसरे के धर्म की बेहतर बातों से हम क्यों नहीं सीख सकते? और अगर हम सीखने में रुचि नहीं रखते हैं तो चंदे और धंधे वाला इल्जाम तो लोग लगाएंगे ही। **-फेसबुक वॉल से**

बरेली में एक थे प्रोफेसर कृपानंदन

सुधीर विद्यार्थी
वरिष्ठ लेखक, बरेली

वे बरेली कालेज में अंग्रेजी के विभागाध्यक्ष थे। गांधीवादी थे और खादी पहनते थे। कुर्ता-पाजामा उनकी वेषभूषा थी। एक बार बरेली क्लब में उन्हें इसी पहनावे के कारण घुसने नहीं दिया गया। इससे वे बहुत आहत हुए और गांधी प्रतिमा के समक्ष मौन सत्याग्रह पर बैठ गए। उनकी लड़ाई रंग लाई और बरेली क्लब को माफी मांगनी पड़ी। यह उनकी बहुत बड़ी जीत थी, लेकिन बरेली क्लब आज भी उस अंग्रेजियत से मुक्त नहीं हो सका है। 2005 में 20 अप्रैल को कृपानंदन जी का निधन हुआ तो लगा कि बरेली की जमीन का एक खालिस धर्मनिरपेक्ष और सिद्धांतप्रिय व्यक्ति हमारे मध्य से चला गया।

वे रुहेलखंड विश्वविद्यालय स्थापना समिति के संस्थापक अध्यक्ष थे। धार्मिक विश्वासों में उनकी कतई आस्था नहीं थी, बल्कि वे उन चीजों के विरोध में खड़े थे, जो मनुष्य को धर्म और ईश्वर का गुलाम बनाती हैं। उन्होंने मार्क्सवाद का अध्ययन किया था, पर वे उससे बंध नहीं पाए। यद्यपि अनेक कम्युनिस्ट उनके पक्के मित्र थे। उन्हें दकियानूसी और कट्टरता से सख्त नफरत थी और जातिवाद उनके लिए किसी गैरजरूरी चीज का नाम था। उन्होंने एक मुस्लिम महिला जकिया से विवाह किया था। उन्होंने उनका न तो धर्मपरिवर्तन किया और न ही नाम बदला। दरअसल वे धर्म के प्रति एकदम उदासीन थे। निजी और सार्वजनिक जीवन में भी। सुबह जल्दी उठना। टहलना। बागवानी करना। किताबें बहुत पढ़ते थे। रात में बिना पढ़े नींद नहीं आती थी। उनके पास शेक्सपीयर की काफी किताबें थीं। कुछ भारतीय लेखकों की भी। अंग्रेजी अध्यापन के बाद भी किसी पर रोब झाड़ने के लिए अंग्रेजी बोलना उन्हें स्वीकार नहीं था। उन्होंने कभी नहीं समझा कि वे अंग्रेजी के प्रोफेसर हैं। पहनावे में, न व्यवहार में। 77-78 के बाद उन्होंने खादी का कुर्ता-पाजामा ही पहना। पूरी तरह शाकाहारी थे। खाने के बहुत शौकीन थे। वे अंधविश्वासों के घोर विरोधी थे। निधन के दिन 12-1 बजे तक मित्रों के बीच चर्चा करते रहे और एकाएक रुखसत हो गए।

कृपानंदन जी की खेलों में भी बहुत रुचि थी। क्रिकेट, हॉकी, कैरम आदि उन्हें बहुत प्रिय थे। मेरे पास कृपानंदन जी का एक पुराना चित्र है 1976 में बरेली कालेज के अध्यापकों की हॉकी टीम में प्रोफेसर उस्मान और डॉ. मेहरा उनके साथ थे। 1944 में कृपानंदन जी को लोगों ने हाउजी खेलते-खिलाते भी देखा था। उन दिनों बरेली जंक्शन के रेलवे इंस्टिट्यूट में हाउजी होती थी। उन्हें ताश के पत्तों की रमी खेलने का भी शौक था। एलन क्लब में वह रमी के अच्छे खिलाड़ी रहे थे। एमएन रायवादी निरंकार देव सेवक से उनकी खूब पटती थी। वे 'सैटरडे क्लब' की मीटिंगों में भी जाते थे। सेवक जी के साथ रहकर भी वे एमएन रायवादी नहीं हो पाए। साम्यवाद की खूबियों को मानते हुए कृपानंदन जी गांधी की चीजों में भरोसा करते थे। वे राजनीतिक दर्शन में व्यक्ति चरित्र, सत्यनिष्ठा और नैतिक मूल्यों को सर्वोपरि मानते थे। धर्मनिरपेक्षता के मामले में वे पंडित नेहरू के अधिक नजदीक थे। उर्दू शायरी का दार्शनिक पक्ष उन्हें पंसद था। उर्दू और फारसी उनकी मातृभाषा जैसी थी। वे रूसी भाषा के भी अच्छे जानकार थे। फिराक, इकबाल, गालिब और चकबस्त उनके पसंदीदा शायर थे।

वर्ष 2000 में उन्होंने हमारी पत्रिका 'संदर्श' के निरंकार देव सेवक विशेषांक के लिए एक संस्मरण लिखा था जिसका शीर्षक था 'मुद्दत हुई कि ग़ालिब मर गया, पर याद आता है' जिसमें सेवक जी से उनकी मित्रता के अछूते प्रसंगों के साथ विभिन्न वैचारिक मुद्दों पर उनकी असहमतियां भी दर्ज हैं। 1937 में जवाहरलाल नेहरू और विजय लक्ष्मी पंडित ने कुतुबखाने के मोती पार्क में जब छात्रों में देशभक्ति का जज्बा फूंका, तब बरेली कालेज के हॉल पर लगा यूनियन जैक जलाकर कृपानंदन जी ने ही तिरंगा फहराया था। वे 1943 में बरेली कालेज छात्र यूनियन के अध्यक्ष भी रहे। अपने बाद के दिनों में कृपानंदन जी बरेली कालेज के शैक्षिक माहौल को लेकर बेहद चिंतित थे। उनके जेहन में संपूर्ण शिक्षा व्यवस्था थी। बाद के दिनों में पंडित दीनानाथ मिश्र स्कूल के पिछले हिस्से की एक बगिया में अपना छोटा-सा आशियाना बनाकर वे रहने लगे थे। वे निहायत ईमानदार और पारदर्शी व्यक्तित्व के मालिक थे। सही अर्थों में प्रगतिशील और धर्मनिरपेक्ष मूल्यों को जीवन में उतारने वाले। उनका बाहर और भीतर एक समान था। उनकी सुनाई प्रिय कविता मुझे याद आ रही है, 'नार लव दाइ लाइफ नार हेट/बट व्हाट दो लिवेस्ट लिव वेल/हाउ लांग ऑर शार्ट/परमिट टु हेवेन।' कृपानंदन जी के भीतर कविता की गजब की समझ थी। अक्सर वे कहने लगे थे कि मशीनों के इस हंगामी दौर में जहां हर वक्त हर तरफ शोर ही शोर है, कविता की नर्म-ओ-नाजुक आवाज पनप सकती है कहीं? बालजती मुहल्ले में उनके बेटों की रिहायश और उनके द्वारा संस्थापित दो विद्यालय हमें उनकी याद दिलाने के लिए काफी हैं, पर उनमें उनके विचारों की महक नहीं। विगत दिनों उनकी पत्नी जकिया का भी निधन हो गया जो एक प्रेमकथा का भी अवसान था।

400 पार में कितनी धार

रघोत्तम शुक्ला
सेवानिवृत्त पीसीएस

लोकसभा चुनाव प्रारंभ हैं। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी ने एक आकर्षक नारा दिया है, "अबकी बार चार सौ पार" यानी कुल 543 सीटों में यह पार्टी अपनी झोली में इतनी सीटें आ जाने की दम भर रही है। मीडिया का एक वर्ग तरह-तरह की खींचतान करके यह संख्या पौने चार सौ तक पहुंचा भी रहा है, लेकिन जमीनी हकीकत इससे मेल नहीं खाती। दक्षिण में इस दल का प्रभाव अत्यंत अल्प है। पश्चिम बंगाल में दूसरे नंबर पर और ओडीसा में सत्तारूढ़ पटनायक से तालमेल न बैठ पाने के कारण काफी कम। यूपी के पश्चिमी भाग, हरियाणा, पंजाब में अनेक जगह भाजपा विरोधी साइन बोर्ड लगे हैं कि भाजपाई यहां न आएं। विगत में केंद्रीय राज्य मंत्री संजीव बालियान के काफिले पर पथराव तक हुआ जिसमें कई भाजपाई कार्यकर्ता घायल हुए। सदा भाजपा का साथ देने वाला क्षत्रिय समुदाय इस बार विरोध में है। ठाकुर चौबीसी गाजियाबाद से पूर्व सेनापति वीके सिंह का टिकट कटने व अपने वर्ग की उपेक्षा से असंतुष्ट है और विरोध में पंचायतें कर रहा है। डैमेज कंट्रोल के लिए स्वयं मुख्यमंत्री योगी और राजनाथ सिंह के विधायक पुत्र पंकज सिंह को दौड़ना पड़ा, जो क्षत्रिय हैं।

हरियाणा में मनोहर लाल खट्टर भले ही हटा दिए गए हैं, किंतु उनकी और सहयोगी रही जजपा की किसान विरोधी छवि उभर चुकी थी जिसका प्रभाव विरोध प्रदर्शनों के रूप में वहां साफ दिख रहा है। राजस्थान में असंतुष्ट वसुंधरा राजे सिंधिया, स्टार प्रचारक होते हुए भी, अपने पुत्र दुष्यंत सिंह के निर्वाचन क्षेत्र झालावाड़ के अतिरिक्त कहीं पार्टी प्रचार में नहीं जा रहीं हैं। वे प्रधानमंत्री की सभा में भी नहीं गईं। उनका जनता पर प्रभाव है और विगत विधानसभाई चुनावों की सभाओं में राजनाथ और गडकरी उनकी तारीफ करते रहे हैं। यही हाल मध्य प्रदेश में शिवराज सिंह का है, जिन्हें मोदी शाह ने किनारे लगा दिया है। शिवराज केवल विदिशा तक अपने को सीमित किए हैं, जबां से वे खड़े हैं। पीलीभीत से टिकट कटने के बाद सांसद वरुण गांधी यहां के चुनावी प्रचार से दूर हैं, उनका टिकट कटने से सिख खास तौर से नाराज हैं। नेहरू-गांधी परिवार से होने के कारण वरुण की राष्ट्रीय पहचान है। उत्तराखंड में अग्निवीर योजना को लेकर गहरा असंतोष है, यहां बहुसंख्यक फौजी हैं। बिहार में अब मोदी और नीतीश मंच साझा नहीं कर रहे हैं। एक सभा में नीतीश चार सौ को चार हजार कह गए, तो मोदी उनके मुंह की तरफ देखने लगे। साथ ही अब तक कथित सेकुलर पाले में रहे नीतीश अपने मुख्यमंत्रित्व काल मे सामाजिक सद्भाव की बात रेखांकित कर देते हैं जिसका मतलब हिंदू मुस्लिम एकता से होता है, किंतु भाजपा हिंदू वोटों का ध्रुवीकरण चाह रही है। अतः भाजपा कार्यकर्ताओं को यह एकता राग रास नहीं आता है। इस बार विपक्षी गठबंधन काफी कुछ मिलकर टक्कर दे रहा है, भले ही बाद में आपस में लड़ें। ऐसे में चार सौ पार का यह नारा अतिरंजित और अहंकार मूलक ही लग रहा है और सहयोगी दल तो कभी भी कही खिसक सकते हैं।

पिथौरागढ़ जिले के सीमांत मोस्टामानू मतदान केंद्र पर मतदान के लिए अपनी बारी के इंतजार में बैठे मतदाता। ● अमृत विचार

बागेश्वर के राइंका गरुड़ बूथ में मतदान के लिए कतार में खड़े लोग। ● अमृत विचार

ईवीएम में खराबी, मतदान प्रभावित

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार : शुक्रवार को जिले में अनेक स्थानों पर ईवीएम मशीनों में खराबी आने के कारण चुनाव कुछ देर के लिए प्रभावित होने की खबरें भी सामने आई।

जिले के सल्ट विकासखंड के मतदान केंद्र झीपा में सुबह 7 बजे मतदान शुरू हो गया था, लेकिन करीब डेढ़ घंटे के बाद अचानक ईवीएम मशीन में खराबी आ गई और मतदान रूक गया। जिसके बाद पोलिंग पार्टी ने दूसरी मशीन से मतदान शुरू कराने का प्रयास किया। लेकिन उसमें भी कामयाबी नहीं मिल पाई। सूचना के बाद यहां मतदान के लिए नई मशीन उपलब्ध कराई गई। सल्ट के गड़कोट बूथ पर भी ईवीएम मशीन में मतदान के दौरान खराबी आ गई, लेकिन यहां बाद में दूसरी मशीन से मतदान शुरू करवा दिया गया। चौखुटिया विकासखंड के नागाड़ में भी ईवीएम खराब होने के कारण करीब एक घंटा मतदान का प्रभावित रहा। हालांकि बाद में दूसरी ईवीएम लगाने के बाद मतदान शुरू हुआ।

अल्मोड़ा संसदीय सीट पर 44.43 फीसदी मतदान

जनपद पिथौरागढ़ में 48.78, अल्मोड़ा में 45.44, बागेश्वर में 54.11 और चम्पावत में 51.38 प्रतिशत पड़े वोट

लोकसभा चुनाव-2024

- सुबह सात बजे से शुरू हुई मतदान प्रक्रिया
- शाम 5 बजे तक मतदान के लिए बूथों में लगी रही लाइन

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार : लोकसभा निर्वाचन के लिए उत्तराखंड की पांच सीटों में से एक अल्मोड़ा संसदीय सीट पर मतदान की प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गई है। कुल 44.43 फीसदी मतदान हुआ। जिसमें पिथौरागढ़ जिले में 48.78, अल्मोड़ा में 45.44, बागेश्वर में 54.11 और चम्पावत में 51.38 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मत का प्रयोग किया।

शुक्रवार को सुबह 7 बजे से चारों जिलों में मतदान की प्रक्रिया शुरू हुई। मतदाता मतदान शुरू होने से पहले ही केंद्रों पर पहुंचने शुरू हो गए थे। सुबह के समय मतदान की रफ्तार थोड़ी कम रही, लेकिन दोपहर होने तक मतदान ने रफ्तार पकड़ ली। दोपहर बाद मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की भीड़ कम दिखी। करीब साढ़े तीन बजे के आसपास फिर से मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की भीड़ एकत्र होनी शुरू हो गई। शाम के समय कई जगहों पर मतदाताओं को मतदान केंद्रों में अपनी बारी का इंतजार करने के लिए लाइनों में लगना पड़ा। चुनाव शांतिपूर्वक सम्पन्न कराने के लिए चारों जिलों के जिला निर्वाचन अधिकारी और एसएसपी अपने-अपने जिलों पर नजर बनाए हुए थे। सुरक्षा के चाक-चौबंद इंतजाम किए गए थे। देर शाम चारों जिलों के जिला निर्वाचन अधिकारियों ने अपने-अपने जिलों के मतदान प्रतिशत की घोषणा की। साथ ही शांतिपूर्ण मतदान के लिए चुनाव कार्मिकों को शुभकामनाएं भी दी।

अल्मोड़ा में मतदान के बाद परिजनों के साथ भाजपा प्रत्याशी अजय टम्टा।

वापस लौटने लगी पोलिंग पार्टियां

अल्मोड़ा, अमृत विचार : लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 के लिए सफलता पूर्वक चुनाव सम्पन्न कराने के बाद लोकसभा सीट के चारों जिलों में तैनात पोलिंग पार्टियां वापस लौटनी शुरू हो गई हैं। शुक्रवार की रात करीब आठ बजे के आसपास से पिथौरागढ़, अल्मोड़ा, बागेश्वर और चम्पावत जिले के नजदीकी मतदान केंद्रों की टीमें लौटनी शुरू हो गई थी। चुनाव कार्मिक वापस लौटने के बाद संबंधित जिलों के स्ट्रांग रूम पहुंचे और अपनी-अपनी ईवीएम मशीनें जमा कराईं। चुनाव अधिकारियों के मुताबिक रात भर पोलिंग पार्टियों के लौटने का सिलसिला चलता रहा। ईवीएम मशीनें स्ट्रांग रूम में कड़े पहरे में जमा कर दी जाएंगी। शनिवार को भी दूरस्थ क्षेत्रों कर पोलिंग पार्टियों के लौटने का सिलसिला जारी रहेगा।

कहां कब कितने प्रतिशत हुआ मतदान

समय	अल्मोड़ा	पिथौरागढ़	बागेश्वर	चम्पावत
7 से 9 बजे तक	10.02	10.15	13.02	13.42
9 से 11 बजे तक	23.95	23.38	27.79	28.71
11 से 1 बजे तक	33.24	32.60	37.75	37.53
1 से 3 बजे तक	38.32	38.98	44.71	42.72
3 से 5 बजे तक	45.37	48.67	54.11	51.03

अल्मोड़ा में मतदान के बाद परिवार के साथ कांग्रेस विधायक मनोज तिवारी।

केंद्रों पर सुबह कतार, दिन में सन्नाटा

मत डालने के बाद डीएम अनुराधा।

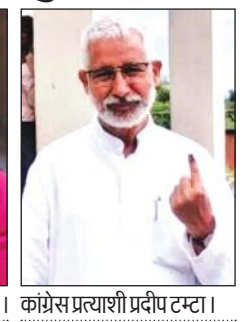
कांग्रेस प्रत्याशी प्रदीप टम्टा।

दर्जा राज्य मंत्री शिव सिंह बिष्ट।

कपकोट विधायक सुरेश गड़िया।

- बागेश्वर जनपद में हुआ 54.11 प्रतिशत मतदान

संवाददाता, बागेश्वर

अमृत विचार : जनपद में लोकसभा चुनाव शांतिपूर्ण संपन्न हो गया। सुबह 7 बजे मतदान केंद्रों में मतदाताओं की कतार दिखी, लेकिन दोपहर में कई मतदान केंद्रों में सन्नाटा छा गया। सायंकाल करीब 3 बजे के बाद मतदान केंद्रों में मतदाताओं की कतार लग गई। शाम 5 बजे बाद भी मतदाताओं ने अपने मत का प्रयोग किया। इस प्रकार जनपद में कुल 54.11 फीसदी मतदान हुआ।

जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी अनुराधा पाल ने विभिन्न बूथों का निरीक्षण किया। अधिकांश मतदान केंद्रों में सुबह के समय ही मतदाताओं ने अपने मत का प्रयोग किया। जैसे-जैसे तापमान बढ़ता रहा वैसे-वैसे मतदान केंद्र सूने होने लगे। दोपहर 3 बजे के बाद फिर से मतदाताओं ने केंद्र की ओर रूख किया। मतदान शांतिपूर्ण संपन्न होने के बाद महाविद्यालय स्थित स्ट्रांग रूम में ईवीएम मशीनों को रखने का सिलसिला शुरू हो गया। जिला अधिकारी अनुराधा पाल ने बताया कि ईवीएम रिसीव करने के लिए पूरी रात स्ट्रांग रूम में मतदान कार्मिकों की तैनाती की गई है। सुबह तक ईवीएम मशीन के रिसीव करने का सिलसिला जारी रहेगा। इधर, डीएम अनुराधा पाल ने राजकीय बालिका इंटर कॉलेज बागेश्वर में मतदान किया।

वहीं, कांग्रेस लोकसभा प्रत्याशी प्रदीप टम्टा ने बागेश्वर के प्राथमिक विद्यालय लोब में मतदान किया। इससे पूर्व उन्होंने अपने पैतृक आवास लोब में गृह देवता के मंदिर में पूजा-अर्चना की। इसके अलावा दर्जा राज्य मंत्री शिव सिंह बिष्ट ने देवनाई पूर्वी मतदान केंद्र, क्षेत्रीय विधायक पार्वती दास ने जिला पंचायत बूथ तथा कपकोट विधायक सुरेश गड़िया ने प्राथमिक विद्यालय गोलना बूथ में मतदान किया।

मतदान को लेकर बुजुर्गों में दिखा उत्साह

बागेश्वर : जनपद के कई मतदान केंद्रों में बुजुर्गों में मतदान को लेकर उत्साह दिखा। प्राथमिक विद्यालय बहुली में 68 वर्षीय गागुली देवी व दयोरड़ा बूथ में 90 वर्षीय नारायण दत्त तिवारी ने मतदान किया। कहा कि उन्होंने देश व युवाओं के हित का ध्यान रखते हुए मतदान किया है।

रानीखेत में मतदाताओं में दिखा उत्साह, 44.5 प्रतिशत मतदान

- कैंट क्षेत्र में बनाए गये थे कुल 14 मतदान केंद्र

संवाददाता, रानीखेत

अमृत विचार : लोकसभा चुनाव के लिए मतदान शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो गया। रानीखेत विधानसभा में सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक कुल 44.5 प्रतिशत मतदान हुआ।

मतदान को लेकर मतदाताओं में खासा उत्साह दिखाई दिया। सुबह से ही मतदान स्थलों पर मतदाताओं की लाइन लगी रही। हालांकि दोपहर के समय अधिकांश बूथों में संख्या कम ही रही। अपराह्न 3 बजे से बूथों में भीड़ बढ़ती चली गई। रानीखेत कैंट क्षेत्र में कुल 14 मतदान केंद्र बनाए गए थे।

जिसमें कैंट इंटर कॉलेज, मिशन इंटर कॉलेज, नेशनल इंटर कॉलेज, उच्चतर माध्यमिक सरस्वती विद्यालय, केंद्रीय विद्यालय आदि थे। इसके अलावा मालरोड व चौबटिया में भी बूथ बनाए गए थे। चिलियानौला नगर पालिका क्षेत्र में दो बूथों में हुआ मतदान।

इधर, नैनीताल-ऊधमसिंह नगर संसदीय सीट से भाजपा प्रत्याशी अजय भट्ट ने सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में पत्नी के साथ मतदान किया।

वहीं कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने केंद्रीय विद्यालय में मतदान किया। क्षेत्रीय विधायक प्रमोद नैनवाल ने भिकियासैंण स्थित मतदान केंद्र में मतदान किया।

रानीखेत में मतदान के बाद भाजपा प्रत्याशी अजय भट्ट। ● अमृत विचार

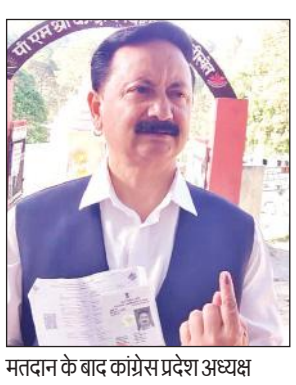
मतदान के बाद कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा। ● अमृत विचार

मतदान के बाद क्षेत्रीय विधायक प्रमोद नैनवाल। ● अमृत विचार

मत डालने के बाद दुल्हन लेने रवाना हुए मोहन

रानीखेत : शुक्रवार को मतदान के दिन क्षेत्र में कई विवाद कार्यक्रम हुए। विवाह से पहले दूल्हा और दुल्हन ने लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए मतदान को अहमियत दी। ताड़ीखेत ब्लॉक के चौगांव फल्दाकोट पट्टी स्थित सिलंगी में मोहन सिंह ने पहले मतदान किया। उसके बाद दुल्हन लाने के लिए रानीखेत की ओर रवाना हुए। दूल्हा के वेश में मोहन ने साथियों के साथ सिलंगी बूथ पहुंचकर अपने मत का प्रयोग किया।

रानीखेत में मतदान केंद्र पर दूल्हा मोहन सिंह।

कहीं बारात चढ़ने तो कहीं विदाई से पहले मतदान

- नए जीवन के उत्साह के साथ नई सरकार चुनने का भी दिखा जुनून

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार : 19 अप्रैल को परिणय सूत्र में बंधने वाले वर-वधू में अपने नए जीवन को लेकर जितना उत्साह था, उतना ही जुनून उनमें देश की नई सरकार चुनने को भी दिखाई दिया। कहीं विदाई के बाद अपने नए घर पहुंचने से पहले दुल्हन मतदान केंद्र पहुंची तो कहीं विवाह के मांगलिक कार्य शुरू होने से पहले ही वर-वधू ने अपने मतदान का प्रयोग किया।

जिले के द्वाराहाट इंटर कॉलेज में बने बूथ पर घोड़ी चढ़ने से पहले सजधज कर तैयार ललित चंद्र भट्ट अपने परिजनों के साथ मतदान करने पहुंचे। सल्ट विकासखंड के राजकीय इंटर कॉलेज झीपा में दूल्हा कार्तिक और उनकी जीवन संगिनी किरन ने एक साथ मतदान किया। अल्मोड़ा के बख निवासी नेहा ने भी विवाह के मांगलिक कार्य शुरू होने से पहले बूथ पर जाकर अपने मत का प्रयोग किया। हवालबाग ब्लॉक के महेंद्र प्रकाश की बारात भी शुक्रवार को घर लौटी तो महेंद्र अपनी नई नवेली दुल्हन कविता के साथ उड़ियारी मतदान केंद्र पहुंचे और मतदान किया। वहीं लमगड़ा विकासखंड में बारात चढ़ने से पहले दीपक नाथ गोस्वामी सजधज कर अपने परिजनों के साथ स्यूनानी मतदान केंद्र पहुंचे और मतदान किया।

द्वाराहाट इंटर कॉलेज में परिजनों के साथ मतदान करने पहुंचे ललित चंद्र भट्ट। ● अमृत विचार

सल्ट के झीपा में दुल्हन को घर ले जाने से पहले मतदान केंद्र पहुंचे कार्तिक। ● अमृत विचार

लमगड़ा के स्यूनानी बूथ पर नई नवेली दुल्हन के साथ मतदान करने पहुंचे दीपक गोस्वामी। ● अमृत विचार

उम्र ढल गई पर जज्बा अब भी जवान

- बुजुर्ग और दिव्यांग बोले, हम भी किसी से नहीं कम

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार : उम्र का तकाजा भले ही चेहरे पर झुर्रियां पढ़ने का सबब बन गया हो, लेकिन देश के बेहतर भविष्य के लिए सरकार चुनने के जज्बे में आज भी कोई कमी नहीं आई। इस जज्बे का ही कमाल था कि घर पर ही मतदान की सुविधा मिलने के बावजूद 85 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्ग मतदाता शुक्रवार को लाठी के सहारे ही सही लेकिन खुद बूथ पर पहुंचे और अपने मत का प्रयोग कर यह साबित कर दिया कि वह भी किसी से कम नहीं हैं।

मतदान केंद्रों पर बुजुर्गों का उत्साह देखने लायक था। अल्मोड़ा जिले के सरकार की आली बूथ पर 88 वर्षीय बसंती तिवारी खुद चलकर मतदान केंद्र तक पहुंची और मतदान किया। इसी बूथ पर 98 वर्षीय चंद्रा कांडपाल को व्हील चेयर की मदद से मतदान केंद्र तक लाया गया और उन्होंने स्वयं अपने मत का प्रयोग किया। रानीखेत विधानसभा के मोवड़ी और सोनी मतदान केंद्रों पर कुछ बुजुर्गों को डोली के सहारे मतदान केंद्र तक लाया गया। पिथौरागढ़ जिले के मतदान केंद्र मड़ में भी 85 वर्ष से अधिक उम्र की एक बुजुर्ग महिला को व्हील चेयर की मदद से मतदान केंद्र तक लाया गया। जहां उन्होंने स्वयं अपने मत का प्रयोग किया।

लोकसभा के बागेश्वर और चम्पावत जिले में भी मतदान के दौरान बुजुर्गों में उत्साह दिखाई दिया। चारों जिलों में दिव्यांग मतदाताओं ने भी डोली, व्हील चेयर व स्वयंसेवकों की मदद से मतदान केंद्र पहुंचकर मतदान किया। अल्मोड़ा जिले समेत पिथौरागढ़, बागेश्वर और चम्पावत में ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मी भी दिनभर बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाताओं की मदद करते दिखाई दिए।

अल्मोड़ा में बुजुर्ग मतदाताओं को सहारा देकर उनकी मदद करते पुलिस कर्मी।

पिथौरागढ़ के मड़ मतदान केंद्र पर व्हील चेयर की मदद से आतीं बुजुर्ग महिला।

जंगल की आग से मतदान कर्मी की बाइक जली

अल्मोड़ा : सल्ट विकासखंड में लोकसभा निर्वाचन में तैनात एक कार्मिक की बाइक जंगल में लगी आग की चपेट में आ गई है। उच्चतर माध्यमिक विद्यालय महरगांव में तैनात अतिथि शिक्षक दिनेश सिंह रावत की वेबकास्टिंग में प्राथमिक विद्यालय भ्याड़ी बूथ में ड्यूटी लगी है। उन्होंने बताया कि वह बुधवार को ड्यूटी के लिए अपनी बाइक संख्या यूके-19-3102 से बूथ को जाने वाली सड़क तक पहुंचे। उन्होंने कुछ दूरी पर सड़क किनारे बाइक खड़ी की और वहां से पैदल मतदान केंद्र की ओर चले गए। बीते गुरुवार को अचानक आसपास के जंगल की आग सड़क तक पहुंच गई। जिसने बाइक को अपनी चपेट में ले लिया। आग की चपेट में आने के कारण बाइक जल गई। शिक्षक रावत ने कहा कि चुनाव के बाद इस मामले की पुलिस में तहरीर दी जाएगी।

बसंती ने बेटे और पोते के साथ किया नए बूथ पर पहला मतदान

संवाददाता, टनकपुर

अमृत विचार : लोकसभा चुनाव के पहले चरण में हुए मतदान में कई बूथों पर बुजुर्ग मतदाताओं ने परिजनों के साथ पहुंचकर मतदान किया। वहीं चम्पावत जनपद के पाटन पाटनी गांव के पंचायतघर में मतदाताओं की सुविधा के लिए निर्वाचन आयोग ने एक नया मतदान केंद्र बनाया था।

इस नये बूथ का उद्घाटन बुजुर्ग मतदाता बसंती देवी पांडेय ने पहला मतदान कर किया। उनके साथ पुत्र भगवत प्रसाद पांडेय, पौत्र शशांक पांडेय ने भी मतदान किया। तीन पीढ़ियों के एक साथ मतदान किये जाने पर केंद्र में उपस्थित अन्य मतदाताओं और मतदान कार्मिकों ने उनकी सराहना की। वहीं चम्पावत जीआईसी बूथ में वृद्ध दंपति 94 वर्षीय उमेश चंद्र पंत व उनकी धर्मपत्नी सरस्वती पंत ने मतदान किया। टनकपुर के सैलानीगोठ बूथ में 89 वर्षीय मथुरा देवी ने परिजनों के साथ बूथ में आकर मतदान किया।

जिले के उपेक्षित वनराजी जनजाति बाहुल्य गांव खिरद्वारी में बने यूनिक बूथ में एक 85 वर्षीय मतदाता ने मतदान किया।

चम्पावत में मत डालने पहुंचे 94 वर्षीय दंपति उमेश पंत व उनकी धर्मपत्नी।

मतदान के बाद अपने बेटे और पोते के साथ बुजुर्ग बसंती देवी। ● अमृत विचार

मटयोली के पांच गांवों ने नहीं डाले वोट

यातायात सुविधा की मांग पूरी न होने पर किया चुनाव बहिष्कार, जताई नाराजगी

बागेश्वर में चुनाव का बहिष्कार करते मटयोली के ग्रामीण। ● अमृत विचार

संवाददाता, बागेश्वर

अमृत विचार : निर्वाचन आयोग की लगातार अपील के बाद भी मटयोली के ग्रामीणों ने मतदान नहीं किया। उन्होंने कहा कि जब तक उन्हें यातायात सुविधा नहीं मिलेगी वे प्रत्येक चुनाव का बहिष्कार करेंगे। मटयोली क्षेत्र के वल्ला नैल चमोली, पल्ला नैल चमोली, तल्ला मटयोली व पल्ला मटयोली व ताछनी के ग्रामीणों ने हरूनाथ से ताछनी तक मोटर मार्ग का निर्माण किए जाने व ताछनी से गुरना तक मोटर मार्ग में डामरीकरण की मांग को लेकर पूर्व में ही चुनाव बहिष्कार की चेतावनी दी थी।

इसके बाद प्रशासन ने कई बार अलग-अलग टीमों को भेजकर ग्रामीणों को मनाने का प्रयास किया, लेकिन ग्रामीण नहीं माने। उन्होंने चुनाव प्रचार में आने वाले प्रत्येक कार्यकर्ता को भी अपनी मांगों व निर्णय से अवगत कराया। इधर, शुक्रवार को लोकसभा चुनाव में क्षेत्र के लगभग 500 मतदाताओं ने चुनाव बहिष्कार किया। आंदोलनकारी भगवत सिंह बिष्ट ने बताया कि किसी भी ग्रामीण ने मतदान नहीं किया है। बूथ में कुछ कर्मचारियों ने ईडीसी के तहत मतदान किया है, जो कि ग्रामीणों के वोट नहीं हैं।

संघर्ष समिति सदस्यों व परिजनों ने किया बहिष्कार

रानीखेत : रानीखेत छावनी की सिविल एरिया को नगर पालिका चिलियानौला में मिलाने की मांग को लेकर रानीखेत विकास संघर्ष समिति के सदस्यों और उनके परिजनों ने लोकसभा चुनाव की मतदान प्रक्रिया में भाग नहीं लिया। संघर्ष समिति के संयोजक मंडल ने पूर्व में ही चुनाव बहिष्कार का ऐलान कर दिया था। इस बावत संयुक्त मजिस्ट्रेट से पूर्व में हुई उनकी वार्ता विफल रही थी। नगर पालिका की मांग को लेकर समिति के बैनर तले एक साल तक धरना भी दिया गया। आंदोलनकारियों का कहना था कि छावनी परिषद में लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। चिलियानौला नगर पालिका में वह लोग सिविल एरिया को शामिल करने की मांग कर रहे थे, लेकिन धरने के बावजूद मांग पूरी नहीं हो सकी। आचार संहिता लगने से पहले ही संयोजक मंडल ने चुनाव बहिष्कार का ऐलान कर दिया था। इसके लिए लोगों को भी जागरूक किया गया। इस बीच प्रशासन ने भी उन्हें मनाने का प्रयास किया, लेकिन आंदोलनकारी फैसले पर अडिग रहे। संयोजक मंडल के गिरीश भगत ने बताया कि संघर्ष सदस्यों और उनके परिजनों के अलावा कई अन्य लोगों ने भी मतदान प्रक्रिया में भाग नहीं लिया है।

> मटयोली के ग्रामीणों ने चुनाव का बहिष्कार किया है। उन्हें मनाने के लिए प्रशासन अब भी प्रयास कर रहा है। ग्रामीणों की मांग सड़क वन मंत्रालय में लंबित है तथा सड़क स्वीकृत करने की कार्रवाई चल रही है। ग्रामीणों का चुनाव बहिष्कार उचित नहीं है। – **अनुराधा पाल, डीएम बागेश्वर**

जनपद में चप्पे-चप्पे पर रहा पुलिस का कड़ा पहरा

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार : शुक्रवार को अल्मोड़ा जिले में सुरक्षा के चाक-चौबंद प्रबंध किए गए थे। चुनाव किसी तरह से प्रभावित न हो, इसके लिए जिले में 15 सौ से अधिक पुलिस कर्मी, अर्द्ध सैनिक बल और होमगार्ड के जवानों समेत सैकड़ों अधिकारी ड्यूटी पर लगाए गए थे।

सुरक्षा के लिहाज से जिले को एक सुपर जोन, 23 जोन और 95 सेक्टरों में बांटा गया था। चुनाव के शुरू होने से पहले ही सुरक्षा कर्मी अपने-अपने बूथों पर पहुंच गए थे। एसएसपी देवेंद्र पींचा ने मतदान के दौरान अल्मोड़ा जिला मुख्यालय समेत ताकुला, लमगड़ा व अन्य विकासखंडों के मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इधर, पिथौरागढ़ जिले में भी मतदान को लेकर सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए गए थे। जिला निर्वाचन अधिकारी रीना जोशी और एसएसपी रेखा यादव ने जिले के कई मतदान केंद्रों का संयुक्त रूप से निरीक्षण भी किया।

ताकुला विकासखंड के एक बूथ का निरीक्षण करते एसएसपी देवेंद्र पींचा।

लोकसभा सामान्य निर्वाचन को लेकर अल्मोड़ा लोकसभा सीट के सीमांत जिले पिथौरागढ़ के मतदाताओं में मतदान को लेकर काफी जोश दिखाई दिया। बुजुर्ग, दिव्यांग हों या फिर किसी बीमारी से ग्रसित ग्रामीण, सब घरों से बाहर निकले और उन्होंने स्वयं मतदान केंद्रों में जाकर अपने मत का प्रयोग किया। पिथौरागढ़ जिले के आदर्श दिव्यांग बूथ त्रिपुरासुंदरी गंगोलीहाट बूथ पर एक बुजुर्ग महिला मतदाता को डोली पर बिठाकर मतदान केंद्र तक लाया गया।

चम्पावत में 51.38 प्रतिशत मतदान

सैलानीगोठ में मतदान के लिए कतार में खड़े मतदाता। ● अमृत विचार

संवाददाता, टनकपुर/चम्पावत

अमृत विचार : जनपद चम्पावत में मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया। लगभग 51.38 प्रतिशत मतदान हुआ, जिसमें लोहाघाट विधानसभा में 46.65 तथा चम्पावत विधानसभा में 56.46 प्रतिशत मतदान हुआ। शांतिपूर्ण तरीके से मतदान संपन्न होने पर जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी नवनीत पांडेय व पुलिस अधीक्षक अजय गणपति ने निर्वाचन प्रक्रिया में लगे सभी कार्मिकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के महापर्व का यह महान कार्य सभी के आपसी समन्वय व सहयोग से स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्वक तरीके से सम्पन्न हुआ है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि जनपद में शांतिपूर्ण मतदान कराये जाने के बाद पोलिंग पार्टियां जनपद मुख्यालय पहुंचनी शुरू हो गई हैं। जनपद मुख्यालय स्थित गोरल चौड़ में बनाए गए स्ट्रांग रूम में दोनों विधानसभाओं की ईवीएम मशीनों को रखा जा रहा है।

सियासतदानों को अनदेखी का मतदाताओं ने कराया अहसास

- राष्ट्रीय मुद्दे नहीं कर सके प्रभावित तो स्थानीय मुद्दे भी बेअसर
- अल्मोड़ा लोकसभा सीट पर 50 प्रतिशत भी नहीं हुआ मतदान
- 2019 के चुनावों में 49.98 फीसद मतदाताओं ने किया था मत का प्रयोग

बृजेश तिवारी, अल्मोड़ा

अमृत विचार : वर्ष 2024 के लोकतंत्र के महापर्व पर सियासतदानों को अनदेखी आखिरकार भारी पड़ गई। बुनियादी सुविधाओं से जूझ रहे मतदाताओं ने राजनीतिक दलों की उपलब्धियों, दावों और घोषणाओं को सिरे से नकार दिया और मतदान के प्रति बेरूखी दिखाकर अपनी नाराजगी भी जग जाहिर कर दी।

मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के लिए ऐड़ी चोटी का जोर तो लगाया गया, लेकिन बेबसी में जी रहे मतदाताओं ने सियासतदारों को मतदान न कर अपनी नाराजगी का अहसास भी करा दिया। बात प्रदेश की अल्मोड़ा लोकसभा सीट की करें तो इस सीट पर कभी भी मतदान का प्रतिशत 50 के पार नहीं गया। हालांकि वर्ष 2014 में इस सीट पर यह मिथक टूटा था और लोकसभा की 14 विधानसभाओं में करीब 53.22 प्रतिशत मतदान हुआ था। पुराने आंकड़ों पर नजर डालें तो अल्मोड़ा सीट पर पहली बार 1952 में सांसद चुनने के लिए पहली बार चुनाव कराए गए और इस चुनाव में महज 27 फीसद मतदान हुआ। मतदान के प्रतिशत को देखते हुए वर्ष 1957 में हुए स्वतंत्र मतदान में प्रतिशत बढ़ाने के लिए तमाम प्रयास किए गए, लेकिन परिणाम बेहतर आने के बजाय निराशाजनक साबित हुए

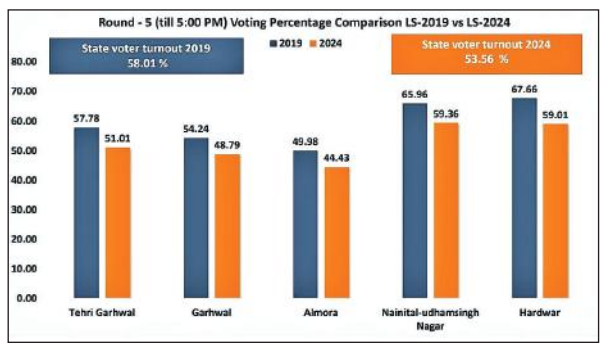

और मतदान का प्रतिशत केवल 19 फीसद रहा। उसके बाद 1962 में 27.30 प्रतिशत, 1967 में 28 प्रतिशत, 1971 में 29 प्रतिशत, 1977 में 44 प्रतिशत, 1980 में 38 प्रतिशत, 1984 में 45 प्रतिशत, 1989 में 44 प्रतिशत, 1996 में 43.38 प्रतिशत, 1998 में 46.45 प्रतिशत और 1999 में केवल 41.82 प्रतिशत लोगों ने लोकसभा चुनावों में अपने मताधिकार का प्रयोग किया। पृथक उत्तराखंड राज्य बनने के बाद यहां वर्ष 2004 में 49.89 प्रतिशत मतदाताओं ने बूथों तक पहुंचकर अपने मत का प्रयोग किया। 2009 में हुए दूसरे चुनाव में यह आंकड़ा घटकर 46.75 प्रतिशत पर रह गया। 2014 के चुनावों में कम मतदान का मिथक टूटा और इस बार रिकार्ड 53.22 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मत का प्रयोग किया। लेकिन नवोदित राज्य के चौथे चुनाव में यह आंकड़ा आगे बढ़ने के बजाय फिर पीछे खिसक गया। 2019 के चुनावों में फिर 49.98 प्रतिशत मतदाता ही मतदान के लिए अपने घरों से बाहर निकले। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनावों में मतदान का प्रतिशत बढ़ाया जा सके, इसके लिए निर्वाचन विभाग की ओर से तमाम कोशिशें की गई। मतदाताओं के लिए सहूलियतें भी बढ़ाई, लेकिन बुनियादी सुविधाओं से जूझ रहे मतदाताओं को इस बार न राष्ट्रीय मुद्दे प्रभावित कर सके और न ही स्थानीय मुद्दों का कोई असर चुनाव में दिखाई दिया। मतदान का प्रतिशत घटकर 44.43 पर आकर अटक गया। मतदान के प्रतिशत में आ रही यह कमी अब कहीं न कहीं इस बात की ओर इशारा करने लगी है कि अब मतदाताओं का विश्वास सियासतदानों से उठने लगा है।

विकास की अनदेखी से नाराज दिखे मतदाता

देवेन्द्र चन्द देवा, टनकपुर

अमृत विचार : लोकसभा चुनाव के पहले चरण में जनपद चम्पावत के दोनों विधानसभा क्षेत्रों के मतदाताओं में विकास की अनदेखी से नाराजगी देखने को मिली।

इससे कई मतदाताओं ने चुनाव का बहिष्कार कर आक्रोश जताया। चम्पावत के उपेक्षित व नेपाल सीमा से लगे गांव थपलियालखेड़ा में 126 मतदाताओं में से महज 27 मतदाताओं ने ही मत का प्रयोग किया। जिसमें 9 मत सरकारी कर्मियों के हैं। वहीं चम्पावत विधानसभा क्षेत्र के नरसिंह डांडा में 711 मत में तीन ही मत पड़े। दो मत गांव के अलावा एक मत चुनाव ड्यूटी में आए सरकारी कर्मचारी का रहा। वहीं इसी विधानसभा क्षेत्र के कोट अमोडी में 742 मतदाताओं में से 212 ने मतदान किया। बताया जाता है कि दो गुट के चलते ग्रामीणों के एक गुट ने यहां भी चुनाव का बहिष्कार किया।

इसके अलावा लोहाघाट विधानसभा क्षेत्र के गोलडांडा में कुल 327 मत में से 17 मत ही पड़े। जिसमें 11 मत गांव से पड़े और 6 मत ड्यूटी पर आये कर्मचारियों ने डालें। चुनाव बहिष्कार का सबसे बड़ा कारण विकास की अनदेखी है। इससे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के विधानसभा क्षेत्र चम्पावत से तीन क्षेत्रों और लोहाघाट क्षेत्र में कांग्रेस विधायक खुशाल सिंह अधिकारी के क्षेत्र के मतदाता नाराज हैं।

पिथौरागढ़ जिले के तीन गांवों ने किया चुनाव बहिष्कार

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार : सीमांत जिले पिथौरागढ़ के तीन गांवों के मतदाताओं ने चुनाव का बहिष्कार किया। पिथौरागढ़ विधानसभा के क्वीतड़, जमतड़ी और क्वारबन बूथ पर एक भी वोट शुक्रवार को नहीं पड़ा। इन तीनों मतदान केंद्रों में करीब 720 मतदाता पंजीकृत थे। इन गांवों के लोग लंबे समय से सड़क निर्माण की मांग कर रहे थे, लेकिन कोई कार्रवाई न होने पर ग्रामीणों ने प्रशासन को चुनाव बहिष्कार की चेतावनी दी थी।

इधर, गंगोलीहाट विधानसभा के भी एक बूथ प्राथमिक विद्यालय बनकोट में ग्रामीणों ने मतदान का बहिष्कार किया। ग्रामीण लंबे समय से बनकोट क्षेत्र को बागेश्वर जिले में मिलाने की मांग करते आ रहे थे, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हो सकी। जिस कारण इस बूथ पर शुक्रवार को एक भी मत नहीं पड़ा।

प्रदेश में जिलेवार सायं 5 बजे तक हुए मतदान का प्रतिशत

हरिद्वार	66.51
नैनीताल	59.10
अल्मोड़ा	45.37
ऊधमसिंह नगर	64.18
पिथौरागढ़	48.67
बागेश्वर	54.11
चंपावत	51.03
चमोली	54.87
उत्तरकाशी	56.40
रुद्रप्रयाग	56.0
टिहरी गढ़वाल	45.30
पौड़ी गढ़वाल	49.05
देहरादून	55.64

मतदाताओं का टीका लगाकर किया स्वागत

अल्मोड़ा : जिले में मतदान को लेकर मतदाताओं में खासा उत्साह दिखाई दिया। जिले में अनेक स्थानों पर बूथों को बेहतरीन तरीके से सजाया गया था।

यूथ बूथ मटेला में गांव के स्वयं सहायता समूह की महिला सदस्यों ने बूथ पर आने वाले मतदाताओं का टीका लगाकर स्वागत किया। जबकि कई जगहों पर सामाजिक संस्थाओं ने मतदाताओं के लिए पीने के पानी और बैठने की व्यवस्था भी कराई थी।

उत्तर प्रदेश

मोटापा बांझपन का मुख्य कारण, रखें विशेष ध्यान

- तीन दिवसीय 35वीं प्रादेशिक वार्षिक गाइनी कॉन्फ्रेंस और हैंड्स ऑन कार्यशाला शुरू
- पहले दिन वरिष्ठ डॉक्टरों ने गर्भावस्था की जटिलताओं के संबंध में दी अहम जानकारी

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : बरेली ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गाइनोकॉलोजिकल सोसायटी की ओर से शुक्रवार को 35 वीं प्रादेशिक वार्षिक गाइनी कॉन्फ्रेंस और हैंड्स ऑन कार्यशाला की शुरुआत की गई।

तीन दिवसीय कॉन्फ्रेंस का पहला सत्र बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के सभागार में लाइव एंडोस्कोपी और क्रिटिकल केयर विधि के विषय पर हुआ। जिसका आरंभ बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति डॉ. केशव कुमार अग्रवाल, प्रति कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार अग्रवाल, कुलपति डॉ. लता अग्रवाल, प्रति कुलपति डॉ. किरण अग्रवाल, स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. कंचन डालमिया, डॉ. कीर्ति दुबे, डॉ. भारती माहेश्वरी ने किया। इस मौके पर कुलपति डॉ. लता अग्रवाल ने बताया कि कार्यशाला में वरिष्ठ डॉक्टरों ने मानव डमी पर गर्भावस्था के दौरान आने वाली जटिलताओं को किस प्रकार एंडोस्कोपी विधि से दूर किया जाता है, इसके संबंध में अहम जानकारी दी। वहीं, एक रिसोर्ट में फिटल मेडिसिन, एआरटी कार्यशाला, कॉसमेटिक गाइनिकोलॉजी को लेकर पैनल डिस्कशन में वरिष्ठ डॉक्टरों ने अपने अनुभव साझा किए। कॉन्फ्रेंस की आयोजन सचिव डॉ. लतिका अग्रवाल ने बताया कि दिल्ली से आईं वरिष्ठ डॉ. आभा मजूमदार ने कृत्रिम गर्भाधान के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिन महिलाओं की महावारी रुक गई हैं, जिनके अंडे विकसित नहीं हो रहे हैं, अब ऐसी दवाएं आ गई हैं, जिनसे अंडे विकसित किए जा सकते हैं। ऐसी महिलाएं भी अब मातृत्व सुख प्राप्त कर सकती हैं। मुंबई से आए डॉ. अमित पटकी ने कहा कि मोटापा आज भी बांझपन का सबसे मुख्य कारण है, इसलिए व्यायाम के साथ खानपान का विशेष ध्यान रखने की जरूरत है। सोसायटी की अध्यक्ष डॉ. मृदुला शर्मा, आयोजन सचिव डॉ. प्रगति अग्रवाल, डॉ. रश्मि शर्मा, डॉ. नीरा अग्रवाल, डॉ. भारती सरन, डॉ. गायत्री सिंह समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

कार्यशाला में बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति डॉ. केशव कुमार अग्रवाल, प्रति-कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार व अन्य।

कार्यशाला का दीप प्रज्जलित कर उद्घाटन करते अतिथि।

शादी में देरी करना गर्भधारण में बन रहा बाधक

दिल्ली से आईं वरिष्ठ स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. ज्योत्सना सूरी ने बताया कि अक्सर महिलाएं सही उम्र में शादी नहीं करती हैं, जिसका दुष्प्रभाव उनके मातृत्व सुख में बाधक बन रहा है। तमाम ऐसे मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें महिलाओं ने 30 से 35 साल के बाद वैवाहिक जीवन में प्रवेश किया। बाद में गर्भधारण करने में उच्च जोखिम उठाना पड़ा, इसलिए जरूरी है कि सही समय पर शादी कर पहले साल में ही गर्भधारण करें। वहीं इस दौरान संयमित खानपान और दिनचर्या से सामान्य प्रसव होने के भी विकल्प काफी बढ़ जाते हैं।

पेट पर पड़ गए हैं निशान तो न घबराएं

गुरुग्राम से आए वरिष्ठ कॉसमेटिक गाइनिकोलॉजी विशेषज्ञ डॉ. नवनीत मग्गों ने बताया कि प्रसव के कुछ साल के बाद ही महिलाओं में खांसते, सोते या फिर कोई शारीरिक गतिविधि करते समय अचानक पेशाब आ जाता है, जिससे महिलाएं घबरा जाती हैं। दूसरों इस बारे में बताने पर भी संकोच करती हैं, इसके साथ ही प्रसव के कुछ दिनों बाद ही पेट पर निशान पड़ने की समस्या महिलाओं में सबसे अधिक है, लेकिन कॉसमेटिक गाइनिकोलॉजी विधि के माध्यम से इन बीमारियों का इलाज संभव है।

अवसाद, करियर की चिंता बिगाड़ रही दांपत्य जीवन

आगरा से आईं वरिष्ठ आईवीएफ विशेषज्ञ डॉ. जयदीप मल्होत्रा ने बताया कि इस बदलते परिवेश में गर्भधारण करना महिलाओं के लिए चुनौती बन गया है। भागदौड़ भरी जिंदगी और करियर की चिंता के चलते अधिकांश महिला और पुरुषों का दांपत्य जीवन प्रभावित हो रहा है। साथ ही फास्ट और जंक फूड, मोबाइल फोन का अत्यधिक उपयोग करना भी शुक्राणुओं की संख्या को प्रभावित कर रहा है, जिसमें सुधार करना बेहद आवश्यक है।

अब गर्भाशय में ही बच्चे को चढ़ाया जा सकता है ब्लड

नई दिल्ली स्थित एम्स की पूर्व प्रोफेसर डॉ. दीपिक डेका ने बताया कि चिकित्सा पद्धति में लगातार विस्तार हो रहा है। अगर किसी महिला के गर्भ में पल रहे शिशु की जांच करने पर वह एनीमिया (खून की कमी) से ग्रसित मिलता है तो इंट्रा यूट्राइन ब्लड ट्रांसफ्यूजन के माध्यम से गर्भाशय में ही बच्चे को ब्लड चढ़ाया जा सकता है। हालांकि, इस विधि से खून चढ़ाने की आवश्यकता अधिकांश जुड़वां बच्चों में होती है। वहीं अधिकांश मरीजों का अल्ट्रासाउंड जांच कराने पर जोर अधिक रहता है। इसलिए बिना कुशल डॉक्टर की सलाह के जांच न कराएं।

कांफ्रेंस में आज

आयोजन सचिव डॉ. लतिका अग्रवाल ने बताया कि शनिवार को पद्मश्री डॉ. ऊषा शर्मा, डॉ. अमित पटकी, डॉ. आभा मजूमदार, डॉ. शिखा सेठ अन्य डॉक्टरों के साथ अपने अनुभव साझा करेंगे।

बस में एडीजी कार्यालय में तैनात सिपाही की 14 लाख की ज्वेलरी चोरी

बरेली, अमृत विचार : सुभाषनगर थाना क्षेत्र में रामगंगा पुलिस चौकी के पास रोडवेज बस में एडीजी कार्यालय में तैनात सिपाही का ट्राली बैग काट कर चोरों ने 14 लाख रुपये की ज्वेलरी चोरी कर ली। रास्ते में चोर उतरने लगे तो शक के आधार पर सिपाही ने उनका पीछा किया लेकिन चोर भाग गए। सुभाषनगर पुलिस ने तीन अज्ञात चोरों खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुरानी पुलिस लाइन निवासी सिपाही महेशचंद्र रघुवंशी ने बताया कि वह एडीजी कार्यालय में तैनात हैं। एटा में उनके साले के बेटे की शादी थी। वह बुधवार शाम 4 बजे पुराने बस अड्डे से बस में सवार होकर एटा जा रहे थे। उनके पास एक ट्राली बैग था। उन्होंने बैग को बस की गैलरी में रखा था। उन्होंने बताया कि तीन युवक बदायूं रोड पर रामगंगा पुलिस चौकी से कुछ पहले बस रुकवाकर उतर गए। जबकि तीनों ने बिनावर जाने के लिए टिकट लिए थे। शक के आधार पर उन्होंने बैग देखा तो साइड से कटा हुआ था और बैग में रखा सामान भी गायब था।

मुंबई की ट्रेन में बुकिंग खुलने के कुछ घंटे बाद ही वेटिंग

बरेली, अमृत विचार : मुंबई सेंट्रल-काठगोदाम समर स्पेशल ट्रेन में शुक्रवार को बुकिंग खुलने के कुछ घंटे बाद ही वेटिंग शुरू हो गई। ट्रेन का संचालन 24 अप्रैल से होगा। मुंबई से बरेली आने के टिकट लगातार बुक हो रहे हैं, हालांकि बरेली से मुंबई से बरेली के लिए अभी टिकट उपलब्ध हैं। यात्रियों की मांग पर रेलवे ने 09075 मुंबई सेंट्रल काठगोदाम समर स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिा है। ट्रेन के लिए शुक्रवार से बुकिंग शुरू हुई। ट्रेन में अगले तीन सप्ताह के लिए बरेली से मुंबई के लिए कोई टिकट नहीं बचा। ट्रेन में मई के पहले सप्ताह तक वेटिंग दिखा रहा है। दूसरे सप्ताह के भी चंद टिकट बचे हुए थे। ट्रेन की स्लीपर श्रेणी में 24 अप्रैल को 48 वेटिंग, एक मई को 22 वेटिंग, 8 मई को 16 वेटिंग, 15 मई को 15 टिकट उपलब्ध, 22 मई को 140 टिकट उपलब्ध और 29 मई को 145 टिकट उपलब्ध ऑनलाइन दिखा रहा था। वहीं एसी श्रेणियों में अप्रैल और मई की बुकिंग पहले ही दिन फुल हो गई।

जेवर खरीदने गई महिला से बदसलूकी

- कोतवाली क्षेत्र के बजाजा बाजार में हुई घटना

कार्यालय संवाददाता, चन्दौसी

अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के बाजार बजाया में आर्टीफिशनल ज्वैलरी खरीदने के दौरान दुकानदार व ग्राहक के बीच मारपीट हो गई। जिसमें महिला ग्राहकों ने अपनी बहन व पति के साथ मारपीट करने व जाति सूचक शब्दों का प्रयोग करने का आरोप लगाया है।

महिला की तहरीर पर दो नामजद सहित तीन लोगों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराई है। घटना की वीडिया सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है। जबकि शुक्रवार की देर शाम पुलिस ने दूसरे पक्ष की ओर से एक नामजद समेत तीन लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। कोतवाली क्षेत्र के बजाजा बजार में कन्हैया ज्वैलर्स की दुकान है। गुरुवार की शाम सात बजे मोहल्ला चुन्नी निवासी महिला रचना गौतम पत्नी कपिल कुमार मोनू अपनी बहन राशि, खुश्बू व मां ममता के साथ आर्टीफिशयल ज्वैलरी खरीदने गई। महिला का आरोप है कि ज्वैलरी खरीदने के दौरान दुकानदार भाइयों ने उनसे व बहनों के साथ छेड़खानी करने लगे व विरोध करने पर गाली-गलौज की। इस पर महिला ने फोन करके अपने पति कपिल कुमार मोनू को बुला लिया। जब महिला का पति मौके पर पहुंचा तो दुकानदार दो भाई व एक अन्य उनके साथ मारपीट करने लगे। जिसमें पति व चारों महिलाओं के साथ मारपीट की गई। जिसका आसपास के लोगों ने वीडियो भी बनाया।

राज्य में दूसरे चरण में 26 अप्रैल को डाले जाएंगे वोट, पिछली बार कांग्रेस ने कुल 20 में 15 सीटें जीत ली थीं

डबल डिजिट के फेर में फंसा केरल

मनोज त्रिपाठी

केरल में लोकसभा चुनाव के लिए दूसरे चरण में 26 अप्रैल को वोट डाले जाएंगे। यहां लोकसभा और विधानसभा चुनाव प्रमुख रूप से दो गठबंधनों के बीच तय होता है। कांग्रेस की अगुवाई में यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) और वामपंथी दलों का माकपा की अगुवाई में बना लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट है। 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस यहां सबसे बड़ी पार्टी के रूप में सामने आई थी। यह राहुल गांधी के राज्य की वायनाड सीट से चुनाव लड़ने का असर था कि कांग्रेस को केरल की कुल 20 में 15 सीटों पर जीत हासिल मिली थी। इसके मुकाबले सत्तारूढ़ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) केवल एक सीट जीत सकी थी। इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग ने दो सीटें जीती थी। कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (भाकपा) को एक सीट मिली थी। भाजपा ने करीब 13 फीसदी वोट लेकर चौंकाया था, लेकिन इसके बावजूद पार्टी कोई भी सीट जीतने में सफल नहीं हो सकी थी। कांग्रेस इस बार अपना पिछला प्रदर्शन दोहराना चाहती है, तो भाजपा के साथ ही वामपंथी गठबंधन डबल डिजिट में सीटें जीतने की उम्मीद लगा रहा है।

इस बार के लोकसभा चुनाव में राष्ट्रीय स्तर पर बने इंडिया गठबंधन में वामपंथी दल कांग्रेस के साथ हैं, लेकिन पश्चिम बंगाल की तरह केरल में तस्वीर पुरानी ही है। केरल में वामपंथी दल और इंडिया गठबंधन अलग-अलग चुनाव लड़ रहे हैं। भाजपा इस बार मिशन-400 का लक्ष्य पाने के लिए केरल में वोट प्रतिशत बढ़ाने के साथ कम से कम तीन या चार सीटें जीतने की तरफ देख रही है। यही वजह है कि बीते कुछ समय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आधा दर्जन बार राज्य का दौरा कर चुके हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रहे एके एंटनी के बेटे अनिल एंटनी भाजपा में शामिल हो चुके हैं। 2019 के चुनाव को गठबंधन की सफलता के आधार पर देखें तो यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) ने राज्य में 20 में से 19 सीटें जीती थीं, जबकि लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट की तरफ से माकपा सिर्फ अलप्पुझा सीट पर जीत हासिल कर पाई थी।

कांग्रेस-भाजपा की परीक्षा

13% वोट लेकर भी भाजपा रह गई थी खाली हाथ

- लेफ्ट गठबंधन में माकपा को मिली थी सिर्फ एक सीट

अनिल एंटनी को उतार भाजपा का ईसाई समाज को साधने का प्रयास

- केरल में डबल डिजिट में सीटें जीतने का दावा कर रही भाजपा ने हर सीट पर मजबूत प्रत्याशी उतारे हैं। पथानामथिट्टा से कद्दावर कांग्रेस नेता एके एंटनी के पुत्र अनिल एंटनी को उतार कर पार्टी ने राज्य के ईसाई समुदाय को साधने का प्रयास किया है। अनिल को भाजपा ने राष्ट्रीय सचिव और प्रवक्ता बनाया है। 2019 में इस सीट से कांग्रेस के एंटो एंटनी जीते थे। इस बार भी वह कांग्रेस उम्मीदवार हैं, जबकि लेफ्ट गठबंधन ने पूर्व वित्त मंत्री थॉमस इसाक पर दांव लगाया है।

तिरुवनन्तपुरम में केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर और शशि थरूर के बीच जंग हुई दिलचस्प

- केरल की राजधानी तिरुवनन्तपुरम लोकसभा सीट पर केंद्रीय इलेक्ट्रनिक्स और आईटी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर को भाजपा ने दिग्गज कांग्रेस नेता शशि थरूर के खिलाफ मैदान में उतारा है। शशि थरूर 2019 में इस सीट पर जीत की हैट्रिक लगा चुके हैं। तिरुवनन्तपुरम में भाजपा ने पिछले कुछ वर्षों में अपनी जड़ें तेजी से मजबूत की हैं। इसी का परिणाम है कि 2019 के चुनाव में यहां कांग्रेस और भाजपा में सीधा मुकाबला हुआ था। वामपंथी गठबंधन से उतरा भाकपा का प्रत्याशी तीसरे स्थान पर चला गया था। 2019 में कांग्रेस के शशि थरुर को 4,16,131 वोट मिले थे। भाजपा के कुम्मन राजशेखरन ने 3,16,142 वोट लेकर उन्हें सीधी चुनौती दी थी। इस बार माना जा रहा है कि शशि थरूर को यहां केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर कड़ी टक्कर दे रहे हैं, इन दोनों की लड़ाई में वरिष्ठ भाकपा नेता पूर्व सांसद पन्नयन रवींद्रन तीसरा कोण बना रहे हैं।

त्रिशूर में कांग्रेस नेता मुरलीधरन त्रिकोणीय मुकाबले में फंसते नजर आ रहे

- तीन हाई-प्रोफाइल उम्मीदवारों के कारण त्रिशूर लोकसभा सीट पर भी मुकाबला रोचक हो गया है। कांग्रेस ने यहां से अपने दिग्गज नेता रहे के करुणाकरन के पुत्र के .मुरलीधरन को मैदान में उतारा है। मुरलीधरन वर्तमान में कोझिकोड जिले की वडकारा लोकसभा सीट से सांसद हैं। वह चार बार सांसद और दो बार विधायक रह चुके हैं। त्रिशूर में मुरलीधरन का मुकाबला अभिनेता से नेता बने भाजपा उम्मीदवार सुरेश गोपी और भाकपा प्रत्याशी पूर्व कृषि मंत्री वीएस सुनील कुमार से है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनवरी में सुरेश गोपी के लिए ही त्रिशूर से एनडीए का चुनाव अभियान शुरू किया था। उधर, भाकपा के वीएस सुनील कुमार इस लोकसभा क्षेत्र में जाना-पहचाना चेहरा हैं। मुरलीधरन त्रिशूर को अपना गृह जनपद होने का हवाला दे रहे हैं। इस सीट पर 2019 में कांग्रेस के टीएन प्रतापन ने भाकपा के राजाजी मैथ्यू थॉमस को 93,633 वोटों से हराया था।

2019 में किसको कितनी सीटें और मत प्रतिशत

दल	सीट	प्राप्त वोट	मत प्रतिशत
कांग्रेस	15	7596610	37.3
आईयूएमएल	02	1111697	5.5
केरल कांग्रेस (एम)	01	421046	2.1
आरएसपी	01	499677	2.5
माकपा	01	5270241	25.9
भाकपा	00	1233886	6.1
भाजपा	00	2635810	12.9
अन्य	00	1616249	7.9

2014 के चुनाव में दलीय जनादेश

दल	सीट	प्राप्त वोट	मत प्रतिशत
कांग्रेस	08	5590285	31.1
आईयूएमएल	02	816226	4.5
केरल कांग्रेस (एम)	01	424194	2.4
आरएसपी	01	408528	2.3
माकपा	00	11070	0.1
भाकपा	01	1364010	7.6
भाजपा	00	1856796	10.3
अन्य	07	7504786	41.7

अलाप्पुझा से दो बार के सांसद रहे वेणुगोपाल के सामने माकपा से सीट वापस छीनने की चुनौती

इस बार अलाप्पुझा की सीट माकपा से छीनने के लिए कांग्रेस ने अपने दिग्गज और एआईसीसी महासचिव केसी वेणुगोपाल को मैदान में उतार दिया है। वेणुगोपाल वर्ष 2009 और 2014 के चुनाव में यहां से दो बार सांसद चुने जा चुके हैं। पिछली बार 2019 में यहां से माकपा के ए एम आरिफ चुनाव जीते थे। उन्होंने नजदीकी मुकाबले में कांग्रेस के शनिमॉल उस्मान को मात दी थी। माकपा प्रत्याशी को 4,45,970 तो कांग्रेस उम्मीदवार को 4,36,496 मत मिले थे। भाजपा के डॉ. एसके राधाकृष्णन 1,54,152 वोट पाकर तीसरे स्थान पर रहे थे। मजे की बात यह है कि इस सीट पर बसपा ने भी चुनाव लड़ा था, लेकिन उसके प्रत्याशी प्रसनाथिभम को सिर्फ 2431 वोट मिले थे। इस बार भाजपा ने अलाप्पुझा सीट से शोभा सुरेंद्रन को मैदान में उतारा है।

राहुल गांधी के लिए इस बार वायनाड में वॉक ओवर नहीं

भाकपा की एनी राजा के साथ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के सुरेंद्रन पेश कर रहे हैं कड़ी चुनौती

आज देश की चर्चित और हॉट लोकसभा सीटों में शुमार वायनाड लोकसभा सीट 2009 में अस्तित्व में आई थी। 2009 और 2014 के लोकसभा चुनावों में यहां से कांग्रेस के एमआई शानवास ने जीत दर्ज की थी। 2019 में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने चुनाव लड़कर वायनाड को हाई प्रोफाइल सीट बना दिया। इस सीट पर मुख्य संघर्ष कांग्रेस और भाकपा में ही होता रहा है। लेकिन इस बार भाजपा ने अपने प्रदेश अध्यक्ष के. सुरेंद्रन को मैदान में उतारकर मुकाबला दिलचस्प बना दिया है। भाकपा के टिकट पर नेशनल फेडरेशन ऑफ इंडियन वुमेन की महासचिव और भाकपा की राष्ट्रीय कार्यकारी सदस्य तथा दिग्गज भाकपा नेता डी राजा की पत्नी एनी राजा चुनाव मैदान में हैं। राहुल गांधी पिछले लोकसभा चुनाव में अमेठी में भाजपा की स्मृति इरानी से भले ही हार गए हों, लेकिन वायनाड में उन्होंने बड़ी जीत दर्ज की थी। वायनाड में राहुल गांधी ने कुल पड़े 10,87,783 वोटों में 7,06,367 मत हासिल किए थे। उनके प्रतिद्वंदी पीपी सुनीर को 2,74,597 वोट मिले थे। इस तरह राहुल गांधी ने 4.3 लाख से भी ज्यादा वोटों से जीत का रिकार्ड बनाया था। हालांकि इस बार राहुल गांधी के सामने त्रिकोणात्मक चुनौती नजरआ रही है। भाजपा ने प्रदेश अध्यक्ष के. सुरेंद्रन को मैदान में उतारकर मुकाबला रोचक बना दिया है। सुरेंद्रन 2020 में केरल भाजपा के अध्यक्ष बनने के बाद से लगातार पार्टी को मजबूत करने की कोशिश में लगे हैं। वह अब तक तीन लोकसभा चुनाव लड़े हैं और तीनों में हार का सामना करना पड़ा। इसी तरह सुरेंद्रन ने पांच विधानसभा चुनाव लड़े और सभी में हारे। लेकिन दो मुकाबले कांटे के रहे। इनमें उन्हें मात्र 89 और 745 वोटों से हार का सामना करना पड़ा। वायनाड में तीसरा कोण भाकपा के महासचिव और पूर्व राज्यसभा सांसद डी. राजा की पत्नी एनी राजा बना रही हैं। लेफ्ट गठबंधन ने उनकी जीत के लिए पूरी ताकत भी लगा रखी है।

दक्षिण का दुर्ग जीते बिना कैसे लहराएगा 400 पार का झंडा

महेश शर्मा

अमृत विचार: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नैरेटिव सेट किया, अबकी बार 400 पार और सारा विमर्श इसी के इर्द-गिर्द घूम गया। अब मतदान प्रक्रिया शुरू होने के साथ ही राजग गठबंधन की सीटें क्या इस बार 400 पार होंगी, इसकी परीक्षा भी शुरू हो गई है। 2019 के चुनाव में दक्षिण भारत 130 सीटों में 29 सीटें भाजपा का बेस्ट प्रदर्शन था। लेकिन बड़ा लक्ष्य निर्धारण करने व उसे प्राप्त करने के लिए जीजान से जुटने में माहिर मोदी का आत्मविश्वास गजब का है। भाजपा थिंक टैंक ने दक्षिण में तमिलनाडु, केरल, आंध्र, तेलंगाना, कर्नाटक व पुडुचेरी में लोकसभा चुनाव जीतने की योजना पर काफी पहले से काम शुरू कर दिया था। तमिलनाडु और केरल में इस बार पार्टी 10 से ज्यादा सीटें जीटने की जुगत में जुटी है। लेकिन भाजपा दक्षिण में मजबूत भाषाई सांस्कृतिक

गौरव को पुशअप करने वाली पार्टियों को तोड़ने में नाकाम रही है, इसके साथ वही वह उत्तर-दक्षिण विभाजन की खाई भी नहीं कम कर पायी। विश्लेषक कहते हैं कि भाजपा की वोट में हिस्सेदारी बढ़ सकती है पर यह सीट बढ़ाने मे कारगर होगी? इसमें संदेह है। भाजपा की पार्टनर रही तमिलनाडु की एआईडीएमके को 2021 के विधानसभा चुनाव में हार के बाद एहसास हो गया कि भाजपा से गठजोड़ करके उसकी द्रविड़ पहचान पर ग्रहण लगा रहा है, तो उसने बीते साल सितंबर 2023 माह में भाजपा से गठबंधन तोड़ दिया। हालांकि दक्षिण के हर राज्य में सीटें हासिल करने में जुटी भाजपा ने मोदी के दूसरे कार्यकाल के शुरुआती दिनों से ही अभियान शुरू कर दिया था। ममल्लापुरम में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ शिखर सम्मेलन, लोकसभा में सेंगोल की स्थापना, धार्मिक लिहाज से काशी टू चेन्नई योजना इसके प्रमाण हैं। लेकिन चुनावी अभियान आगे बढ़ने के साथ जानकार मान रहे हैं कि दक्षिण में बढ़त हासिल करके 400 पार का लक्ष्य जिसमें भाजपा का अपने दम पर 370 सीटें जीतना शामिल है, इतना भी आसान नहीं है। दक्षिण के मैदान-ए-जंग में भाजपा ने 2014 के लोकसभा चुनाव में 21 सीटें जीती थी और 2019 में 29 सीटें जीती थीं।

तमिलनाडु में 39 लोकसभा सीटें हैं। 2014 में छह फीसद वोट के साथ भाजपा ने एक सीट जीती थी, लेकिन 2019 में चार फीसद वोट के साथ स्कोर शून्य रहा। एआईडीएमके ने 2014 में 45 फीसद वोट के साथ 37 सीटें जीती डीएमके शून्य पर रही, पर 2019 में डीएमके ने 34 फीसद वोट के साथ 23 सीटें जीतीं। उसके सहयोगी दलों ने सात, कांग्रेस ने आठ व एक एआईडीएमके ने जीती। अब आंध्र (25) को देखिए, 2014 में यहां भाजपा ने सात फीसद वोट के साथ दो सीटें जीती थीं जबकि 2019 में एक फीसद वोट के साथ खाता नहीं खुला। मतलब आधार और सीट दोनों ही जाती रहीं। तेलंगाना (17)में 2014 में भाजपा ने 11 फीसद वोट के साथ एक सीट जीती जबकि 2019 में 20 फीसद वोट के साथ चार सीटें जीतीं। केरल (20) राज्य में 2014 में दस फीसद वोट पर सीट शून्य तो 2019 में 13 फीसद वोट फिर भी सीट शून्य। कांग्रेस ने यहां पर 2014 में 31 फीसद वोट पाकर आठ सीटें जीतीं और 2019 में 37 फीसद वोटों के साथ 15 सीटें जीतीं। अब आइए कर्नाटक (28) में। भाजपा के लिए यह राज्य बमबम है। 2014 में 43 फीसद वोट हासिल कर 14 सीटें पायीं तो 2019 में 51 फीसद वोट हासिल कर 25 सीटें जीतीं। कांग्रेस ने क्रमशः 9 और एक सीटें पाईं। जेडीएस दो और एक पर सिमटी रही। पुडुचेरी (1) में 2014 में भाजपा ने एक 2019 में कांग्रेस ने एक सीट जीती।

चुन लिया सांसद

तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में वोट डालने के लिए अपनी बारी का इंतजार करते मतदाता। यहां मतदाताओं में वोट डालने को लेकर खासा उत्साह नजर आया। देर शाम तक मतदाता बूथों पर डंटे रहे।

हिसार में चौटाला परिवार से ससुर व दो बहुओं में संग्राम

चंडीगढ़। हरियाणा की हिसार लोकसभा सीट पर भाजपा, आईएनएलडी और जेजपी के उम्मीदवार सामने आने के बाद मुकाबला काफी दिलचस्प हो गया है। भाजपा ने इस सीट पर रणजीत चौटाला को मैदान में उतारा है। उनके मुकाबले जेजेपी और आईएनएलडी ने भी चौटाला परिवार से ही प्रत्याशी उतारकर हिसार की जंग रोचक बना दी है। जेजेपी ने अजय चौटाला की पत्नी और दुष्यंत की मां नैना चौटाला को उम्मीदवार बनाया है, तो आईएनएलडी ने देवी लाल के पौत्र रविंद्र उर्फ रवि चौटाला की पत्नी सुनैना चौटाला पर चुनावी दांव लगाया है। रणजीत चौटाला रिश्ते में नैना और सुनैना के चाचिया ससुर लगते हैं। ऐसे में हिसार का मुकाबला अब

- **भाजपा के रणजीत चौटाला के सामने जेजेपी से दुष्यंत की मां नैना, लोकदल से सुनैना**

चौटाला परिवार के बीच सिमट गया है। रणजीत चौटाला अब तक आठ चुनाव लड़ चुके हैं। लेकिन उनका जीत का रिकॉर्ड बढ़िया नहीं है। उन्हें केवल तीन बार ही जीत मिली है और पांच बार हार का सामना करना पड़ा है। जानकार हिसार के चुनावी मुकाबले में ससुर और बहुओं की लड़ाई में नैना चौटाला की संभावनाएं मजबूत मान रहे हैं। इसकी वजह यह है कि नैना ने अब तक दो विधान सभा चुनाव लड़े हैं और दोनों में ही उन्होंने जीत हासिल की है। उधर, सुनैना चौटाला की बात करें तो यह उनका पहला चुनाव है।

अतीत के झरोखे से | 7 करोड़ 32 लाख पड़े वोटों में कांग्रेस को मिले थे 4,76,65,951 वोट

पहले ही चुनाव में 55 फीसदी लोगों ने नहीं डाले थे कांग्रेस को वोट

1952 में जब पहली लोकसभा का चुनाव हुआ तो 80% से ज्यादा आबादी निरक्षर थी। इस चुनाव में लोकसभा की 489 सीटों के लिए 17 करोड़ 32 लाख (44.87 फीसदी) मतदाताओं ने अपने मत का प्रयोग किया। कांग्रेस ने कुल 4,76,65,951 यानी 44.99 वोट हासिल किए। उस वक्त एक निर्वाचन क्षेत्र में एक से अधिक सीटें भी होती थीं, लिहाजा 489 स्थानों के लिए 401 निर्वाचन क्षेत्रों में ही चुनाव हुआ। 1960 से इस व्यवस्था को समाप्त कर दिया गया। एक सीटों वाले 314 निर्वाचन क्षेत्र थे। 86 निर्वाचन क्षेत्रों में दो सीटें और एक क्षेत्र में तीन सीटें थीं। इस चुनाव में 14 पार्टियों को राष्ट्रीय पार्टी की मान्यता दी गई। कुल 53 पार्टियों ने चुनाव लड़ा।

1952 के चुनाव में कांग्रेस ने 364 सीटों पर जीत हासिल की थी लेकिन पार्टी को 55 प्रतिशत लोगों ने वोट नहीं दिया था। कांग्रेस के पक्ष में लगभग 45 प्रतिशत ही मतदान हुआ था। इसके बावजूद कांग्रेस ने संसद में 489 सीटों में से 364 और राज्य विधानसभाओं में 3,280 में से 2,247 सीटें हासिल करके आराम से जीत हासिल की। पहले आम चुनाव में सीपीआई उपविजेता बनकर उभरी। 16 सीटें जीतकर कांग्रेस के बाद दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी, हालांकि उसे केवल 3.29% वोट ही मिले। इसके बाद जयप्रकाश नारायण और राम मनोहर लोहिया की सोशलिस्ट पार्टी थी, जिसने 254 सीटों पर चुनाव लड़कर 12 सीटें हासिल कीं। कृपलानी की केएमपीपी उन 145 सीटों में से केवल नौ जीतने में सफल रही, जिन पर उसने चुनाव लड़ा था। । वहीं 37 निर्दलीय उम्मीदवार भी जीतने में सफल रहे थे। इनके अलावा गणतंत्र परिषद को 6, हिंदू महासभा को 4, शिरोमणि अकाली दल को 4, अखिल भारतीय राम राज्य परिषद को 3, जनसंघ 49 सीटों पर चुनाव लडी और तीन सीटें जीतने में सफल रही और इसके संस्थापक डॉ. मुखर्जी स्वयं कलकत्ता दक्षिण पूर्व निर्वाचन क्षेत्र से जीते । 1952 के चुनाव में डॉ. अम्बेडकर की एससीएफ को ज्यादा सफलता नहीं मिली और उसने जिन 35 सीटों पर चुनाव लड़ा उनमें से केवल दो सीटें ही हासिल कीं।

पहले आम चुनाव में कुल 53 राजनीतिक दलों ने हिस्सा लिया था। जिसमें 14 राष्ट्रीय और 39 क्षेत्रीय दल शामिल थे। इसमें 22 पार्टी कम से कम एक सीट जीतने में कामयाब रही। इसमें सोशलिस्ट पार्टी को कुल 10.6 प्रतिशत वोट मिले और 12 सीटों पर जीत मिली। कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (सीपीआई) ने मात्र 3.3 प्रतिशत वोट पाया और 16 सीटें जीतने में कामयाबी हासिल की। किसान मजदूर प्रजा पार्टी को 5.79 प्रतिशत वोट मिले और 9 सीटों पर जीत हासिल हुई। पीपुल्स डेमोक्रेटिक फ्रंट (पीडीएफ) 1.3 प्रतिशत वोट प्राप्त कर 7 सीट जीतने में कामयाब रही थी।

गणतंत्र परिषद ने 1 प्रतिशत से भी कम 0.91 फीसदी वोट प्राप्त किए और 6 सीटों पर जीत हासिल की थी। हिंदू महासभा को भी 0.95 प्रतिशत वोट मिले और 4 सीटों पर जीत मिली। इसी तरह शिरोमणि अकाली दल को 0.99 प्रतिशत वोट के साथ 4 सीटों पर जीत मिली। तमिलनाडु टॉयलर्स पार्टी ने 0.84 प्रतिशत वोट के साथ 4 सीटें प्राप्त की। अखिल भारतीय राम राज्य परिषद को 1.97 प्रतिशत वोट मिले, लेकिन जीत सिर्फ 3 सीटों पर ही हुई। भारतीय जनसंघ को 3.06 प्रतिशत वोट के साथ 3 सीटों पर जीत मिली। कॉमनवेल पार्टी को 0.31 प्रतिशत वोट मिले लेकिन जीत 3 सीटों पर हुई। झारखंड पार्टी को 0.71 प्रतिशत वोट के साथ 3 सीटों पर जीत मिली।

- **प्रो. विवेकानंद तिवारी**

लोहे की 20 लाख मतपेटियां बनवाई गईं

- पूरे भारत में कुल 2 लाख 24 हज़ार मतदान केंद्र बनाए गए थे. इसके अलावा लोहे की 20 लाख मतपेटियां बनाई गई थीं जिसके लिए 8200 टन इस्पात का इस्तेमाल किया गया था। कुल 16500 लोगों को मतदाता सूची बनाने के लिए छह महीने के अनुबंध पर रखा गया था।

केरल में हुआ था 80 फीसदी से ज्यादा मतदान

- राजस्थान के कोट बूंदी सीट पर सबसे कम 22.59 फीसदी लोगों ने ही वोट डाले, जबकि केरल की कोट्टायम सीट पर सबसे ज्यादा 80.49 फीसदी लोगों ने मताधिकार का प्रयोग किया।

मैंथा बाजार भाव

चन्दौसी : शिवालिक- 995 फ्लैग- 1110 बोल्ड- 1155 डीएमओ- 885

सर्राफा

कानपुर	
चांदी 999 (प्रति किलो)	85300
सिक्का (प्रति सैकड़ा) लिवाल	85000
सिक्का (प्रति सैकड़ा) बिकवाल	90000
सोना बिस्कुट (दस ग्राम)	75700
सोना गिन्नी (प्रति नग)	56400-56600
लखनऊ	
सोना स्टैंडर्ड	75,900
सोना रवा	75,750
सोना गिन्नी (प्रति नग)	42,500
चांदी तैयार	84,100
चांदी (999)	84,000
चांदी सिक्के (100 नग)	80,000
बरेली	
गोल्ड (पक्के जेवर)	75800
गोल्ड (गिन्नी जेवर)	74800
सिल्वर (पक्की)	830 (अनुमानित)

मणप्पुरम कर्ज के जरिये जुटाएगी 4,100 करोड़

नई दिल्ली। सोने के बदले कर्ज देने वाली कंपनी मणप्पुरम फाइनेंस ने शुक्रवार को कहा कि उसके निदेशक मंडल ने विदेशों से वाणिज्यिक उधारी (ईसीबी) के जरिये 50 करोड़ डॉलर (लगभग 4,100 करोड़ रुपये) तक की राशि जुटाने की मंजूरी दे दी है। मणप्पुरम ने शेयर बाजार को इसकी जानकारी दी। कंपनी ने कहा कि यह राशि एक या अधिक किस्तों में जुटाई जाएगी। कंपनी ने कहा कि उसके निदेशक मंडल की वित्तीय संसाधन एवं प्रबंध समिति की 19 अप्रैल को हुई बैठक में धन जुटाने के इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। कंपनी ने कारोबार बढ़ाने के लिए एक या अधिक किस्तों में निजी आवंटन या सार्वजनिक निर्गम के जरिये 6,000 करोड़ की सीमा तक गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर जारी करके धन जुटाने को मंजूरी दी थी।

काशी की संपदा, गरिमा, तृप्ति से बढ़ेगा सब्जियों का रकबा

आईआईवीआर वाराणसी की विकसित 19 प्रजाति केंद्र से अधिसूचित, बीज तैयार कर करेंगे बिक्री, प्रसंस्करण पर भी होगा काम

प्रशांत सक्सेना, लखनऊ

अमृत विचार : काशी की संपदा, गरिमा, तृप्ति, अन्नपूर्णा, उत्कर्ष आदि से प्रदेश ही नहीं बल्कि देश में सब्जियों का रकबा बढ़ेगा। यह सभी सब्जियों की नई प्रजाति के नाम हैं। इस तरह की 19 प्रजाति भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान (आईआईवीआर) वाराणसी ने विकसित की है। जिसे कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने केंद्रीय बीज समिति के परामर्श पर अधिसूचित किया है। यानी इन नामों से सब्जियों के बीजों का उत्पादन, बिक्री और पैदावार किसान करेंगे।

खासियत यह है कि ज्यादातर सब्जियां हर मौसम में कम समय पर उगेंगी और ज्यादा दिन तक सुरक्षित रहेंगी। लंबी दूरी तक ले जाने में खराब नहीं होंगी। यह अधिक पौष्टिक हैं। पुरानी प्रजातियों के मुकाबले इनमें आयरन, विटामिन बी, सी व डी जैसे तत्व अधिक हैं। इन सब्जियों से प्रसंस्करण कर पाउडर भी बनाया जा सकेगा।

उप्र में 19 सब्जियों की नई प्रजाति विकसित और अधिसूचित होना बड़ी उपलब्धि है। अब बीज तैयार कर किसानों को पैदावार के लिए देंगे। इससे सब्जियों की पैदावार बढ़ेगी। अन्य राज्यों को भी इसका लाभ मिलेगा। किसानों की आय बढ़ेगी।

-डॉ. राजीव वर्मा, संयुक्त निदेशक (शाकभाजी), उद्यान एवं प्रसंस्करण विभाग

इन नामों से आएंगी ये नई प्रजाति

टमाटर : काशी तापस, टमाटर : काशी अद्भुत, बैगन : काशी उत्तम, सब्जी मटर : काशी पूर्वी, भिंडी : काशी उत्कर्ष, मूली : काशी ऋतुराज, टिंडा : काशी हरि, ककड़ी : काशी विधि, मिर्च : काशी गरिमा, परवल : काशी परवल 141, फलीदार मटर : काशी तृप्ति, फावा बीन (बकला) : काशी संपदा, विंगडबीन (सेम) : काशी अन्नपूर्णा, पालक चुकंदर : काशी बारामासी, पालक : काशी मनु, चौलाई : काशी चौलाई-1, तरबूज : काशी मोहिनी, करेला : काशी प्रतिष्ठा व करेला/लौकी : काशी शुभ्रा

शोध करने में लगे करीब 10 वर्ष

शासन ने उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग की 17 सदस्यीय कमेटी की स्वीकृति पर प्रदेश से विकसित 20 सब्जियों की नई प्रजाति का प्रस्ताव पिछले वर्ष केंद्र को अनुमोदन के लिए भेजा था। इसमें भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान वाराणसी की 19 प्रजाति, जबकि चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर की एक खीरा की प्रजाति शामिल है। इसमें वाराणसी की सभी प्रजाति अधिसूचित हुई है। इन प्रजाति को शोध कर विकसित करने में विज्ञानियों को आठ से 10 वर्ष लगे हैं।

चार दिन बाद तेजी लौटी सेंसेक्स 599 अंक चढ़ा

मुंबई, एजेंसी

बैंक एवं वाहन शेयरों में कम मूल्य पर अधिक खरीदारी आने से घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को शुरुआती निचले स्तर से उबरकर बढ़त के साथ बंद हुए और चार दिन से जारी गिरावट का क्रम टूट गया।

बीएसई का 30 शेयरों वाला सूचकांक सेंसेक्स 599.34 अंक यानी 0.83 प्रतिशत चढ़कर 73,088.33 पर बंद हुआ। हालांकि शुरुआती कारोबार में 672.53 अंक यानी 0.92 प्रतिशत लुढ़कते हुए 71,816.46 के निचले स्तर तक खिसक गया था। लेकिन बैंक शेयरों में खरीदारी से तेजी पकड़ने में सफल रहा। एनएसई का निफ्टी भी 151.15 अंक यानी 0.69 प्रतिशत उछलकर 22,147 अंक पर बंद हुआ। कारोबार सत्र में यह 21,777.65 के निचले स्तर तक पहुंचा लेकिन बाद में बढ़त के साथ बंद हुआ।

● बैंक और वाहन के शेयरों में अधिक खरीदारी से बाजार उबरा

बजाज फाइनेंस, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एचडीएफसी बैंक, जेएसडब्ल्यू स्टील, मारुति, विप्रो, भारती एयरटेल, बजाज फिनसर्व, आईसीआईसीआई बैंक और आईटीसी ने बढ़त हासिल की। वहीं नेस्ले इंडिया, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, लार्सन एंड टुब्रो, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टाटा मोटर्स और इन्फोसिस के शेयरों में गिरावट आई।

जीएसटी प्राधिकरण ने सिप्ला पर 1.83 करोड़ का लगाया जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी

दवा कंपनी सिप्ला लिमिटेड ने शुक्रवार को कहा कि उत्पाद शुल्क से जीएसटी व्यवस्था में जाने के दौरान शिक्षा उपकर पर अमान्य क्रेडिट (ट्रांजिशनल) का दावा करने के लिए जीएसटी प्राधिकरण ने उस पर 1.83 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है।

सिप्ला ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि कंपनी को सीजीएसटी एवं केंद्रीय उत्पाद शुल्क, मुंबई, महाराष्ट्र के प्रधान आयुक्त से 1,83,17,388 रुपये का जुर्माना लगाने का आदेश मिला है। यह आदेश केंद्रीय माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 और महाराष्ट्र माल और सेवा कर अधिनियम,

2017 के प्रावधानों के तहत लगा है। जीएसटी प्राधिकरण ने कहा कि कंपनी ने वित्त वर्ष 2017-18 में उत्पाद शुल्क व्यवस्था से जीएसटी में जाने के दौरान शिक्षा उपकर पर संक्रमणकालीन यानी 'ट्रांजिशनल' क्रेडिट का दावा किया है, जो मान्य नहीं था। प्राधिकरण ने जुर्माने के साथ इसकी वसूली का आदेश दिया। सिप्ला ने कहा कि इस संबंध में अपीलीय प्राधिकार के पास अपील दायर करेगी।

विदेशी मुद्रा भंडार 5.4 अरब डॉलर घटकर 643.2 अरब डॉलर पर

मुंबई। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति, विशेष आहरण अधिकार और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास आरक्षित निधि में कमी होने से 12 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार पिछले सात सप्ताह की बढ़त गंवाते हुए 5.4 अरब डॉलर घटकर 643.2 अरब डॉलर रह गया। वहीं, इसके पिछले सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार 2.98 अरब डॉलर के इजाफे के साथ लगातार सातवें सप्ताह बढ़ता हुआ 548.6 अरब डॉलर हो गया था। रिजर्व बैंक की ओर से शुक्रवार को जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 12 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 6.5 अरब डॉलर की गिरावट के साथ 564.7 अरब डॉलर रह गया। वहीं, स्वर्ण भंडार 1.24 अरब डॉलर बढ़कर 55.8 अरब डॉलर पहुंचा। आलोच्य सप्ताह विशेष आहरण अधिकार में 9.3 करोड़ डॉलर की कमी हुई और यह घटकर 18.1 अरब डॉलर पर आ गया। इसी तरह इस अवधि में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास आरक्षित निधि 3.5 करोड़ डॉलर कम होकर 4.6 अरब डॉलर रह गया।

नेस्ले के शिशु उत्पादों में चीनी संबंधी रिपोर्ट पर गौर करें एफएसएसएआई

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) को नेस्ले इंडिया द्वारा कम विकसित देशों में अधिक चीनी वाले शिशु उत्पाद बेचने की रिपोर्ट पर गौर करने को कहा है।

स्विट्जरलैंड के गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) पब्लिक आई और इंटरनेशनल बेबी फूड एक्शन नेटवर्क (आईबीएफएएन) ने रिपोर्ट में दावा किया है कि नेस्ले ने यूरोप की तुलना में भारत सहित कम विकसित दक्षिण एशियाई देशों, अफ्रीकी तथा लैटिन अमेरिकी देशों में अधिक चीनी वाले शिशु उत्पाद बेचे। उपभोक्ता मामलों की सचिव एवं केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण

● आईबीएफएएन का दावा, नेस्ले ने विकसित देशों में अधिक चीनी वाले शिशु उत्पाद बेचे

(सीसीपीए) की प्रमुख निधि खरे ने कहा कि हमने एफएसएसएआई को नेस्ले के शिशु उत्पाद पर आई रिपोर्ट का संज्ञान लेने के लिए पत्र लिखा है। पत्र में खरे ने कहा कि उपभोक्ता मामलों के विभाग को लेखों के भारत में नेस्ले कंपनी के चलन के बारे जानकारी मिली, खासकर सेरेलैक के संबंध में। स्विट्जरलैंड के संगठन ने भारत में नेस्ले की विनिर्माण प्रथाओं पर रिपोर्ट पेश की है। भारत में बेचे जाने वाले नेस्ले सेरेलैक में एक बार के खाने में 2.7 ग्राम चीनी मिलाने का आरोप लगाया गया है, जबकि जर्मनी, स्विट्जरलैंड, फ्रांस और ब्रिटेन जैसे अन्य देशों में ऐसा नहीं किया जा रहा।

एक नजर

हिमाचल प्रदेश के लाहौल-स्पीति में महसूस किए गए भूकंप के झटके

शिमला। हिमाचल प्रदेश के आदिवासी जिला लाहौल-स्पीति में गुरुवार रात आठ बजकर 53 मिनट पर भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 4.0 मापी गई। भूकंप का केंद्र जम्मू और कश्मीर के किश्तवाड़ में था। लाहौल-स्पीति के उपायुक्त राहुल कुमार ने कहा कि यदि आपके क्षेत्र के आसपास भूकंप के कारण कोई क्षति होती है तो इसकी सूचना 1077 पर दी जा सकती है। कांगड़ा भूकंप, जो चार अप्रैल, 1905 को आया था, हिमाचल प्रदेश के इतिहास में सबसे विनाशकारी भूकंपीय घटनाओं में से एक था, जिसकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 8.0 थी और इसका केंद्र धर्मशाला के पास करेरी में था। भूकंप ने पूरे क्षेत्र में बड़े पैमाने पर विनाश किया, इमारतों, बुनियादी ढांचे को महत्वपूर्ण क्षति हुई और जीवन की हानि हुई। अनुमान बताते हैं कि 20,000 से अधिक लोगों की जान चली गई और कई लोग घायल या विस्थापित हो गए। राज्य सरकार लोगों को आपदाओं से बचाने के लिए कई कदम उठा रही है।

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने अनंतनाग और बारामूला से नौ ड्रग तस्करों को पकड़ा

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने अनंतनाग और बारामूला जिलों में मादक पदार्थ के नौ तस्करों को गिरफ्तार किया और उनके पास से भारी मात्रा में प्रतिबंधित पदार्थ बरामद किए। दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले के पांच थाना क्षेत्र में मादक पदार्थ सात तस्करों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने वाघामा बिजबेहारा के फिरोज अहमद राथर और ऐजाज अहमद मंटू को गिरफ्तार किया और उनके पास से नौ किग्रा डोडा पोस्त मिला, जबकि नागम कोकरनाग के सुहैल अहमद डार और वॉटनार्ड कोकेरनाग के रेयाज़ अहमद मीर के कब्जे से 16.450 किग्रा भांग पाउडर मिला। उत्तरासू में पुलिस ने ऐशमुकाम से शकील अहमद वानी को गिरफ्तार किया और उसके पास से 21 ग्राम चरस, 350 ग्राम डोडा पोस्त और 10,000 रुपये बरामद किए। पुलिस ने येन्नेर पहलगाम के गुलाम नबी भट से चार किग्रा डोडा पोस्त और 1.25 किग्रा भांग बूसा पकड़ा। वाघामा बिजबेहरा के इंद्राज अहमद थोकर के कब्जे से करीब पांच किलो भांग पाउडर बरामद किया।

साइबर पुलिस का अधिकारी बनकर 46 लाख रुपये ठगे

ठाणे। महाराष्ट्र के नवी मुंबई में खुद को मुंबई साइबर पुलिस का अधिकारी बताकर ठगों ने 47 वर्षीय व्यक्ति से 46 लाख रुपये ठग लिए। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि ठगों ने पीड़ित के खिलाफ धनशोधन और मादक पदार्थ का मामला दर्ज करने की धमकी देकर उसके साथ ठगी की। पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया है। उन्होंने बताया कि आरोपियों ने कथित तौर पर खुद को मुंबई साइबर पुलिस का अधिकारी बताया और नेरुल के रहने वाले पीड़ित से व्हाट्सएप पर संपर्क किया। पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने दावा किया कि उन्हें उसके (पीड़ित के) खिलाफ धनशोधन और मादक पदार्थ के संबंध में शिकायत मिली है।

राष्ट्रीय

निषेधाज्ञा रद करने के अनुरोध पर सुनवाई को तैयार अदालत

पीठ ने प्राधिकरण को सभाओं की अनुमति की अर्जी पर निर्णय लेने का दिया निदेश

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय उस याचिका पर सुनवाई करने के लिए शुक्रवार को सहमत हो गया, जिसमें सिर्फ चुनाव होने के आधार पर, दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 144 के तहत जारी किये गए निषेधाज्ञा आदेशों को रद करने का अनुरोध किया गया है। न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने यह निर्देश भी दिया कि सक्षम प्राधिकार चुनावों के बारे में लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से यात्रा या जन सभाएं आयोजित करने के लिए अनुमति मांगने वाली अर्जी पर तीन दिनों के अंदर निर्णय करे।

पीठ सामाजिक कार्यकर्ता अरूणा राय और निखिल डे की एक याचिका पर सुनवाई कर रही है। याचिका में, लोकसभा या विधानसभा चुनावों से पहले और परिणामों की घोषणा होने तक बैठकों,

● सिर्फ चुनाव के आधार पर धारा 144 के तहत जारी आदेशों को रद करने के लिए दायर की गई है याचिका

सभाओं, जुलूस या धरने को निषिद्ध करने के लिए मजिस्ट्रेट और राज्य सरकारों द्वारा सीआरपीसी की धारा 144 लागू करने के लिए आदेश जारी किये पर रोक लगाने का अनुरोध किया गया है। धारा 144 उपद्रव की आशंका होने पर लागू की जाती है। याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने पीठ से कहा, कुछ बहुत शानदार हो रहा है। छह महीनों में, निर्वाचन आयोग के चुनाव कार्यक्रम की घोषणा करने से लेकर चुनावों के समापन की पूरी अवधि तक (सीआरपीसी की) धारा 144 लागू करने का धड़ल्ले से आदेश जारी किया जा रहा है। यह धारा चुनावों के दौरान हर तरह की सभाओं, बैठकों और प्रदर्शनों को निषिद्ध करती है। पीठ ने कहा, इस तरह का आदेश कैसे जारी किया जा सकता है। भूषण ने कहा कि शीर्ष अदालत की संविधान पीठ के तीन निर्णय हैं जिनमें कहा गया है कि जब तक शांति भंग होने की प्रबल आशंका न हो यह आदेश जारी नहीं किया जा सकता। उन्होंने राजस्थान में 16 मार्च को सीआरपीसी की धारा 144 के तहत आदेश जारी किये जाने का उल्लेख किया, जिसमें कहा गया है कि यह आदेश 16 मार्च को प्रभावी होगा और छह जून तक पूरे बाड़मेर में प्रभावी रहेगा। भूषण ने कहा कि याचिकाकर्ताओं ने पिछले साल के विस चुनाव में मतदाताओं के अधिकारों के बारे में जागरूक करने के लिए एक यात्रा की इजाजत लेने के वास्ते आवेदन दिया था।

कर्नाटक में छात्रा की हत्या के बाद प्रदर्शन भाजपा ने कांग्रेस पर साधा निशाना

हुब्बाली, एजेंसी

कर्नाटक के हुब्बाली में निगम पार्षद की बेटी की उसके कॉलेज में हत्या की घटना के बाद विरोध प्रदर्शन हुआ। इसको लेकर सत्तारूढ़ कांग्रेस और विपक्ष भाजपा में आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया। कांग्रेस ने जहां इसको दो लोगों का निजी मामला बताया वहीं भाजपा ने लव जिहाद का संदेह जताया और कहा कि यह राज्य में कानून-व्यवस्था की बिगड़ती हुई स्थिति को दर्शाता है।

भाजपा की छात्र इकाई एबीवीपी और हिंदू संगठनों से जुड़े संगठनों ने न्याय और आरोपियों को कड़ी सजा देने की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। घटना को लेकर कई अन्य स्थानों पर भी विरोध प्रदर्शन की जानकारी मिली है। चौंकाने वाली घटना में, हुब्बाली-धारवाड़ नगर निगम के कांग्रेस पार्षद निरंजन हिरेमथ की बेटी नेहा हिरेमथ (23) की गुरुवार को बीवीबी कॉलेज में चाकू मारकर हत्या कर दी गई। आरोपी फैयाज खोंडुनाईक मौके से

हुबली : नेहा हिरेमथ के अंतिम संस्कार में शामिल लोग।

● कांग्रेस पार्षद की बेटी नेहा की गुरुवार को बीवीबी कॉलेज में चाकू मारकर की गई थी हत्या

भाग गया था, जिसे बाद में पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

नेहा मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन (एमसीए) के प्रथम वर्ष की छात्रा थी और फैयाज पहले उसका सहपाठी था। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार आरोपी फैयाज ने दावा किया कि दोनों में प्रेम संबंध था लेकिन वह कुछ समय से उसे नजरअंदाज कर रही थी। बेलागवी जिले में फैयाज के गृहनगर मुनवल्ली में इस हत्या की निंदा करते हुए लोगों ने आक्रोश व्यक्त करते हुए प्रदर्शन किया। केंद्रीय मंत्री एवं धारवाड़ सीट से भाजपा उम्मीदवार प्रह्लाद जोशी ने कहा है कि ये मामला लव जिहाद से जुड़ा हो सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में कांग्रेस के शासन के तहत कानून व्यवस्था पूरी तरह से खराब हो गई है। जोशी ने मुख्यमंत्री सिद्धरमैया से तुष्टीकरण की राजनीति और विशेष समुदाय के साथ विशेष व्यवहार बंद करने का आग्रह किया।

घर से आया 48 बार भोजन सिर्फ तीन बार खाये आम

नई दिल्ली, एजेंसी

मुख्यमंत्री केजरीवाल ने ईडी पर जेल में उनके आहार को लेकर संकीर्ण सोच रखने और राजनीति करने का आरोप लगाते हुए शुक्रवार को अदालत में कहा कि उन्होंने जो खाना खाया वह उनके डॉक्टर द्वारा तैयार किए गए चार्ट के अनुरूप था और उन्होंने जेल में उन्हें इंसुलिन दिए जाने का अनुरोध किया। केजरीवाल ने उनकी शर्करा के खतरनाक स्तर को नियंत्रण में रखने के लिए इंसुलिन देने की अनुमति का निर्देश जेल अधिकारियों को देने के लिए अदालत में नई याचिका दायर की। वहीं सीएम के सिंघवी ने ईडी के आरोप पर कहा कि घर से 48 बार भोजन भेजा गया, जिसमें से केवल तीन बार आम भेजे गए। आठ अप्रैल के बाद कोई आम नहीं भेजा गया।

सीएम के वकील अभिषेक सिंघवी ने कहा कि केजरीवाल को गिरफ्तारी के बाद से शर्करा को नियंत्रित करने के लिए इंसुलिन नहीं दिया गया। याचिकाकर्ता 22 वर्ष से मधुमेह से पीड़ित है। एक फरवरी, 2024 से चिकित्सा निगरानी के तहत, आवेदक इंसुलिन रिवर्सल प्रोग्राम (आईआरपी) शुरू करने में सक्षम हो पाए थे और उन्हें इंसुलिन दिया जाना

● कोर्ट में सीएम के वकील ने कहा- भोजन को लेकर ईडी का रुख संकीर्णता और राजनीति वाला

बंद कर दिया गया था। गिरफ्तारी के कारण, केजरीवाल उक्त आईआरपी का पालन करने में असमर्थ हैं और उन्हें इंसुलिन की जरूरत है। ईडी ने गुरुवार को कोर्ट में दावा किया था कि केजरीवाल चिकित्सा आधार पर जमानत के लिए जेल में उच्च शर्करा युक्त आहार ले रहे हैं, जबकि उन्हें टाइप-2 डायबिटीज है। केजरीवाल के अधिवक्ता सिंघवी ने कहा, ईडी ने दावा किया है कि मेरे मुवक्किल जमानत के लिए शर्करा स्तर बढ़ाना चाहते हैं। मैं क्या जमानत के लिए लकवा का जोखिम उठाऊंगा? मैं जो भी भोजन कर रहा हूं वह गिरफ्तारी से पहले मेरे डॉक्टर द्वारा तैयार चार्ट के अनुसार है। केजरीवाल के नियमित रूप से आम, मिठाई, आलू-पूरी खाने के ईडी के दावे पर उन्होंने कहा कि उन्हें एक-दो बार ऐसा भोजन दिया गया। केजरीवाल को जेल में घर के खाने की अनुमति है। मैं केवल शुगर फ्री चाय लेता हूं। जबकि आलू-पूड़ी केवल एक बार पूजा के समय दिया गया था।

प्रचार अभियान से संबंधित वाहन दुर्घटनाग्रस्त, नाबालिग की मौत

राजम। आंध्र प्रदेश के राजम में वाईएसआरसीपी के विधानसभा उम्मीदवार का प्रचार वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे नौ वर्षीय लड़के की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक यह दुर्घटना गुरुवार रात आठ बजे हुई जब बिस्कुट खरीदने आए लड़के को वाईएसआरसीपी उम्मीदवार टी राजेश के वाहन ने टक्कर मार दी। गाड़ी में प्रत्याशी मौजूद नहीं थे और प्रचार के बाद जब चालक गाड़ी के टायर में हवा भराने के लिए ले गया तभी यह हादसा हुआ। पुलिस ने वाहन के चालक एम सुधीर को गिरफ्तार कर लिया है। इस संबंध में मामला दर्ज किया गया और पोस्टमॉर्टम के बाद लड़के का शव उसके परिवार को सौंप दिया गया।

बोर्ड किसी भी राजनीतिक दल का समर्थन या विरोध नहीं करता है : मौलाना मुजद्दिदी

नई दिल्ली, एजेंसी

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि बोर्ड किसी राजनीतिक दल का विरोध या समर्थन नहीं करता है। बोर्ड महासचिव मौलाना मुहम्मद फजल-उर-रहीम मुजद्दिदी ने शुक्रवार को जारी बयान में ये बात कही।

उन्होंने कहा कि बोर्ड के उपाध्यक्ष प्रोफेसर डॉ सैयद अली मुहम्मद नकवी द्वारा भाजपा को समर्थन देने की बात सामने आयी है, यह उनकी निजी राय है, लेकिन इसका ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने विधान परिषद सदस्य डॉ खालिद अनवर के बोर्ड के पदाधिकारियों के बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को समर्थन देने संबंधी बयान को निराधार बताया है और कहा है कि डॉ अनवर ने गलत बयानी की है। स्थापना के बाद से ही बोर्ड ने खुद को राजनीति से दूर रखा है। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल ला बोर्ड कभी भी किसी पार्टी विशेष का समर्थन या विरोध नहीं करता।

तीसरे दिन भी प्रदर्शन जारी, अंबाला-अमृतसर मार्ग पर 40 ट्रेनें रद

अंबाला, एजेंसी

पंजाब और हरियाणा सीमा के पास शंभू में किसानों के शुक्रवार को तीसरे दिन पटरियों पर बैठे रहने से अंबाला-अमृतसर मार्ग रेल यातायात बाधित हुआ। अधिकारियों ने बताया कि किसान हरियाणा पुलिस द्वारा गिरफ्तार तीन साथियों को रिहा करने की मांग कर रहे हैं। आज 40 रेलगाड़ियां रद की गई हैं, जबकि 54 का मार्ग बदला गया है। संयुक्त किसान मोर्चा (गैर राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा (केएमएम) के बैनर के तले पटियाला जिले के शंभू में किसान प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शन के तीसरे दिन भी जारी रहने की वजह से अंबाला-अमृतसर मार्ग पर रेल यातायात बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। उन्होंने बताया कि इस मार्ग पर कुछ मालगाड़ियों का भी परिचालन होता है। रेलगाड़ियों की आवाजाही बाधित होने की वजह से यात्रियों को असुविधा हो रही है।

एनआईए ने बाइक विस्फोट के आरोपी की अचल संपत्ति की जब्त

नई दिल्ली। एनआईए ने पंजाब में 2021 में हुए विस्फोट में शामिल और खालिस्तानी आतंकवादियों से संबंध रखने के आरोपी की संपत्ति जब्त कर ली है। मामला जलालाबाद में पंजाब नेशनल बैंक की शाखा के पास बाइक में विस्फोट से संबंधित है, जिसमें हमलावर मारा गया था। एनआईए ने पंजाब के सदर फाजिल्का थानांतर्गत महातम नगर गांव के निवासी सूरत सिंह उर्फ सुरती की संपत्ति जब्त कर ली है। सूरत के पाकिस्तान में मौजूद खालिस्तानी आतंकवादियों हबीब खान उर्फ 'डॉक्टर' और लखवीर सिंह उर्फ 'रोडे' के साथ संबंध थे।

दीपक, सुजीत ओलंपिक क्वालीफायर से चूके

बिश्केक, एजेंसी

भारतीय कुश्ती के लिए एक बड़ा झटका, दुबई में खराब मौसम के कारण हुई उड़ान में देरी की वजह से टोक्यो ओलंपियन दीपक पुनिया और सुजीत कलाकल एशियाई कुश्ती ओलंपिक क्वालीफायर 2024 से चूक गए।

आगामी ग्रीष्मकालीन खेलों के लिए कोटा सुरक्षित करने के लिए अंतिम क्वालीफाइंग प्रतियोगिता में पुनिया और कलाकल को एशियाई कुश्ती ओलंपिक क्वालीफायर में शुक्रवार को प्रतिस्पर्धा करनी थी।

दीपक पुनिया

सुजीत कलाकल

लगातार बारिश से दुबई में उड़ान में देरी की वजह से कल सुबह बिश्केक पहुंचने के बावजूद, भारतीय पहलवान समय पर वेट-इन के लिए रिपोर्ट नहीं कर सके। पुनिया और कलाकल, कोच कमल मलिकोव और फिजियो शुभम गुप्ता के साथ मंगलवार से दुबई हवाई अड्डे पर फंसे हुये थे क्योंकि कई उड़ानें देरी से चल रही थी या रद्द कर दी गई थी। ये दोनों पहलवान क्वालीफायर के लिए रूस के दागेस्तान में प्रशिक्षण ले रहे थे। मई में तुर्की में होने वाले विश्व क्वालिफिकेशन टूर्नामेंट के जरिए अभी भी दोनों पहलवान ग्रीष्मकालीन खेलों के लिए कोटा प्राप्त कर सकते हैं। दीपक पुनिया को पुरुषों की फ्रीस्टाइल 86 किग्रा वर्ग में और कलाकल को 65 किग्रा में प्रतिस्पर्धा करनी थी। उल्लेखनीय है कि दो बार की ओलंपियन विनेश फोगाट और पूर्व अंडर-23 विश्व और एशियाई चैंपियन अमन सहरावत सहित पंद्रह अन्य भारतीय पहलवान 19 से 21 अप्रैल तक चलने वाले बिश्केक में एशियाई कुश्ती क्वालीफायर में पेरिस 2024 ओलंपिक कोटा के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं।

आकांक्षा सालुखे स्क्वाश के क्वार्टर फाइनल में हारीं

नयी दिल्ली। भारतीय स्क्वाश खिलाड़ी आकांक्षा सालुखे शुक्रवार को कुआलालंपुर में विश्व चैंपियनशिप एशियाई क्वालीफाइंग प्रतियोगिता के महिला एकल क्वार्टर फाइनल में हारकर प्रतियोगिता बाहर हो गईं। राष्ट्रीय खेल 2023 की चैंपियन और यहां दूसरी वरीय आकांक्षा को कम रैंकिंग वाली मलेशिया की सेहवीत्रा कुमार के खिलाफ 6-11 5-11 8-11 से हार झेलनी पड़ी। वह टूर्नामेंट में एकमात्र भारतीय थीं।

12 निशानेबाज ओलंपिक कोटे के लिए दोहा में करेंगे स्पर्धा

दोहा, एजेंसी

भारत के 12 निशानेबाज शुक्रवार से शुरु हुई आईएसएसएफ फाइनल ओलंपिक क्वालिफिकेशन चैंपियनशिप में पेरिस ओलंपिक को कोटा हासिल करने के लिए स्पर्धा करेंगे। इस स्पर्धा में टोक्यो ओलंपियन मैराज अहमद खान और अंगदवीर सिंह बाजवा, जो पूर्व एशियाई चैंपियन भी हैं, शीराज शेख के साथ पुरुषों की स्कीट में भारत की चुनौती का सामना करेंगे।

महिलाओं की स्पर्धा में गनेमत सेखों पर सबकी निगाहें होंगी। अनुभवी विवान कपूर, ज़ोरावर सिंह संधू और पृथ्वीराज टोंडिमन पुरुषों के ट्रैप में तीनों ओर से एक मजबूत चुनौती पेश करेंगे। मनीषा कीर और श्रेयसी सिंह से महिलाओं स्पर्धा में भारत को उम्मीद है। इस स्पर्धा में भारत प्रत्येक वर्ग में तीन निशानेबाज उतारेगा। प्रत्येक व्यक्तिगत स्पर्धा में शीर्ष दो निशानेबाज (प्रति देश अधिकतम एक), बशर्ते वे पात्र हों और उनके संबंधित देशों ने स्पर्धा के लिए अपना पूरा आवंटन सुरक्षित नहीं किया हो, दोहा से कोटा सुरक्षित करेंगे। उल्लेखनीय है कि भारत के निशानेबाज भवनीश मेंदीरत्ता (पुरुष ट्रैप), राजेश्वरी कुमारी (महिला ट्रैप), रायजा ढिल्लों (महिला स्कीट) और अनंतजीत सिंह नरूका (पुरुष स्कीट) को ओलंपिक कोटा हासिल है। प्रत्येक देश हर श्रेणी में अधिकतम दो कोटा प्राप्त कर सकता है।

डिकॉक और राहुल ने चेन्नई को दिखाया आईना

लखनऊ सुपर जायंट्स की आठ विकेट से जीत, केएल राहुल ने 82 और क्विंटन डिकॉक ने 54 रनों की पारी खेली

केएल राहुल

लखनऊ, एजेंसी

क्विंटन डिकॉक (54) और कप्तान केएल राहुल (82) के बीच शतकीय साझेदारी की मदद से लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) ने टाटा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 34वें मुकाबले में गत विजेता चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को पीटकर अपने मनोबल में इजाफा किया। पीले समंदर में तब्दील इकाना स्टेडियम पर चेन्नई ने पहले बल्लेबाजी करते हुये निर्धारत 20 ओवर में छह विकेट खोकर 176 रन बनाये, जिसके जवाब में लखनऊ ने विजय लक्ष्य छह गेंद शेष रहते दो विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। यह इकाना स्टेडियम के इतिहास में सबसे बड़ा रन चेज रहा।

डिकॉक और राहुल की जोड़ी ने शुक्रवार को 2022 के आईपीएल सत्र की याद दिला दी, जब दोनों ने अपने दम पर 210 रन की पार्टनरशिप कर केकेआर के खिलाफ यादगार जीत दर्ज की थी। केएल राहुल की शुक्रवार की पारी अब तक के सत्र की सर्वश्रेष्ठ पारी थी, इससे पहले उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 58 रन बनाये थे।

अंकतालिका

टीम	मैच	जीत	हार	अंक	रन रेट
राजस्थान	7	6	1	12	+0.677
कोलकाता	6	4	2	8	+1.399
चेन्नई	7	4	3	8	+0.529
हैदराबाद	6	4	2	8	+0.502
लखनऊ	7	4	3	8	+0.123
दिल्ली	7	3	4	6	-0.074
मुंबई	7	3	4	6	-0.133
गुजरात	7	3	4	6	-1.303
पंजाब	7	2	5	4	-0.251
बेंगलुरु	7	1	6	2	-1.185

- **चेन्नई सुपरकिंग्स के महेंद्र सिंह धोनी ने 9 गेंदों पर 28 रन ठोके**

अपनी अर्धशतकीय पारी में उन्होने 53 गेंद खेलकर नौ चौके और तीन छक्के जड़े। राहुल सीएसके के सफल गेंदबाज पथिराना का शिकार बने जब प्वाइंट पर खडे जडेजा ने उनका कैच एक हाथ से लपका। इससे पहले दूसरे छोर पर डिकॉक पारी के 15वें ओवर की आखिरी गेंद पर मुस्तफिजुर रहमान का शिकार बने। उन्होंने अपनी सत्र की तीसरी अर्धशतकीय पारी में 43 गेंद खेलकर पांच चौके और एक छक्का लगाया। दोनों सलामी बल्लेबाजों के आउट होने के बाद जीत की औपचारिकता को निकोलस पूरन (23) और मार्कस स्टॉयनिस (8) ने बगैर और नुकसान के पूरा कर लिया। पूरन ने नो बाल में फ्री हिट पर चौका जड़कर अपनी टीम को जीत दिलायी। इकाना स्टेडियम में आज 50 हजार दर्शकों का दिल अपने चहेते सितारे सीएसके के महेन्द्र सिंह धोनी के साथ था मगर दिमाग में उनके लखनऊ की जीत की तमन्ना थी और दर्शकों की दोनों तमन्नायें पूरी हुईं। जब उन्होंने धोनी की पैसा वसूल पारी देखी। उधर एलएसजी के कप्तान केएल राहुल ने अपने घरेलू दर्शकों की जीत की चाहत को भी पूरा कर दिया। सातवें बल्लेबाज के रूप में पिच पर उतरे धोनी ने अपने खास अंदाज में नौ गेंदों की नाबाद पारी में तीन चौके और दो छक्के की मदद से 28 रन ठोक दिये जिसके चलते चेन्नई मेजबान टीम के खिलाफ चुनौतीपूर्ण लक्ष्य तैयार करने में सफल हो सका। हालांकि उनकी इस पारी पर राहुल और डिकॉक ने पानी फेर दिया। धोनी के साथ दूसरे छोर पर हरफनमौला रविंद्र जडेजा की साहसिक नाबाद पारी ने न सिर्फ चेन्नई को मुश्किलों के भंवर से निकाला बल्कि मैदान पर बैठे एलएसजी के समर्थकों की भी खूब वाहवाही लूटी।

चेन्नई 176/6 — 20 ओवर, अतिरिक्त : 4

बल्लेबाज	रन	गेंद	4/6
अजिंक्य रहाणे बोल्ड क्रुणाल	36	24	5/1
रचिन रविंद्र बोल्ड मोहसिन	00	01	0/0
ऋतुराज का राहुल बो ठाकुर	17	13	1/0
रविंद्र जडेजा नाबाद	57	40	5/1
शिवम का राहुल बो स्टॉयनिस	03	08	0/0
समीर स्टंप राहुल बो क्रुणाल	01	05	0/0
मोईन का बडोनी बो बिश्नोई	30	20	0/3
एमएस धोनी नाबाद	28	09	3/2

गेंदबाजी : मैट हेनरी 3-0-26-0, मोहसिन खान 4-0-37-1, यश4-0-45-1, क्रुणाल 3-0-16-2, बिश्नोई 4-0-44-1, स्टॉयनिस 2-0-7-1

लखनऊ 180/2 — 19 ओवर, अतिरिक्त : 13

बल्लेबाज	रन	गेंद	4/6
डिकॉक का धोनी बोल्ड मुस्तफिजुर	54	43	5/1
के एल राहुल का जडेजा बो पथिराना	82	53	9/3
निकोलस पूरन नाबाद	23	12	3/1
मार्कस स्टॉयनिस नाबाद	08	07	1/0

गेंदबाजी : दीपक चाहर 3-0-26-0, तुषार देशपांडे 4-0-42-0, मुस्तफिजुर रहमान 4-0-43-1, रवींद्र जडेजा 3-0-32-0, मथीशा पथिराना 4-0-29-1, मोईन अली 1-0-5-0

ऑरेंज कैप

खिलाड़ी	मैच	रन
विराट कोहली (आरसीबी)	07	361
रियान पराग (राजस्थान)	07	318
रोहित शर्मा (मुंबई)	07	297

पर्पल कैप

खिलाड़ी	मैच	विकेट
जसप्रीत बुमराह (मुंबई)	07	13
युजवेंद्र चहल (राजस्थान)	07	12
गेराल्ड कोएत्जी (मुंबई)	07	12

खेल डायरी

अप्रैल तक नये कोच का ऐलान करेगा पीसीबी

लाहौर। पाकिस्तान के टेस्ट और सीमित ओवरों के कोचों का ऐलान इस महीने के आखिर में किया जायेगा। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पीसीबी ने यह भी पुष्टि की कि दक्षिण अफ्रीका के गैरी कर्स्टन और ऑस्ट्रेलिया के जैसन गिलेस्पी के अलावा बोर्ड को 15 अप्रैल की समय सीमा तक कुछ और नामी कोचों के आवेदन मिले हैं। सूत्र ने कहा, ''पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने साफ तौर पर कहा है कि पूरी प्रक्रिया का पालन करके दीर्घकालिन आधार पर कोचों की नियुक्ति की जायेगी।''

कैस्पर रूड बार्सिलोना ओपन के क्वार्टरफाइनल में

बार्सिलोना। नॉर्वे के स्टार टेनिस खिलाड़ी कैस्पर रूड ने ऑस्ट्रेलिया के जॉर्डन थॉम्पसन को 6-1, 6-4 से हराकर बार्सिलोना ओपन के क्वार्टरफाइनल में पहुंच गये हैं। रूड की सीजन की यह 26वीं जीत है। इसके साथ ही रूड 2024 में सबसे अधिक टूर-स्तरीय जीत के मामले में जानिक सिनर से आगे निकल गए है। रूड ने शुरुआत में ही शानदार खेल का मुजाहिरा करते हुए 5-0 की बढ़त बनाई। उन्होंने दूसरे सेट के सातवें गेम में निर्णायक ब्रेक हासिल करने से पहले शुरुआती सेट का समापन किया और एक घंटे 13 मिनट तक चले मुकाबले में जीत हासिल की। रूड क्वार्टरफाइनल मुकाबले में अर्नाल्डी से भिड़ेंगे।

पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच पहला टी20 धुला

रावलपिंडी। तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर की अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी टल गई क्योंकि पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच पहला टी20 मैच बारिश के कारण रद्द हो गया। न्यूजीलैंड का स्कोर उस समय एक विकेट पर दो रन था जब बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा। शाहीन शाह अफरीदी ने न्यूजीलैंड के लिये पदार्पण कर रहे टिम रॉबिनसन को बोल्ड कर दिया था। बारिश के कारण मैच प्रति टीम पांच ओवर का कर दिया गया था लेकिन दो ही गेंद डाली जा सकी। टॉस भी हल्की बूंदाबांदी के कारण आधा घंटे देर से हुआ। दूसरा टी20 मैच शनिवार को खेला जायेगा। आमिर और इमाद वसीम संन्यास का फैसला बदलकर लौटे हैं।

मेघा ने नौकायन चैंपियनशिप में जीता कांस्य पदक

टोक्यो। भारत की मेघा प्रदीप ने शुक्रवार को एशियाई कैनो स्प्रिंट चैंपियनशिप 2024 में महिलाओं की सी1 500 मीटर स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। जापान के टोक्यों में आयोजित चैंपियनशिप में मेघा प्रदीप ने 2:28.027 का समय लेकर तीसरा स्थान पर रही। वियतनाम की डीप थू हुआंग (02:18.178) और कजाकिस्तान की उलियाना किसेलेवा (02:26.645) ने क्रमश: स्वर्ण और रजत पदक जीते। अन्य स्पर्धा में एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता अर्जुन सिंह और सुनील सिंह सलाम फाइनल में छठे स्थान पर रहे और पेरिस 2024 ओलंपिक के लिए कोटा प्राप्त करने से चूक गए।

पंड्या पर धीमी ओवर गति के लिए 12 लाख का जुर्माना

मुल्लांपुर। मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या पर इंडियन प्रीमियर लीग टी20 मैच में धीमी ओवर गति के कारण 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। मुंबई इंडियंस ने सूर्यकुमार की 53 गेंदों में 78 रनों की धमाकेदार पारी की बदौलत सात विकेट पर 192 रन का प्रतिस्पर्धी स्कोर खड़ा करने के बाद पंजाब किंग्स की पारी को 19.1 ओवर में 183 रन पर समेट दिया। आईपीएल से जारी विज्ञप्ति में शुक्रवार को कहा गया, '' मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या पर 18 अप्रैल को मुल्लांपुर स्थित पीसीए के नये अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में पंजाब किंग्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 के मैच के दौरान उनकी टीम द्वारा धीमी ओवर गति बनाए रखने के बाद जुर्माना लगाया गया है।''

मजबूत मानसिकता से जीत सकते हैं पदक

नयी दिल्ली, एजेंसी

अनुभवी बैडमिंटन खिलाड़ी अश्विनी पोनप्पा ने आत्म-संदेह से पार पाकर तीसरी बार ओलंपिक खेलों में देश के प्रतिनिधित्व का मौका हासिल किया है, जिसे वह मजबूत मानसिकता के दम पर पदक में बदलना चाहती है। लंदन और रियो ओलंपिक में भाग लेने वाली 34 साल की इस खिलाड़ी ने पिछले साल जनवरी में 20 वर्षीय तनीषा क्रास्टो के साथ जोड़ी बनाकर इस साल पेरिस में होने वाले खेलों के लिए क्वालिफिकेशन को पक्का कर लिया है।

पिछले कुछ सप्ताह भारतीय खिलाड़ियों के लिए निराशाजनक रहे हैं क्योंकि उन्होंने पेरिस का टिकट बुक करने के लिए छह सप्ताह में पांच टूर्नामेंटों में भाग लेना पड़ा। आखिरी क्वालीफाइंग सूची इस महीने के अंत में आने वाली है। अश्विनी ने कहा, ''हमने लगातार चार टूर्नामेंट खेले हैं और यह काफी थकाने वाला रहा है। लेकिन सभी के लिए स्थिति एक जैसी थी क्योंकि हम सभी ओलंपिक में जगह पाने के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे थे।'' उन्होंने कहा, ''मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से यह राहत और खुशी की बात है कि हम क्वालीफाई कर गए हैं।'' अश्विनी को खुद पर संदेह करने वालों को गलत साबित करने में खुशी हुई।

मैदान पर वापसी आपको परिभाषित करती है: शमी

नयी दिल्ली। अनुभवी भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने टखने की सर्जरी के बाद अपनी रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया का वीडियो साझा करते हुए जल्द ही मैदान पर वापसी की उम्मीद जतायी। शमी ने दर्द के बावजूद पिछले साल वनडे विश्व कप में भाग लिया था। उन्होंने 24 विकेट चटकाए थे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व कप फाइनल मैच के बाद से हालांकि यह 33 साल का खिलाड़ी चोट के कारण खेल से दूर है। उन्हें इस साल फरवरी में सर्जरी करानी पड़ी। शमी ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा करते हुए लिखा, चोट आपको परिभाषित नहीं करतीं, आपकी वापसी आपको परिभाषित करती है।

दिल्ली के सामने सनराइजर्स हैदराबाद की कठिन चुनौती

नयी दिल्ली, एजेंसी

मैदान के भीतर और बाहर विषमताओं के बीच अपने अपार जीवट का परिचय देने वाले ऋषभ पंत शानदार फॉर्म में चल रही सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग में शनिवार को जब दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी के लिये अरूण जेटली स्टेडियम पर उतरेंगे तो उनके लिये यह बेहद भावुक पल होगा।

पिछले साल पंत इस मैदान पर बैसाखियों के सहारे चलते नजर आये थे लेकिन उन्होंने 2022 के जानलेवा कार हादसे के बाद एक विकेटकीपर और बल्लेबाज के तौर पर आईपीएल के इस सत्र में शानदार वापसी की है। दिल्ली ने अब तक मिला जुला प्रदर्शन किया है हालांकि लखनऊ सुपर जाइंट्स और गुजरात टाइटंस को हराकर वे दौड़ में बने हुए हैं। अब तक सात मैचों में से दिल्ली ने तीन जीते और चार हारे हैं। आईपीएल अंक तालिका में चौथे स्थान पर काबिज सनराइजर्स की टीम दो बार टूर्नामेंट के इतिहास का सर्वोच्च स्कोर (तीन विकेट पर 277 रन और तीन विकेट पर 287 रन) बना चुकी है।

सनराइजर्स हैदराबाद : जयदेव उनादकट, जे सुब्रमण्यन, टी नटराजन, मयंक मारकंडे, भुवनेश्वर कुमार, फजलहक फारूकी, पैट कमिंस (कप्तान), वाशिंगटन सुंदर, शाहबाज अहमद, सनवीर सिंह, ग्लेन फिलिप्स, नितीश रेड्डी, मार्को यानसेन, अभिषेक शर्मा, उपेंद्र यादव, राहुल त्रिपाठी, ऐडन मार्कराम, हेनरिक क्लासेन, ट्रेविस हेड, अनमोलप्रीत सिंह, मयंक अग्रवाल, अब्दुल समद, आकाश महाराज सिंह, वानिंदु हसरंगा और उमरान मलिक। **दिल्ली कैपिटल्स :** ऋषभ पंत (कप्तान), डेविड वॉर्नर, पृथ्वी साव, स्वस्तिक चिकारा, यश ढुल, एनरिच नॉर्किया, ईशांत शर्मा, झाय रिचर्डसन, खलील अहमद, कुलदीप यादव, मुकेश कुमार, प्रवीण दुबे, रसिक डार, विकी ओस्तवाल, अक्षर पटेल, जैक फ्रेजर गुर्क, ललित यादव, मिचेल मार्श, सुमित कुमार, अभिषेक पोरेल, कुमार कुशाग्र, रिकी भुई, शाइ होप, ट्रिस्टन स्टब्स। **मैच भारतीय समयानुसार शाम साढ़े सात बजे शुरू होगा।**

बॉलीवुड हलचल

जूनियर एनटीआर ने ट्रेनर मन्नव का जन्मदिन मनाया

मुंबई, एजेंसी। दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार मैन ऑफ मासेस एनटीआर जूनियर ने अपने ट्रेनर मन्नव कुमार का जन्मदिन मनाया। मैन ऑफ मासेस एनटीआर जूनियर अपने विनम्र व्यक्तित्व और शानदार ऑन-स्क्रीन अभिनय के कारण जाने जाते हैं। मैन ऑफ मासेस एनटीआर जूनियर का अपने फिटनेस ट्रेनर के प्रति प्रेम नेटिज़न्स का दिल जीत रहा है। एनटीआर जूनियर जो इस समय शूटिंग के लिए मुंबई में हैं, उन्होंने अपनी टीम के बाकी सदस्यों के साथ अपने फिटनेस ट्रेनर कुमार मन्नव का जन्मदिन मनाया। मन्नव कुमार ने एनटीआर जूनियर के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया। अपने सोशल मीडिया पर एक फोटो शेयर करते हुए मन्नव ने लिखा, "<bha>@</bha>जूनियरएनटीआर, मैं अभिभूत हूँ। अपना जन्मदिन याद रखना और फिर एक हेल्दी केक पाना, यह जानते हुए कि मैं खाने में कितना नखरेबाज़ हूं। हमारे बीच का बंधन, आप मुझ पर और मेरे परिवार पर जो प्यार बरसाते हैं, इतने बड़े स्टार होने के बावजूद भी इतने विनम्र। यार, मैं क्या कह सकता हूँ! आप, <bha>@</bha>जूनियरएनटीआरविनम्रता और प्यार की एक किताब हैं। आपके आस-पास रहना बहुत अच्छा लगता है।

धर्मेन्द्र ने फिल्म मेरा गांव मेरा देश से जुड़ा वीडियो शेयर किया

मुंबई, एजेंसी। अभिनेता धर्मेन्द्र ने 53 साल पुरानी सुपरहिट फिल्म मेरा गांव मेरा देश से जुड़ा वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है। धर्मेन्द्र ने एक इंस्टाग्राम फैन पेज का वीडियो शेयर किया, जिसमें मेरा गांव मेरा देश के लोकेशन की अब की झलक देखने को मिली है। इसी वीडियो पर कमेंट करते हुए धर्मेन्द्र ने लिखा, प्यार उन पुरानी यादों के लिए। इसी वीडियो को ट्विटर पर शेयर करते हुए धर्मेंद्र ने एक्स अकाउंट पर लिखा, 50 साल पुरानी उन प्यारी यादों को प्यार। फिल्म मेरा गांव मेरा देश वर्ष 1971 में रिलीज हुयी थी। इस फिल्म में धर्मेंद्र के अलावा, विनोद खन्ना, आशा पारेख, जयंत, लक्ष्मी छाया और असित सेन अहम रोल में नजर आए थे। फिल्म का निर्देशन राज खोसला ने किया था।

धाविका शालू को क्लीन चिट नमूना दूषित होने का खुलासा

नयी दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रीय डोपिंग निरोधी एजेंसी की अपील पैनल ने मध्यम दूरी की धाविका शालू चौधरी को डोपिंग के आरोपों से बरी करके चार साल का प्रतिबंध हटा दिया है क्योंकि डीएनए टेस्ट में पता चला कि उनके मूत्र के नमूने से या तो छेड़छाड़ की गई या लेते समय वह दूषित हो गया था। तीस वर्ष की चौधरी पर पिछले साल प्रतिबंध लगाया गया था और वह नाडा की अनुशासन समिति के सामने अपील हार गई थीं। उन्हें दो प्रतिबंधित दवाओं के कथित इस्तेमाल के कारण प्रतिबंध झेलना पड़ा था।

आठ सौ मीटर में राष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता चौधरी ने मूत्र के नमूने के डीएनए टेस्ट की मांग की जिसे अनुशासन समिति ने तो खारिज कर दिया लेकिन अपील पैनल ने मान लिया। डीएनए जांच लंदन के किंग्स कॉलेज स्थित फारेंसिंक विभाग द्वारा कराई गई। अपीली पैनल ने कहा, ''मूत्र के नमूने के पिछले विश्लेषण में डीएनए प्रोफाइल सही नहीं आया है। डीएनए नमूने की जांच रिपोर्ट को देखते हुए नाडा के वकील कोई और कारण नहीं बता पाये है जिससे अपीली

पैनल खिलाड़ी की अपील खारिज करने का फैसला ले।''

इसने कहा,'' नाडा के वकील ने डीएनए रिपोर्ट मान ली और इसके नतीजे को चुनौती नहीं दी है। इसके मद्देनजर डोपिंग निरोधक पैनल द्वारा 11 अप्रैल 2023 को दिया गया फैसला दरकिनार किया जाता है। खिलाड़ी पर लगाया गया चार साल का प्रतिबंध खारिज कर दिया गया है। इसके साथ ही 13 जून 2022 से प्रतिस्पर्धाओं में उनके नतीजे रद्द करने के निर्देश भी खारिज किये जाते हैं।'' पैनल ने 18 अप्रैल को आदेश दिये जाने के दस दिन के भीतर डीएनए टेस्ट पर हुआ डेढ लाख रूपये का खर्च भी चौधरी को भुगतान करने का नाडा को निर्देश दिया।

जिम्नास्ट दीपा करमाकर विश्व कप में चौथे स्थान पर

नयी दिल्ली। स्टार भारतीय जिम्नास्ट दीपा करमाकर शुक्रवार को दोहा में एफआईजी एपेरेटस विश्व कप में महिला वॉल्ट फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए चौथे स्थान पर रहीं। यह टूर्नामेंट पेरिस ओलंपिक की क्वालीफाइंग प्रतियोगिता है।

पिछले महीने अजरबैजान में बाकू एपेरेटस विश्व कप में चौथे स्थान पर रहीं 30 साल की दीपा एक बार फिर पदक से चूक गईं। उन्होंने 13.333 अंक जुटाए। पनामा की नवास कर्ला ने (13.850) ने स्वर्ण पदक हासिल किया जबकि कोरिया की आन चैंग ओक (13.833) तथा जॉर्जिएवा वेलेंटिना (13.466) को क्रमशः रजत और कांस्य पदक मिला। दीपा क्वालीफाइंग दौर में छठे स्थान पर रही थीं। टूर्नामेंट में हिस्सा ले रही एक अन्य भारतीय प्रणति नायक क्वालीफाइंग दौर में 11वें स्थान पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहीं।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अजय कुमार सक्सेना द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं मकान नं.197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड, हल्द्वानी, जिला नैनीताल, उत्तराखंड-263139 से प्रकाशित।
संपादक-शंभू दयाल वाजपेयी, 05946292618 (कार्यालय), ईमेल-amritvicharhld@gmail.com, आर.एन.आई नं0-UTTHIN/2021/79698 **(नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नैनीताल होगा)।**

नई अर्जी में सीएए के नियमों को चुनौती

- सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और असम सरकार से मांगा जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने नागरिकता (संशोधन) नियम, 2024 को चुनौती देने वाली एक याचिका पर शुक्रवार को केंद्र और असम सरकार से जवाब तलब किया। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला की पीठ ने याचिकाकर्ता गुवाहाटी निवासी हिरेन गोहेन का प्रतिनिधित्व करने वाले एक वकील की दलीलों को गौर से सुना और फिर राज्य सरकार और केंद्रीय गृह और विदेश मंत्रालयों को नोटिस जारी किया।

कोर्ट ने साथ ही यह आदेश दिया कि नई याचिका को इस मुद्दे पर लंबित याचिकाओं के साथ टैग किया जाए। याचिका में कहा गया है कि बांग्लादेश से असम में अवैध प्रवासियों के अनियंत्रित संख्या में आने से राज्य में भारी जनसांख्यिकीय परिवर्तन हुआ। मूलनिवासी, जो कभी बहुसंख्यक हुआ करते थे, अब अपनी ही भूमि पर अल्पसंख्यक हो गए हैं। हाल ही में पीठ ने सीएए नियमों के संचालन पर रोक लगाने से इनकार करते हुए केंद्र से उन आवेदनों पर जवाब देने को कहा, जिनमें कोर्ट की ओर से सीएए की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं का निपटारा होने तक उनके कार्यान्वयन पर रोक लगाने की मांग की गई थी। याचिका में कहा कि स्पष्ट रूप से भेदभावपूर्ण संविधान की मूल संरचना के खिलाफ हैं।

ओटीटी प्लेटफॉर्म पर अश्लीलता को लेकर हुई सुनवाई

नई दिल्ली। याचिकाकर्ता की ओर से अदालत में पेश वकील ने न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ को बताया कि याचिका में उठाया गया मुद्दा में ओटीटी प्लेटफार्म पर (अश्लीलता और आपत्तिजनक) जैसी अभद्र चीजे दिखाने की रजामंदी दी जा सकती है जो सभी उम्र के दर्शकों के लिए बिल्कुल भी सही नहीं है। वकील ने यह आरोप लगाया कि ओटीटी प्लेटफॉर्म पर नग्नता दर्शाने वाले आपत्तिजनक दृश्य दिखाए जा रहे हैं। इस बात पर न्यायमूर्ति पीठ ने याचिकाकर्ता से कहा, सेंसर बोर्ड के पास जाएं। पीठ ने याचिकाकर्ता से पूछा, आप सरकार को एक प्रतिनिधित्व बनाकर दें। साथ ही यह भी पूछा कि क्या, आप दर्शक नियंत्रण पर कुछ दिशानिर्देश चाहते हैं? याचिकाकर्ता के वकील ने इस मुद्दे पर सरकार से संपर्क करने की छूट के साथ याचिका वापस लेने की मांग की है। शीर्ष अदालत ने याचिकाकर्ता को सरकार को प्रतिनिधित्व देने की स्वतंत्रता के साथ याचिका वापस लेने की अनुमति दी। इसमें कहा गया है कि यदि ऐसा कोई प्रतिनिधित्व दिया जाता है, तो उसके ऊपर संबंधित कानूनों के मुताबिक फैसला लिया जाना चाहिए।

कैग का अंतर्राष्ट्रीय सहयोग बढ़ाने पर बुल्गारिया से समझौता

नई दिल्ली। भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) ने बुल्गारिया के राष्ट्रीय लेखा परीक्षा कार्यालय 'एसएआई बुल्गारिया' के साथ अंतर्राष्ट्रीय सहयोग बढ़ाने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। कैग द्वारा जारी बयान में कहा कि दोनों देशों के शीर्ष ऑडिट संस्थानों ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। इससे दोनों देशों के बीच ऑडिटिंग के क्षेत्र में सहयोग और विशेषज्ञता का आदान-प्रदान बढ़ेगा। सहयोग और ऑडिट कार्यों में परस्पर सहयोग से ऑडिटिंग पेशेवरों और तकनीकी टीमों के बीच ज्ञान और अनुभव के आदान-प्रदान के लिए एक मंच स्थापित किया जाएगा। एमओयू पर हस्ताक्षर के समय बुल्गेरियाई राष्ट्रीय लेखा परीक्षा कार्यालय की कार्यवाहक अध्यक्ष गोरिट्सा ग्रैनचारोवा- कोजोरेवा भी मौजूद रहीं।

भारत ने पहली बार ब्रह्मोस मिसाइल की खेप फिलीपींस को सौंपी

भारत ने चीन के पड़ोसी फिलीपींस को ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल की पहली खेप सौंप दी है। इस मिसाइल से फिलीपींस की रक्षा क्षमता में इजाफा होगा। ब्रह्मोस पाने वाला फिलीपींस पहला बाहरी देश है। भारत ने जनवरी 2022 में फिलीपींस को ब्रह्मोस मिसाइल की बिक्री के लिए 375 मिलियन डॉलर (3130 करोड़ रुपये) की डील की थी। भारत ने फिलीपींस को कितनी मिसाइलें दीं, अभी इसका पता नहीं चला है। इंडियन एयरफोर्स ने सी-17 ग्लोब मास्टर विमान के जरिए इन मिसाइलों को फिलीपींस मरीन कॉर्प्स को सौंपा। इन मिसाइलों की स्पीड 2.8 मैक और मारक क्षमता 290 किमी है। एक मैक ध्वनि की गति 332 मीटर प्रति सेकेंड होती है। फिलीपींस को सौंपी गई मिसाइल की स्पीड ध्वनि की गति से 2.8 गुना ज्यादा है।

डील से भारत को होने वाले फायदे

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिलीपींस के साथ यह डील देश को रक्षा क्षेत्र में एक्सपोर्टर बनाने और आत्मनिर्भर भारत को बढ़ावा देने में मदद देगी। इस डील से मिलिट्री इंडस्ट्री का भी मनोबल बढ़ेगा और साउथ-ईस्ट एशिया में भारत को भी एक बड़ा भरोसेमंद एक्सपोर्टर के रूप में देखा जाएगा। साथ ही इस डील से भारत-फिलीपींस के रिश्तों में मजबूती आएगी और चीन को दोनों देशों की एकजुटता का संदेश जाएगा।

ये है खासियत

- ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल की स्पीड काफी तेज है और इसकी मारक क्षमता 290 किमी है।
- इस मिसाइल की खास बात ये है कि इसे पनडुब्बी, जहाज, विमान या जमीन से लॉन्च किया जा सकता है।
- एक खास बात इस मिसाइल में यह भी है कि यह हवा में अपना रास्ता भी बदल सकता है, जिससे इसे ट्रैक करना मुश्किल हो जाता है।

फिलीपींस ने क्यों खरीदी मिसाइलें

फिलीपींस की चीन के साथ हाल ही में साउथ चाइना सी में कई बार झड़प हुई है। ब्रह्मोस मिसाइलों से समुद्र में फिलीपींस की ताकत बढ़ेगी और समुद्र में चीन के बढ़ते प्रभाव को भी रोका जा सकेगा।

अर्जेंटीना-वियतनाम में भी ब्रह्मोस मिसाइल की मांग

ब्रह्मोस एयरोस्पेस के डायरेक्टर जनरल अतुल दिनाकर राणे ने जून 2023 में कहा था- अर्जेंटीना, वियतनाम सहित 12 देश ब्रह्मोस मिसाइल सिस्टम को खरीदने में इंटरेस्ट दिखा चुके हैं। बाहरी देशों की ब्रह्मोस की मांग बताती है कि यह मिसाइल सिस्टम बहुत भरोसेमंद है।

एक नजर

केन्या: हेलीकॉप्टर दुर्घटना में सेना प्रमुख समेत 9 की मौत

नैरोबी। केन्या के सेना प्रमुख जनरल फ्रांसिस ओगोला की गुरुवार को देश के पश्चिमी हिस्से में एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मौत हो गई। राष्ट्रपति विलियम रूटो ने टेलीविजन पर अपने संबोधन में यह जानकारी दी। रूटो ने कहा कि हेलीकॉप्टर दुर्घटना में जनरल ओगोला और सेना के नौ अन्य कर्मियों की मौत हो गई। हादसे में दो लोग बच गए। हेलीकॉप्टर गुरुवार की दोपहर (स्थानीय समायानुसार) उड़ान भरने के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। उन्होंने कारणों की जांच की जा रही है।

अमेरिका में भारतीय पर 1.7 करोड़ डॉलर की बैंक धोखाधड़ी का आरोप

वाशिंगटन। अमेरिका में 52 वर्षीय भारतीय नितिन वत्स को 1.7 करोड़ डॉलर की क्रेडिट लाइन के संबंध में अमेरिकी बैंक में धोखाधड़ी की योजना के लिए दोषी ठहराया गया है। अमेरिकी अटॉर्नी फिलिप सेलिंगर ने बताया, उसने जुर्म कुबूल कर लिया है। मार्च 2016 से मार्च 2018 तक, वत्स सहित लोटस एक्जिम (एलईआई) के एक मालिक और कर्मचारियों ने धोखाधड़ी वाले तरीकों से पीड़ित बैंक से 1.7 करोड़ डॉलर की क्रेडिट लाइन लेने की साजिश रची। पीड़ित बैंक ने क्रेडिट लाइन बढ़ा दी, जबकि साजिशकर्ताओं ने प्राप्य खातों में से कई को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया था।

श्रीलंका : पूर्व सैनिकों को रूसी सेना में भेजने पर पूर्व मेजर बंदी

कोलंबो। रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच श्रीलंका में एक बड़ा घोटाला सामने आया है। यहां सेना का एक पूर्व मेजर कई माह से मोटी रकम लेकर पूर्व सैन्यकर्मियों को रूसी सेना में भेज रहा था। पुलिस के आपराधिक जांच विभाग ने पूर्व मेजर और एक नागरिक को गिरफ्तार किया है। अंतरराष्ट्रीय मीडिया रिपोर्टों में पिछले महीने यह बताया गया था कि श्रीलंका के 100 से अधिक पूर्व सैनिक रूस-यूक्रेन युद्ध में दोनों ओर से सेवाएं दे रहे हैं। इन्हें 3,000 डॉलर (करीब 2.50 लाख रुपये) के मासिक वेतन पर युद्ध में सेवा का लालच दिया गया।

न्यूयॉर्क में बड़ा साइबर हमला विधानमंडल के कंप्यूटर ठप

न्यूयॉर्क। अमेरिका के न्यूयॉर्क राज्य विधानमंडल का कंप्यूटर बुनियादी ढांचा बड़े साइबर हमले का शिकार हुआ है। इसके चलते राज्य में पहले से ही हफ्तों से लंबित राज्य बजट वार्ता में देरी हुई। न्यूयॉर्क की गवर्नर कैथी होकुल ने कहा, साइबर हमला गुरुवार तड़के (भारतीय समयानुसार) हुआ। सबसे बड़ा झटका विधायिका के बिल प्रारूपण कार्यालय को लगा, जो राज्य के बजट पर निर्णय लेने का प्रभारी है। द हिल की रिपोर्ट के अनुसार, बिल मसौदा तैयार करने वाला कार्यालय एक कंप्यूटर फाइल सिस्टम का इस्तेमाल करके हमले का जवाब दे रहा है।

फिलिस्तीन को यूएन का स्थायी सदस्य बनाने के प्रस्ताव पर अमेरिका का वीटो

युद्धग्रस्त फिलिस्तीन के समर्थन में 12 देशों ने किया मतदान, वोटिंग से दूर रहा ब्रिटेन

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

फिलिस्तीन को संयुक्त राष्ट्र की पूर्ण सदस्यता के प्रस्ताव पर अमेरिका ने वीटो कर दिया है। गुरुवार को 15 देशों वाली परिषद ने फिलिस्तीन को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की पूर्ण सदस्यता के प्रस्ताव पर मतदान किया गया। प्रस्ताव को पारित करने के लिए कम से कम 9 परिषद सदस्यों के समर्थन की जरूरत थी।

फिलिस्तीन को संयुक्त राष्ट्र का स्थायी सदस्य बनाने के प्रस्ताव के पक्ष में 12 वोट पड़े, वहीं स्विट्जरलैंड और ब्रिटेन वोटिंग में शामिल नहीं हुए। हालांकि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में अमेरिका द्वारा इस प्रस्ताव पर वीटो कर दिया गया, जिससे यह प्रस्ताव पारित नहीं हो सका। अभी फिलिस्तीन संयुक्त राष्ट्र का गैर सदस्यीय देश है। साल 2012 में फिलिस्तीन को यह दर्जा दिया गया था। इसके तहत फिलिस्तीन संयुक्त राष्ट्र की कार्यवाही में भाग ले सकता है, लेकिन किसी प्रस्ताव पर वोट नहीं कर सकता है। फिलिस्तीन के अलावा वेटिकन सिटी भी संयुक्त राष्ट्र का गैर सदस्यीय देश है।

संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका के प्रतिनिधि रॉबर्ट वुड ने वीटो पावर के इस्तेमाल पर सफाई देते हुए कहा कि 'अमेरिका ये मानता है कि फिलिस्तीन को अलग देश का दर्जा देने का सबसे सही रास्ता इजराइल और फिलिस्तीन के बीच सीधी बातचीत ही है, जिसमें अमेरिका और अन्य सहयोगी देश मदद करें। अमेरिका का ये वोट फिलिस्तीन को अलग देश का दर्जा देने के खिलाफ नहीं है, लेकिन हमारा मानना है कि यह दोनों पक्षों में सीधे बातचीत के जरिए ही होना चाहिए।

रॉबर्ट वुड ने कहा कि हमने लंबे समय पहले कहा था कि फिलिस्तीन को देश का दर्जा पाने के लिए कई संशोधन करने होंगे। अभी गाजा में एक आतंकी संगठन हमास सत्ता में है और प्रस्ताव में हमास को फिलिस्तीन का अभिन्न अंग बताया गया है। इस वजह से अमेरिका ने प्रस्ताव पर वीटो किया है।

वुड ने बताया कि 7 अक्टूबर को इजराइल पर हुए हमले के बाद राष्ट्रपति जो बाइडन ने साफ किया था कि क्षेत्र में दो देशों के प्रस्ताव से ही शांति आ सकती है। एक लोकतांत्रिक यहूदी राष्ट्र की सुरक्षा और भविष्य के लिए इससे दूसरा रास्ता नहीं है। फिलिस्तीनियों के शांति से रहने का भी दूसरा कोई रास्ता नहीं है।

अमेरिका के फैसले पर फिलिस्तीन ने जताई निराशा

संयुक्त राष्ट्र में फिलिस्तीन के प्रतिनिधि रियाद मंसूर ने अमेरिका द्वारा प्रस्ताव पर वीटो लगाने के फैसले पर निराशा जताई, लेकिन साथ ही प्रस्ताव को समर्थन देने वाले देशों को धन्यवाद भी कहा। उन्होंने कहा कि फलस्तीन को संयुक्त राष्ट्र की पूर्ण सदस्यता देने का मतलब शांति में निवेश है। फलस्तीन ने इससे पहले साल 2012 में भी संयुक्त राष्ट्र के पूर्ण सदस्य बनाने की मांग उठाई थी, लेकिन उस वक्त भी सुरक्षा परिषद में इस पर सहमति नहीं बन सकी थी। किसी भी देश को संयुक्त राष्ट्र का पूर्ण सदस्य बनाने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के साथ ही आम सभा से भी मंजूरी मिलना जरूरी है। वोटिंग के समय दो तिहाई सदस्यों का मौजूद रहना भी जरूरी है।

फ्रांस: ईरानी दूतावास में विस्फोटक लेकर घुसा युवक

- फ्रांसीसी पुलिस ने किया गिरफ्तार, पूछताछ जारी

पेरिस, एजेंसी

ईरानी वाणिज्य दूतावास की शिकायत के आधार पर फ्रांसीसी पुलिस ने शुक्रवार को एक व्यक्ति को हिरासत में ले लिया है। दूतावास ने को अलर्ट दिया था कि शुक्रवार को एक व्यक्ति विस्पोटक लेकर अंदर घुसा गया है।

हालांकि, पुलिस ने अब युवक को हिरासत में लेकर दूतावास से बाहर निकाल लिया है। पुलिस उससे लगातार पूछताछ कर रही है। सुरक्षा की दृष्टि से राजधानी के 16वें जिले में वाणिज्य दूतावास के आसपास के पूरे इलाके को सील कर दिया गया है। क्षेत्र में भारी पुलिस बल तैनात है। पेरिस परिवहन कंपनी आरएटीपी ने एक्स पर एक पोस्ट करते हुए कहा कि दो मेट्रो लाइनों पर यातायात निलंबित कर दिया गया है। दोनों लाइनें दूतावास के नजदीक चलती हैं।

गूगल ने इजराइल विरोधी कर्मियों को नौकरी से निकाला

वाशिंगटन। गूगल ने उन 28 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है जो इजराइली सरकार के साथ गूगल अनुबंध को लेकर अपने कार्यालयों में धरना-प्रदर्शन में शामिल थे। द वर्ज की रिपोर्ट के अनुसार, इस सप्ताह की शुरुआत में अमेरिका में नौ कर्मचारियों को निलंबित करने और फिर गिरफ्तार किए जाने के बाद यह छंटनी हुई। जिन 28 कर्मचारियों को हटाया गया है, उन्होंने इजराइली सरकार के लिए 1.2 अरब डॉलर के गूगल क्लाउड अनुबंध का विरोध किया था। कर्मचारियों को दिए एक आंतरिक ज्ञापन में कंपनी ने कहा कि इस तरह के बर्ताव का कार्यस्थल पर कोई स्थान नहीं है, और हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे।

अब जनरल स्टोर्स पर भी मिल सकेंगी सामान्य दवाएं

नई दिल्ली। देश में जल्द ही जनरल और प्रोविजन स्टोर्स पर सर्दी-खांसी, गैस, बुखार की दवाएं मिलने लगेंगी। केंद्र सरकार ने इसके लिए साल के शुरुआत में विशेषज्ञों की एक समिति बनाई थी, जो ओवर-द-काउंटर (ओटीसी) दवा नीति बनाने पर विचार कर रही है। एक अधिकारी ने जानकारी देते हुए कहा कि, इसी समिति की हाल ही में बैठक हुई, जिसमें उन दवाओं की प्रारंभिक सूची पर मंथन हुआ, जिन्हें जनरल स्टोर्स पर आसानी से बेचा जा सकता है।

ओटीसी दवाएं वे हैं जिन्हें डॉक्टर के प्रिस्क्रिप्शन के बिना खरीदा जा सकता है। अमेरिका, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में उनकी बिक्री के लिए सख्त गाइडलाइन बनाई गई है। सूत्रों के मुताबिक, इस सुविधा का ज्यादा फायदा गांव-देहातों में होगा, क्योंकि वहां मेडिकल स्टोर्स कम ही होते हैं। बता दें कि देश में अभी प्रिस्क्रिप्शन पर ही दवाएं बेची जाती हैं।

परिस्थितियों में सुधार करें या फिर दूसरे विभागों में भेज दें, रेलवे से महिला ट्रेन पायलटों की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में महिला ट्रेन पायलटों ने रेलवे बोर्ड से आग्रह किया है कि कामकाज की 'दयनीय' परिस्थितियों में सुधार किया जाए या उन्हें अन्य विभागों में स्थानांतरित करने की अनुमति दी जाए।

महिला लोको पायलट के एक समूह ने रेलवे बोर्ड की अध्यक्ष जया वर्मा सिन्हा को ज्ञापन दिया है। इसमें उन्होंने 'एक बार कैडर परिवर्तन' विकल्प की मांग की है। ऑल इंडिया रेलवेमेन फेडरेशन की सदस्य महिला लोको पायलटों ने इंजन में शौचालय न होने, मासिक धर्म के समय पैड नहीं बदल पाने, रात में तकनीकी खराबी को दूर करने के लिए इंजन से बाहर आने का अनिवार्य नियम और देर रात की ड्यूटी के लिए आवास से लाने-पहुंचाने की सुविधा नहीं होने जैसी समस्याओं का उल्लेख किया है। अभी देशभर में 1500 से अधिक महिला लोको पायलट और सहायक लोको पायलट हैं।

लद्दाख में खुबानी उत्सव

लेह: लद्दाख में इन दिनों वसंत ऋतु आने के साथ ही खुबानी (एप्रिकॉट) के पेड़ सुंदर फूलों से लदे हुए हैं। सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत से समृद्ध लद्दाख के कई गांवों में खुबानी के फूल खिलाने के अवसर पर उत्सव का आयोजन किया जाता है। इसमें शामिल होने के लिए लद्दाख के कई गांवों के लोगों के अलावा बड़ी संख्या में देश-विदेश से पर्यटक भी आते हैं। लद्दाख के निचले हिस्से में दुनिया की सबसे अच्छी खुबानी पैदा होती है। लद्दाख की खुबानी की किस्मों में से एक 'रकत्से कार्यों' को 2022 में भौगोलिक संकेत (जीआई) मिला था। ● एजेंसी

अफगान का वखान कॉरिडोर को खोलने की तैयारी में चीन

इस्लामाबाद, एजेंसी

- पाकिस्तान का सीपैक दरकिनार अफगानिस्तान में विशाल खनिज भंडार पर खोज कर रहा चाइना

चाइना-पाकिस्तान इकॉनोमिक कॉरिडोर (सीपैक) के पाकिस्तान में विरोध और अपने इंजीनियरों पर आतंकी हमलों से परेशान चीन का इस प्रोजेक्ट से भरोसा उठ गया है। अब चीन ने पाकिस्तान को दरकिनार करके दूसरे विकल्प तलाशना शुरू कर दिया है ताकि वह अरब सागर तक आसानी से पहुंच सके।

पाकिस्तानी मीडिया के अनुसार, चीन अब अफगानिस्तान को मनाने में जुटा है ताकि वह वखान कॉरिडोर के जरिए ईरान के चाबहार बंदगाह तक पहुंच सके। वखान कॉरिडोर उत्तरी अफगानिस्तान में स्थित एक संकरी पट्टी है जहां अफगानिस्तान, पाकिस्तान और चीन मिलते हैं। वखान कॉरिडोर 350 किमी लंबा और 16 से 35 किमी चौड़ा गलियारा है, जिसमें 125 गांवों में 12 हजार लोग रहते हैं। इसी से पहले इसी चीनी व्यापारी अरब सागर तक पहुंचते थे। बता दें, अफगानिस्तान में खनिजों का भंडार है। जो एक ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा के हैं। यहां लोहा, तांबा, लिथियम, मार्बल, क्रोमाइट, कोबाल्ट के अलावा सोने व पेट्रोलियम और गैस के विशाल भंडार हैं। जनवरी में अफगानिस्तान ने अमू नदी बेसिन में तेल और गैस खोजने के लिए चीन की झिंजियांग सेंट्रल एशिया पेट्रोलियम एंड गैस कंपनी से समझौता किया है।

विज्ञान जेम्स वेब स्पेस टेलेस्कोप द्वारा पृथ्वी से 357 प्रकाश वर्ष दूर हुई अनोखी दुनिया की खोज

ब्रह्मांड में तीन ग्रहों के अनूठे सौर मंडल की खोज

नैनीताल कार्यालय

अमृत विचार : दूर अंतरिक्ष में तीन ग्रहों वाले अनूठे सौर मंडल की खोज हुई है। इस ग्रह मंडल के तीनों ग्रह जन्म ले रहे हैं। इन्हें पूर्ण ग्रह का स्वरूप लेने में लंबा समय लगेगा। ग्रहों की उत्पत्ति व विकास में हमारी समझ के विस्तार को लेकर यह खोज बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

यह खोज जेम्स वेब स्पेस टेलेस्कोप द्वारा हो पाई है। तीन ग्रहों की यह दुनिया पृथ्वी से 357 प्रकाश वर्ष दूर है, जो एचएल टौरी तारा मंडल क्षेत्र में स्थित है। यह तीनों ग्रह निर्माणधीन हैं। जिनके बाहरी डिस्क की तस्वीरें प्राप्त हुई हैं। ये एक युवा तारों के चारों ओर गैस और धूल के साथ नए ग्रह बना रहे हैं। खगोलविदों का मानना है कि तीनों ग्रह अपने तारे के बहुत करीब से परिक्रमा कर सकते हैं। बहरहाल इनकी ऑर्बिट की सही जानकारी बाद में पता लग सकेगी। जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप की मदद से खोजे गए तीन युवा प्रोटोप्लेनेटरी सिस्टम की यह खोज एरिज़ोना विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने की है। यह खोज वास्तविक रूप से बनने वाले ग्रहों की जानकारी देने में मददगार साबित होगी। द एस्ट्रोफिजिकल जर्नल में यह खोज प्रकाशित हो चुकी है।

इस खोज की शुरुआत वैज्ञानिकों ने चिली के अटाकामा रेगिस्तान में अटाकामा लार्ज मिलीमीटर/सबमिलिमीटर ऐरे (एएलएमए) रेडियो टेलीस्कोप से की। जिससे वैज्ञानिकों को अंदाजा हो गया था कि यह कोई नया सौर मंडल हो सकता है। जिसकी पुष्टि के लिए जेम्स वेब स्पेस टेक्सकोप का सहारा लेना पड़ा। प्रोटोप्लेनेटरी डिस्क सिस्टम यानी सौर मंडल का नाम एस ए ओ 206462 और एम डब्लू सी 758 है।

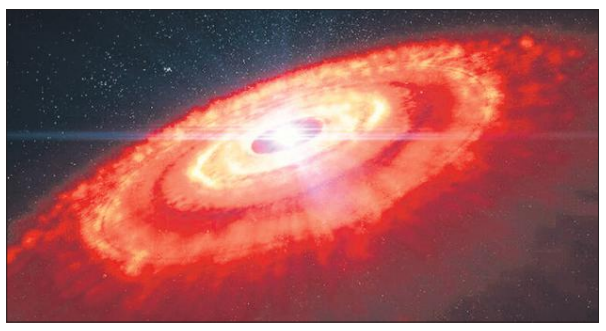

जन्म लेते नए सौर मंडल की तस्वीर।

निर्माणाधीन ग्रहों से खुलेगा जन्म का रहस्य

आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान एरीज के वरिष्ठ खगोल वैज्ञानिक डा वीरेंद्र यादव का कहना है कि ब्रह्मांड अनंत में फैला हुआ है और असंख्य तारों के साथ अनगिनत सौर मंडल हमारी तरह अपना जीवन यापन कर रहे हैं। मगर आज भी हम हमारी जानकारी बेहद कम है। जैसे तकनीक विकसित हो रही है, हमारी जानकारी में भी वृद्धि हो रही है। ग्रहों के जन्म की बारीकियों को निर्माणाधीन सौर मंडल के जरिए समझा जा सकता है।

3 दशक में अंतरिक्ष में 10 लाख सैटेलाइट नेविगेशन में परेशानी

न्यूयॉर्क। अंतरिक्ष में 10 हजार से ज्यादा सैटेलाइट धरती पर सिग्नल भेज रहे हैं। 10 से 15 साल में इनकी संख्या 1 लाख से ज्यादा हो जाएगी। अगले 3-4 दशकों में 10 लाख से ज्यादा सैटेलाइट होंगे। हजारों सेटेलाइट अभी कचरे की तरह अंतरिक्ष में घूम रहे हैं।

ये सैटेलाइट धरती पर नेविगेशन बाधक हो सकते हैं। हार्वर्ड स्मिथसोनियन सेंटर फॉर एस्ट्रोफिजिक्स के वैज्ञानिक डॉक्टर जोनाथन ने बताया है कि, धरती के आयन मंडल में सैटेलाइट और रॉकेट्स से निकलने वाले मलबे में मौजूद उच्च चालक सामग्री चार्जिंग प्रभाव पैदा करती हैं, जो एक चुंबकीय शील्ड की तरह बर्ताव करती है। इससे नेविगेशन में मुश्किल होगी। उन्होंने बताया है कि इससे बचने के लिए वैज्ञानिकों को कोई तरीका खोजना पड़ेगा।

पाक में जापानी नागरिकों पर आतंकी हमला

इस्लामाबाद, एजेंसी

- बाइकसवार आतंकियों ने वैन में मारी टक्कर, विस्फोट में बाल-बाल बचे, एक निजी सुरक्षा गार्ड घायल

पाकिस्तान आजकल आतंकवादियों के निशाने पर है। पड़ोसी देश में बहार के नागरिकों पर हमलों में बढ़ोतरी हुई है। कभी सेना तो कभी नागरिकों को निशाना बनाया जा रहा है। सिंध प्रांत में शुक्रवार को पांच जापानी नागरिकों को निशाना बनाते हुए आतंकवादियों ने एक आत्मघाती हमला करने की कोशिश की। हालांकि, शुक्र रहा कि सभी नागरिक सही सलामत बच निकले।

पूर्वी के उप महानिरीक्षक (डीआईजी) अजफर महेसर ने बताया कि लांधी में मुर्तजा चोरांगी के नजदीक मोटरसाइकिल सवार आतंकवादियों ने जापानी नागरिकों की वैन को टक्कर मारने की कोशिश की। उन्होंने बताया कि सभी पांच जापानी नागरिक सुरक्षित हैं। हालांकि, उनके साथ मौजूद निजी सुरक्षा गार्ड घायल हो गया। आतंकवाद रोधी विभाग (सीटीडी) के डीआईजी आसिफ एजाज शेख ने बताया कि जापानी नागरिक दो सुरक्षा गार्डों के साथ एक वैन में यात्रा कर रहे थे। तभी आतंकवादियों ने उनके वाहन को निशाना बनाने की कोशिश की। अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा गार्डों ने एक आतंकवादी को मार गिराया, जबकि दूसरे ने वैन के करीब जाने की कोशिश में खुद को उड़ा लिया। डीआईजी शेख ने बताया कि जापानी नागरिकों को ले जा रहा वाहन बुलेट प्रूफ था। इसलिए सभी सुरक्षित हैं। अभी तक किसी ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। जिन्ना अस्पताल के अधिकारियों ने कहा कि तीन घायलों, दो सुरक्षा गार्ड और एक राहगीर को अस्पताल लाया गया जिनमें से दो की हालत गंभीर है। अस्पताल ने पुष्टि की कि किसी विदेशी को इलाज के लिए नहीं लाया गया था।

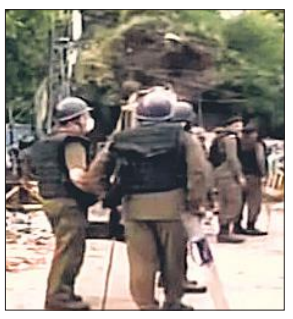

अधिकारी ने बताया कि जापानी नागरिक पाकिस्तान सुजुकी मोटर्स में काम करते थे। बता दें, कराची पाकिस्तान का सबसे बड़ा शहर और दक्षिणी सिंध प्रांत की राजधानी है। छोटे अलगाववादी समूहों और तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान ने हाल के वर्षों में चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) से संबंधित परियोजनाओं पर काम कर रहे चीनी नागरिकों पर हमले तेज कर दिए हैं।